

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी के पूर्व

अध्यक्ष एल

खियांग्ते ने लगाई

जमानत की गुहार

रांची। जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते ने जमानत के लिए गुहार लगाई है। उनके वकील ने सीआईडी की विशेष अदालत में गुरुवार को जमानत याचिका दाखिल की है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल खियांग्ते को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। इस केस में अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में एल खियांग्ते पर परीक्षा से जुड़ी एजेंसियों से कथित तौर पर कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है।

युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित लाइब्रेरी के पास गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस युवक की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगा रही है। स्थानीय लोगों ने गुरुवार की सुबह युवक को लाइब्रेरी के पास बेसुध अवस्था में देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने में जुटी है। साथ ही मौत के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

होटल रमाडा बाय

विंडहेम रांची में

रक्तदान शिविर आज

रांची। बरियातु रोड स्थित होटल रमाडा बाय विंडहेम रांची की ओर से भारत विकास परिषद, युवा मंच, लेडीज सर्कल इंडिया और राउंड टेबल इंडिया के सहयोग से शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रमाडा बाय विंडहेम रांची में आयोजित होगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देना है। शिविर में होटल के कर्मचारी, सहयोगी संस्थाओं के सदस्य, होटल के अतिथि, शुभचिंतक और स्थानीय लोग भाग लेंगे। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण पत्र और जलपान के साथ बाइक हेलमेट/वॉटर कुलर भी सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाएगा। होटल के प्रबंधक ने कहा कि रक्तदान समाज के प्रति योगदान देने का सबसे सरल और प्रभावशाली माध्यम है। इस पहल के जरिए हम अधिक से अधिक लोगों को आगे आने, रक्तदान करने और किसी की मुस्कान, स्वस्थ होने और बेहतर कल की वजह बनने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। होटल प्रबंधन ने शहरवासियों से इस सामाजिक पहल में बढ़-चढ़कर भाग लेने और रक्तदान कर एक स्वस्थ एवं संवेदनशील समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की है।

विज्ञान

डीपीएस रांची : मना तृतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

अंतरिक्ष में उड़ान भरने को तैयार झारखंड के नन्हें वैज्ञानिक

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। अंतरिक्ष के अनंत रहस्यों को जानने और आधुनिक तकनीक की बारीकियों को समझने की जिज्ञासा अब झारखंड के नन्हें वैज्ञानिकों के सपनों को नई उड़ान दे रही है। किताबों और कक्षाओं से आगे बढ़कर अंतरिक्ष विज्ञान अब विद्यार्थियों के बीच जीवंत अनुभव के रूप में पहुंच रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (23 अगस्त) के आधिकारिक समारोह से पूर्व डीपीएस रांची ने इसरो, कोलकाता के सहयोग से विशेष स्पेस इवेंट का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक अनुसंधान और आधुनिक अंतरिक्ष की संभावनाओं से परिचित होने का अवसर मिला। ऐसे

आयोजन विद्यार्थियों के भीतर वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान को एक संभावनाशील करियर के रूप में देखने के लिए प्रेरित करते हैं। यह पहल देश के वैज्ञानिक भविष्य को आकार देने वाली नई पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डीपीएस रांची का यह आयोजन झारखंड के नन्हें वैज्ञानिकों के लिए सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आसमान से आगे सपने देखने और उन्हें विज्ञान के बल पर साकार करने की प्रेरणा बनकर सामने आया। इस पहल ने विद्यार्थियों के मन में अंतरिक्ष अनुसंधान की नई अलख जगाते हुए उनके सपनों को अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक पहुंचाने



का मार्ग प्रशस्त किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के डायरेक्टर जनरल, प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की

परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को जिज्ञासा, नवाचार एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अधिकारियों की राय

इसके पश्चात डॉ. अरिंदम गुहा ने इसरो की चंद्र यात्रा विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत की उल्लेखनीय चंद्र अन्वेषण यात्रा से परिचित कराया तथा चंद्रयान अभियानों के माध्यम से प्राप्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कोट्टी वेंकट सुधाकर ने उपग्रह आंकड़ा अधिग्रहण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने समझाया कि उपग्रह प्रणालियां अंतरिक्ष से महत्वपूर्ण सूचनाएं किस प्रकार एकत्र करती हैं तथा इन आंकड़ों को किस प्रकार प्राप्त, संसाधित एवं वैज्ञानिक एवं विकासात्मक कार्यों में उपयोग किया जाता है। डॉ. तनुमी कुमार ने इसरो

की जनसंपर्क पहल एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में करियर के अवसर विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्ध विविध अवसरों से परिचित कराया तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित में मजबूत आधार विकसित करने के महत्व पर बल दिया।

ये रहे शामिल

संवादात्मक सत्र में इसरो के अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अधिकारियों ने सहभागिता की, रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट के डिप्टी जनरल मैनेजर डॉ. अरिंदम गुहा, रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट की हेड एप्लोकेशन, डॉ. तनुमी कुमार, रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट सोनियर साईंस्ट्रिट डॉ. प्रवीर कुमार दास, एनआरएससी के सॉफ्टवेयर सिस्टम्स क्वालिटी एश्योरंस

एक नजर

झारखंड के मझगांव में सबसे अधिक 183 मिमी बारिश दर्ज



रांची। राजधानी रांची सहित राज्य भर में इन दिनों अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में 183.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। यह जानकारी गुरुवार को मौसम विभाग ने दी। विभाग के अनुसार इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 35.6 डिग्री बोकारो में और सबसे कम न्यूनतम तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इधर, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर बाद रांची के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने 17 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। विभाग की ओर से इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है। साथ ही 14 अगस्त को राज्य के ०6 जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की जानकारी दी गई है। विभाग ने जिन ०6 जिलों में भारी बारिश होने का अनुभव अनुमान व्यक्त किया है उनमें सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, लातेहार शामिल हैं। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 35.2 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री, डोलनगंज में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

अमेजन मेगा डील डेज आपके कार्ट पर दोबारा

बचत करने का एक और मौका लेकर आया

रांची। अमेजन.इन ने मेगा डील डेज की घोषणा की है, जो ग्राहकों के लिए स्मार्टफोन, उपभोग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े घरेलूउपकरणों, होम एंटरटेनमेंट, घर, रसोई, खेल, फिटनेस, रोजमर्रा की जरूरतोंऔर अन्य श्रेणियों में उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर शानदार डीलस औरबचत लेकर आया है। ग्राहक वनप्लस, बोट, वोल्टास, सैमसंग, एक्वागार्ड, हिमालया समेत अन्य प्रमुख ब्रांडों पर सीमित समय के लिए उपलब्ध डीलसका लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक के कार्ड से किए गए लेनदेन पर 10% कीतकाल छूट और चुनिंदा क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड पर बिना ब्याज की समानामासिक किस्तों का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहम सदस्य दो लाख से अधिकउत्पादों पर अतिरिक्त 5% की छूट के साथ और अधिक बचत कर सकते हैं। ग्राहक अमेजन नाउ पर कुछ ही मिनटों में डिलीवरी के साथ डीलस का लाभ उठा सकते हैं। अमेजन नाउ कई शहरों में रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े दसियों हजार उत्पाद उपलब्ध कराता है।

झारखंड के छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन



रांची। झारखंड के छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सांसदों ने छात्रों के साथ कथित अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। भाजपा ने कहा कि छात्रों की न्याय की लड़ाई अब राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं है और पार्टी उनकी आवाज संसद तक पहुंचा रही है। इस दौरान साहू ने कहा कि झारखंड में पिछले 20 दिनों से छात्र आंदोलनरत हैं। यहाँ कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है और सात सालों से कांग्रेस, झामुमो द्वारा नौकरियों को बेचा जा रहा है। राहुल गांधी में थोड़ी भी नैतिकता है तो उन्हें दिल्ली से ट्वीट-ट्वीट खेलने की बजाय झारखंड आकर छात्रों-युवाओं से बात करनी चाहिए। साथ ही सीएम हेमंत सोरेन सरकार से उन्हें दो टुक बात करनी चाहिए कि छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को सरकार अखिलंब पूरी करे। अगर सरकार उनकी बात नहीं मानती है तो सरकार से समर्थन वापस लेकर उन्हें छात्रों के साथ अनशन पर बैठना चाहिए। साहू ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो झारखंड के युवाओं के हक अधिकार को छीनने का काम कर रही है। जबकि भाजपा छात्रों के अधिकार, रोजगार और न्याय की लड़ाई में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल है कि झारखंड के छात्रों पर लाटियां बरसीं, फिर भी आपको चुप्पी आखिर किन्कके पक्ष में है? दिल्ली और झारखंड के छात्रों के साथ आपका दोहरा रवैया क्यों? उन्होंने कहा कि बंदर को सभी बंदर ही नजर आते हैं। यही हाल कांग्रेस पार्टी के नेताओं का है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के लिए राज्य सरकार से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में आदित्य साहू के अलावा सांसद निशिकांत दुबे, विद्युत वर्ण महतो, डॉ. प्रदीप वर्मा, बीडी राम, दुर्लुप महतो और मनीष जायसवाल सहित अन्य भाजपा सांसद उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष अभियान, विद्यार्थियों की आकांक्षाओं से होगी निर्धारित: डॉ. जया चौहान

डीपीएस रांची की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा कि यह दिवस अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता दृढ़ संकल्प, नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने, प्रश्न पूछने तथा पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से आगे जाकर सोचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की दिशा आज के युवा विद्यार्थियों की आकांक्षाओं एवं नवाचारों से निर्धारित होगी।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची प्रथम

कार्यक्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची, गुरु नानक हाइयर सेकेंडरी स्कूल, रांची तथा विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची के लगभग 300 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। समारोह में संवादात्मक सत्र, अंतरिक्ष प्रदर्शनी तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह आयोजन 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने की भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची ने प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची ने तृतीय स्थान हासिल किया।

डिवीजन (एसएसक्यूएडी) के शामिल रहे। रांची ने प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विवेकानंद तथा रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट के विद्या मंदिर, रांची ने तृतीय स्थान हासिल किया।

निर्देश दिया कि डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सड़क की सतह से कम ऊंचाई पर लगाए गए सभी विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड हटाए जाएं।

अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि सड़क के डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभों पर कोई विज्ञापन बोर्ड लगाया जाता है, तो उसका कोई भी हिस्सा सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर नहीं होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान विज्ञापन एजेंसियों की ओर से कहा गया कि सभी होर्डिंग, मोनोपोल और यूनिपोल को हटाने का निर्देश दिया गया है। एजेंसियों का कहना था कि निगम को कम से कम यह बताना चाहिए

कि कौन-कौन से होर्डिंग खतरा पैदा कर रहे हैं, क्योंकि सभी होर्डिंग को खतरे की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

वहीं, रांची नगर निगम की ओर से कहा गया कि मोनोपोल, यूनिपोल, विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड आदि वाहन चालकों का ध्यान भटकते हैं। इससे दुर्घटना, चोट और जान जाने जैसी घटनाओं का खतरा रहता है।

अदालत ने कहा कि सड़क के बीच बिजली के खंभों पर कम ऊंचाई पर विज्ञापन बोर्ड लगाना निश्चित रूप से यात्रियों के लिए खतरा है। ऐसे बोर्ड ब्लाइंड स्पॉट भी पैदा करते हैं, जिससे सड़क पर दुर्घटना की आशंका बढ़ सकती है।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल, ड्रोन पर रोक

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समारोह को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। समारोह स्थल पर बिना अनुमति ड्रोन से वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि केवल अधिकृत विभागीय स्तर से ही ड्रोन के जरिए वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी कराई जा सकेगी। स्वतंत्रता दिवस को लेकर स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल किया गया। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन की देखरेख में स्वतंत्रता दिवस के दिन होने वाली सभी औपचारिक गतिविधियों का अभ्यास किया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 15 अगस्त को यहां ध्वजारोहण करेंगे।

समारोह की सुरक्षा और संचालन को लेकर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे समय पर अपने निर्धारित स्थल पर पहुंचे और निर्धारित जिम्मेदारियों



को निभाए। एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया और कहा कि समारोह में आने वाले सभी लोगों की सभन जांच की जाएगी। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक सामग्री के साथ कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अधिकारियों ने पेरंड की सलामी ली। समारोह में सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ, ऑडिशा पुलिस, झारखंड जगुआर, जैप-1, जैप-2, जैप-10, रांची जिला पुलिस,

बीआईटी मेसरा : साझेदारी के माध्यम से अपने ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। देश को गैस-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा, रांची ने अपने परिसर में पाइपड नेचुरल गैस (PNG) नेटवर्क के विकास के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर समारोह में बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना; कुलसचिव डॉ. राजेश जैन; संस्थान के डीन; और गेल (इंडिया) लिमिटेड की ओर से मुख्य महाप्रबंधक , पंचानन हलदर तथा महाप्रबंधक निखिल कुमार के साथ गेल के अन्य अधिकारी और संस्थान प्रशासन के सदस्य उपस्थित थे। बीआईटी, मेसरा के सम्मेलन कक्ष में आज औपचारिक रूप से समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस



सहयोग का उद्देश्य आवासीय क्वार्टरों, हॉस्टलों, गैस सुविधाओं और कैटीनों को कवर करते हुए पूरे परिसर में स्वच्छ और कुशल ऊर्जा की आपूर्ति के लिए PNG बुनियादी ढांचा स्थापित करना है। प्राकृतिक गैस सुरक्षित, किफायती, सुविधाजनक, पर्यावरण के अनुकूल और आसानी से संचालने योग्य ईंधन होने के कारण पारंपरिक ईंधन स्रोतों की तुलना में कई फायदे प्रदान करती है। यह कदम परिसर में स्थिरता और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के

अनुसार, गेल (इंडिया) लिमिटेड परिसर में घरेलू और वाणिज्यिक दोनों उपभोक्ताओं के लिए निगंध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने हेतु पाइपलाइन बिछाने का कार्य करेगी। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के कुलसचिव डॉ. राजेश जैन ने कहा की सात दशकों से अधिक समय से, बीआईटी, मेसरा ने उच्च गुणवत्ता वाले लिए अपने शैक्षणिक और आवासीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करना जारी रखा है। गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ संस्थान की साझेदारी उस निरंतर

प्रतिबद्धता को दर्शाती है और स्वच्छ ऊर्जा समाधान, स्थिरता, परिचालन दक्षता और हमारे छात्रों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के कल्याण पर हमारे ध्यान को और मजबूत करती है। यह साझेदारी आधुनिक उपयोगिता प्रणालियों को टिकाऊ परिसर विकास के साथ एकीकृत करने के बीआईटी मेसरा के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

संक्षिप्त खबरें

कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी सहित पांच को ईडी का समन

पूजी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह सहित पांच लोगों को समन जारी किया है। ईडी ने जिन पांच लोगों के खिलाफ समन जारी किए हैं, उसमें एलबी सिंह के तीन रिश्तेदार और अनिल गोयल से जुड़े दो लोग शामिल हैं। ईडी ने समन जारी कर एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह, भाई विश्वविजय सिंह और साले रंजीत कुमार सिंह को समन जारी किया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को समन जारी किया गया है। एलबी सिंह की पत्नी को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में 20 अगस्त को बुलाया गया है। विश्वविजय सिंह के 14 अगस्त और रंजीत कुमार सिंह के 17 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को भी अगले सप्ताह हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के खिलाफ दूसरे दौर की चर्चें कोयला की थी। इसके दायरे में छपते कोयला व्यापारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों को शामिल किया गया था। छापेमारी के दौरान एलबी सिंह से जुड़े 160 करोड़ रुपये के निवेश को फ्रीज कर दिया गया था। इसके अलावा विभिन्न ठिकानों से 200 से अधिक सेल डीड ज्वट किये गये थे। छापेमारी में मिले सेल डीड की जांच जारी है।

युवा कांग्रेस ने शुरू किया एक सप्ताह का रक्तदान महाअभियान



पूटी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस, खुंटी जिला इकाई ने जनसभा की पहल करते हुए सरर अस्पताल स्थित बन्द बैंक में गुन्वार को एक सप्ताह के रक्तदान अभियान की शुरुआत की। अभियान के पहले दिन युवाओं और स्थानीय लोगों के उत्साह से 20 बुनित रक्त संग्रह कर बन्द बैंक को सौंपा गया। रक्त की कमी के कारण मरीजों को होने वाली पेशाभियाँ को देखते हुए जिला उपाध्यक्ष सुमित पाठक और शारोन सुरिन के संयुक्त नेतृत्व में अभियान शुरू किया गया। खुंटी प्रखंड अध्यक्ष यश राजनथ शाहदेव ने भी आगोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन डॉ। ललित रंजन पाठक, सरर अस्पताल के डिप्टी सुपरिण्टेंडेंट डॉ। नरानंद उरांव और काउंसलर निशांत झा उपस्थित थे। अधिकारियों ने युवा कांग्रेस के इस प्रयास की सरहना करते हुए कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों, गर्भवती महिलाओं और अपात स्थिति में भर्ती मरीजों को काफी राहत मिलेगी। युवा कांग्रेस ने अभियान के दौरान 100 बुनित रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा है। सुमित पाठक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के केवल उद्देश्य का दिन नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। वहीं शारोन सुरिन ने युवाओं और आम नागरिकों से रक्तदान अभियान में बढ-चढकर भाग लेने की अपील की। अभियान आगामी सात दिनों तक सरर अस्पताल के बन्द बैंक में जारी रहेगा। युवा कांग्रेस ने जिलेबासीयों से इस मानवीय पहल में सरभाग्य बनने का आग्रह किया है।

गूंजा

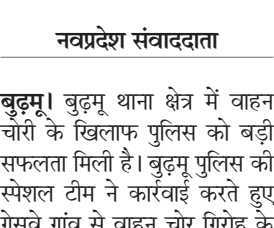
नवप्रदेश संवाददाता

पिस्का नगड़ी। भाजपा नगड़ी मंडल के तत्वावधान में नारो बाजार से प्रखंड मुख्यालय तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संत जे.जी. पब्लिक स्कूल, लोहिया पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं आसपास के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यक्रम पूरे जोश के साथ भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं देशभक्ति के नारों का उद्घोष करते हुए आगे बढ़े।

नारा बाजार से शुरू हुई तिरंगा यात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नगड़ी प्रखंड मुख्यालय पहुँची, जहाँ यात्रा सभा में तद्दिल हो गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने देश की

बुद्धमू पुलिस की बर्

सरावाला



कथित सरगना हिमांशु कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के पास से दो मारुति कार एवं एक स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद वाहन चोरी की घटनाओं में सक्रिय गिरगोहे के नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ कर गिरगोह से जुड़े अन्य सदस्यों तथा चोरी के राहों में संबंध में जानकारी जुटा रही है।

देश की एक प्रत्येक नाग

खूटी. देशांतिक की भावना से आतप्रेत स्थानीय नागरिकों ने गुरवार को कर्ना और लोभमा में तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्र के प्रति अपने समान और समर्पण का सदेश दिया हाथों में तिरंगा लिए बड़ी संख्या में महिला-पुरुष यात्रा में शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला।

तिरंगा यात्रा में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा एवं खूटी चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। यात्रा के दौरान लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारे लगाकर देशभक्ति का जज्बा प्रदर्शित किया।



भारत माता के जयघोष से गूंजा नगड़ी प्रखंड मुख्यालय



एकता, अखंडता एवं राष्ट्रहित के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और गौरव

का प्रतीक है। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा समाज में एकता

और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश नेता एवं पलामू जिला प्रभारी शशि भूषण भगत, प्रवासी प्रभारी पशुपतिनाथ

शाहदेव, मंडल प्रभारी मुकेश भागत, रांची जिला पश्चिमी महामंत्री सुधाकर चौबे, जिला उपध्यक्ष विन्ध्याचल महतो, केदार महतो, चूड़ामणि महतो, अखिलेश केसरी, हेमंत केसरी, जयकिशन महतो, विकास उरांव, राजपाल सोनी, नंदकिशोर महतो, अजय नायक, शिवा महतो, रामराजगोविन साहू, सन्नी टोणो, मनीष केसरी, गिरधारी यादव, मुकेश महतो, ओमप्रकाश महतो, एवं विनोद केसरी सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व नागड़ी मंडल अध्यक्ष रितेश राज ने किया, जबकि संचालन अखिलेश केसरी ने किया। तिरंगरा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को भव्य एवं प्रभावशाली बनाना दिया।

राहे में निकली भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा



१५६। गुलवार को भाजपा मंडल राहे
 एह सर्वोदय स्कूल राहे के संयुक्त
 तत्वावधान में भव्य तिरंगा यात्रा
 निकाली गई। यात्रा में भाजपा
 कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में
 विद्यार्थी के छात्र-छात्राओं ने
 उसाहपूर्वक भाग लिया। हाथों में
 तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति
 के नारे लगाए और लोगों में राष्ट्रप्रेम
 का संदेश दिया। स्कूल से निकल
 कर बैंक चौक, सुभाष चौक, भगत
 सिंह चौक होते हुए स्कूल तक
 आई। तिरंगा यात्रा में भाजपा के
 रांची जिला अध्यक्ष विजय महतो
 धीरज, मंडल अध्यक्ष मेघनाथ

महतो, मनोज महतो, गंगाधर साव
 सहित सर्वोदय स्कूल के निदेशक
 सुनील महतो, प्राचार्य ज्ञान महतो,
 संजय शेखर समेत अन्य लोग
 मौजूद रहे। यात्रा के दौरान भारत
 माता की जय और वंदे मातरम् के
 गानों से राहे का वातावरण देशभक्ति
 से सराबोर हो गया। विद्यार्थी के
 छात्र-छात्राओं ने अनुशासन के साथ
 तिरंगा लेकर यात्रा में हिस्सा लिया।
 यात्रा के दौरान लोगों ने भी उसाह
 के साथ विद्यार्थियों का स्वागत
 किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी
 ने राष्ट्र की एकता और अखंडता
 बनाए रखने का संकल्प लिया।

महतो, मनोज महतो, गंगाधर साव-
सहित सर्वोदय प्रकाश के निदेशक-
संजय महतो, स्क्रायं ज्ञान महतो,
संजय शेखर समेत अन्य लोग
मौजूद रहे। यात्रा के दौरान भारत
माता की जय और वंदे मातरम्
नारों से राहे का वातावरण देशभक्ति
से सरोवरो हो गया। विद्यालय के
छात्र-छात्राओं ने अनुशासन के साथ
तिरंगा लेकर यात्रा में हिस्सा लिया।
यात्रा के दौरान लोगों ने भी उत्साह
के साथ विद्यार्थियों का स्वागत
किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी
ने राष्ट्र की एकता और अखंडता
बचाए रखने का संकल्प लिया।

सोनाहातू में भाजपा मंडल व एसएस प्लस टू हाई स्कूल के छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा



सोनाहातू। भाजपा सोनाहातू मंडल एवं एसएस प्लस टू हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं के संयुक्त तत्वावधान में सोनाहातू मुख्य मार्ग में तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में हाथों में तिरंगा लेकर छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर कोईरों, मंडल अध्यक्ष खगेश कुमार महतो, मंडल महामंत्री शंकर भातु, उपेन्द्रनाथ चौधरी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक दीपक कुमार महतो, शिक्षक नरेश चंद्र महतो, जयप्रकाश महतो, नीलिमा ठोपे सहित शिक्षक, कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

भारत

परिचय

कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की स्थिमा दीदी ने किया। अतिथि परिचय स्वाति दीदी ने कराया, जबकि संस्कृति बोध परियोजना की विद्यालय प्रमुख रीना दीदी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि संस्कृति बोध परियोजना के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी संस्कृति, परंपरा एवं राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना विकसित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संस्कृतिक चेतना का प्रसार किया जा रहा है।

कार्यक्रम का समापन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को जन-जन तक पहुँचाने तथा नशामुक्त एवं संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेने के साथ हुआ।

एक नजर

आरपीएफ ने पांच सांप के साथ दो तस्कर को किया गिरफ्तार



रावी। वन्य जीवों की अवैध तस्करी और उनसे शोषण के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (ARPF) की ओर से चलाई जा रहे अभियान वाइलेट के तहत रावी रेलवे स्टेशन पर बड़ी कारवाँई की गई है। आरपीएफ की रावी पोस्ट की टीम ने नियमित जाँच के दौरान दो सदिग्ध व्यक्तियों को पाँच साँपों के साथ पकड़ा है। बरामद साँपों में दो लाल रेत बीआ (दोमुँहा साँप) और तीन चरमाधारी नाग शामिल हैं। रेलवे पुलिस की ओर से दो बड़ी आधिकारिक जाक़ारी के अनुसार, 13 अगस्त को रावी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर आरपीएफ के पदाधिकारी और नाग नियमित जाँच अभियान चला रहे हैं। इसी दौरान टीम की नज़र दो सदिग्ध व्यक्तियों पर पड़ी। संदेह के आधार पर दोनों को रोक कर पूछताछ की गई और उनके सामान की तलाशी ली गई। पूछताछ में दोनों की पहचान आनंद नाथ और अजु की रूप में हुई। तलाशी के दौरान दोनों के पास मौजूद बाँस की टोकरीयों की जाँच की गई। टोकरीयों के अंदर जिनमें साँप मिलते हैं आरपीएफ के जवानों के होश उड़ गए। जाँच में कुल पाँच साँप बरामद किए गए। इनमें दो लाल रेत बीआ, जिन्हें आम बोवाचल में दोमुँहा साँप कहा जाता है और तीन चरमाधारी नाग शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने बताया कि इन साँपों को जंगल से पकड़ कर लाया गया था। कथित तौर पर इनका इस्तेमाल सार्वजनिक प्रदर्शन कर पैसों कमाए के लिए किया जाता था। वन्यजीवों को इस तरह पकड़ना, उनका परिवहन करना और प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करना कानूनन गंभीर मामला है। आरपीएफ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बरामद साँपों को सुरक्षित रखा और दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों, पाँचों साँपों और संबंधित दस्तावेजों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए परीक्षेत्र पदाधिकारी की ओर से सुपुर्द कर दिया गया है।

337 साइकिल का वितरण किया गया



सोनाहातू। प्रखंड के कार्यालय परिसर में सादे समारोह में स्कूली बच्चों के बीच उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत निशुल्क साईकल का वितरण किया गया। प्रखंड के विभिन्न स्कूलों के 377 छात्र-छात्राओं के बीचचक्र साईकल का वितरण किया। साईकल वितरण प्रमुख विक्टोरिया देवी ने किया। मौके पर कल्याण पदाधिकारी कृष्ण कुमार, कृष्ण सिंह मुंडा, थॉमसमहालक्ष्मी, रमेश गोंडू, योगेंद्र महतो, गणेश शंकर, गणपति महतो, आदि मौजूद रहे।

[illegible][illegible]

कावालेटर, एम्प्लॉयड जनजाति विकास अभियान, गुमनाम (आईसीडीडीए)

श्री अल्पकालीन विविदा (विश्राम संज्ञा - 01/2026-27)

वित्तिय वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जनजाति के लिए संविधान, टेक्नोलॉजी/एम्प्लॉयड विविदा के तहत विचार द्वारा संघर्षित विभिन्न महावाक्यी एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़े वर्ग के अतिम व्यक्ति तक पहुंचे हेतु जिले के प्रमुख, पंचायत एवं ग्राम्य स्तरों में होर्डिंग, पत्थर बोर्ड, फ्लायर आदि की आपूर्ति/अधिष्ठापन/प्रसार - प्रसार के लिए दिनांक 20.08.2026 को 12.00 बजे पूर्वानुमति तक निर्धारित एवं प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ता से मुद्रण विविदा अधिनियम की जाती है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 25.08.2026 अपराह्न 01.00 बजे तक समिति के सदस्यों के समक्ष परीक्षण निदेशक, आईसीडीडीए गुमनाम के कार्यालय कम में खोला जायेगा। निविदा खोलने समय निविदादाता या उनके द्वारा अधिष्ठापित प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं। निविदा की खोल एवं कार्रवाहों की सूची परीक्षण निदेशक, आईसीडीडीए गुमनाम के कार्यालय से दिनांक - 19.08.2026 तक कार्यालय अखति में प्राप्त किया जा सकता है।

परीक्षण निदेशक,
आईसीडीडीए गुमनाम

PR 387480 Welfare(26-27)HD

संविदा कर्मियों को अब नियमित कर्मचारियों जैसा पीपीई बीएसएल ने रचा नया सुरक्षा मानक



नवप्रदेश/बोकारो। कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी पहल की है। बीएसएल में कार्यरत संविदा कर्मियों को अब नियमित कर्मचारियों के समान मानक और गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल के साथ बीएसएल ने औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में समान कार्यस्थल, समान सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है। इससे पहले संविदा कर्मियों को पीपीई उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी

संबंधित ठेकेदारों की होती थी। अब बीएसएल स्वयं उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराएगा। सेल सहित देश के इस्पात उद्योग में अपनी तरह की इस महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ मानव संसाधन जानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी ने किया। मौके पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था में

तकनीक का समावेश
बीएसएल ने इस पूरी व्यवस्था को “Transforming Contractual Worker Safety through Direct PPE Provision and Digital Governance” की अवधारणा से जोड़ा है। इसके तहत संविदा कर्मियों को पीपीई उपलब्ध कराने के साथ ही उसके इश्यू, वितरण, वापसी और देवाारा जारी करने की प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इससे प्रत्येक सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता और वितरण का रिकॉर्ड व्यवस्थित एवं ट्रैसेबल रहेगा। साथ ही, किसी कर्मी को जरूरत के समय आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने में भी आसानी होगी। डिजिटल निगरानी से पीपीई प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

शीर्ष प्रबंधन ने संविदा कर्मियों को सौंपे सुरक्षा किट

कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने इस पहल के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संविदा कर्मियों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए बीएसएल द्वारा व्यापक स्तर पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

इसके बाद बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन ने उपस्थित संविदा कर्मियों को सुरक्षा किट प्रदान कर इस पहल की औपचारिक शुरुआत की।

सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, संगठन का मूल मूल्य
निदेशक प्रभारी ने कहा कि

बीएसएल परिसर में कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। नियमित कर्मचारी हो या संविदा कर्मी, सभी को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना बीएसएल की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल एक प्राथमिकता नहीं, बल्कि संगठन के मूल मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान गुणवत्ता वाले पीपीई उपलब्ध कराना एक ऐसी समावेशी सुरक्षा संस्कृति की नींव है, जिसमें किसी भी श्रेणी के कर्मी को सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जाएगा।

हेलमेट से लेकर एफआर सूट तक मिलेंगे उपकरण

संविदा कर्मियों को दिए जाने वाले सुरक्षा पीपीई किट में सेफ्टी हेलमेट, लाइट वेट पॉलीकार्बोनेट सेफ्टी ग्लาส,

डिस्पोजेबल रेस्पिरैटर, सेफ्टी शूज, एफआर सूट (जैकेट एवं ट्रज्जर), ईयर प्लग और कैनवस ग्लव्स शामिल हैं। बीएसएल की यह पहल केवल सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए कार्यस्थल पर सुरक्षा को लेकर समानता, जवाबदेही और तकनीकी निगरानी की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इससे संविदा कर्मियों में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ेगा और औद्योगिक दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

बीएसएल की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था में हर कर्मी समान रूप से महत्वपूर्ण है। नियमित और संविदा कर्मियों के बीच सुरक्षा मानकों की दूरी खत्म कर बीएसएल ने सुरक्षित, समावेशी और जिम्मेदार औद्योगिक कार्य संस्कृति की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें : उपायुक्त



नवप्रदेश/बोकारो। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने भारत सरकार के गुप्त मंत्रालय, मंत्रिमंडल सचिवालय तथा झारखंड सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में जिले के सभी सरकारी एवं निजी संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों और विद्यालयों को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान निर्धारित राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि समारोह के दौरान कार्यक्रमों का क्रम निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप ही रखा जाएगा। ध्वजारोहण से पूर्व राष्ट्रीयता का गायन होगा। इसके बाद ध्वजारोहण, राष्ट्रगान तथा मुख्य

अतिथि का संबोधन होगा। वहीं समारोह के समापन से पूर्व पुनः राष्ट्रीय एवं राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं संस्थान प्रमुखों को निर्देश दिया कि समारोह से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं तथा राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय से जुड़े निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का पूरी गंभीरता और गरिमा के साथ पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश की आजादी, राष्ट्रीय गौरव, एकता और अखंडता का प्रतीक है। इसलिए समारोह का आयोजन केवल औपचारिकता न होकर राष्ट्र के प्रति सममान, कर्तव्यबोध और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करने वाला होना चाहिए। उन्होंने जिले के सभी संस्थानों से निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप गरिमापूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने की अपील की।

महिला काव्य मंच की मासिक गोष्ठी में बही सावन की फुहार, रचनाओं से गूंजा देशभक्ति का स्वर

नवप्रदेश/बोकारो। महिला काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी बोकारो क्लब के पिंक हॉल में साहित्यिक एवं रचनात्मक वातावरण में संपन्न हुई। संस्थापक नरेश नाज, राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण एवं प्रदेश अध्यक्ष मोना बग्गा के मार्गदर्शन में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता मंच की अध्यक्ष काजल भालोटिया ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ काजल भालोटिया के स्वागत भाषण तथा ज्योति वर्मा की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। मंच का संचालन संजु गिरी ने किया। इसके बाद काव्य पाठ का सिलसिला शुरू हुआ। सावन की रिमझिम फुहार, प्रकृति की खूबसूरती और स्वतंत्रता दिवस की देशभक्ति की भावना को केंद्र में रखकर कवयित्रियों ने अपनी भावपूर्ण एवं ओजपूर्ण



रचनाएं प्रस्तुत कीं। कवयित्रियों की रचनाओं ने जहां सावन की मस्ती और प्रकृति के रंगों को जीवंत कर दिया, वहीं देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं ने श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। काव्य पाठ करने वाली रचनाकारों में काजल भालोटिया, अर्चना मिश्र अश्क, ज्योति वर्मा, अमृता शर्मा, करुणा कलिका, जयंती

सिंह, स्मिता, गीता कुमारी गुस्ताख, सोनी कुमारी, रीना यादव, ऋचा प्रियदर्शिनी, क्रांति श्रीवास्तव, शीला तिवारी, डॉ. आशा पुष्प, रेणुका सिन्हा, पद्मावत कोमल, माला, सुषिया कुमारी सरस, स्निग्धा बोस, रिकू गिरी, नीलम झा आदि शामिल रहीं। कार्यक्रम में महिला मंच की वरिष्ठ कवयित्री डॉ. आशा पुष्प

की पुस्तक मन के गीत का भी विशेष उल्लेख हुआ। उनका साहित्यकार ममता कालिया से मिलना बोकारो के साहित्यिक जगत के लिए गौरव का विषय बताया गया। पूरी गोष्ठी के दौरान कविताओं, गीतों और भावनाओं की ऐसी रसधारा बही कि उपस्थित साहित्यप्रेमी देर तक आनंदित होते रहे। सावन की उमंग और देशभक्ति के जन्मे से सराबोर इस आयोजन ने महिला काव्य मंच की साहित्यिक सक्रियता को एक बार फिर जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में ऋचा श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, कवयित्रियों एवं साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में, पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास

उपायुक्त व एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण, तिरंगे को दी सलामी; सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। गुरुवार को सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मौना ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दीं। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुख्य समारोह की तैयारियों, परेड, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को समारोह



को गरिमामय, अनुशासित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभावित बारिश को देखते हुए अतिरिक्त एहतियाती व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। अंतिम पूर्वाभ्यास में सीआईएसएफ, जिला बल पुरुष, जिला बल महिला, गृह रक्षक बल, चौकीदार

पुरुष दल, डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, 8/वी एनसीसी, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चास, जीजीपीएस सेक्टर-05 तथा एमजीएम स्कूल सेक्टर-04 की प्लाटूनों ने हिस्सा लिया। सभी प्लाटूनों ने निर्धारित समय और अनुशासन के साथ परेड का सफल पूर्वाभ्यास किया।

सभी प्रवेश द्वारों पर रहेगी कड़ी सुरक्षा
समारोह में आने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए सभी प्रवेश द्वारों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस जवान तैनात किए जाएंगे।

प्रशासन की ओर से यातायात, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर भी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

देशभक्ति के रंग में सजा पुलिस लाइन मैदान

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस लाइन मैदान की रंगाई-पुताई कर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया है। वहीं परिसर को देशभक्ति की भावना के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, ताकि मुख्य समारोह भव्य और गरिमामय वातावरण में संपन्न हो।

नव-निर्मित शौचालय का भी किया निरीक्षण

संयुक्त निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं एसपी ने पुलिस लाइन परिसर में नवनिर्मित शौचालय का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्माण की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए

परिसर की स्वच्छता और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इससे परेड में शामिल जवानों, अधिकारियों और समारोह में पहुंचने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईईएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला नजारत उप समाहर्ता राज शर्मा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कुड़मि समाज को धर्म-कोड और कुड़मालि भाषा को राष्ट्रीय मान्यता जल्द - गृहमंत्री से अजीत प्रसाद महतो की मुलाकात में मिला आश्वासन

नवप्रदेश/चाडिल : आदिवासी कुड़मि समाज के मूलखंडी मूलमानता (संरक्षक) अजीत प्रसाद महतो के नेतृत्व में कुड़मि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जातीय पहचान, पारंपरिक धर्म एवं कुड़मालि भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की मांग को लेकर 12 अगस्त 2026 को भारत सरकार केकेंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान केंद्रीय रक्षा कल्याण मंत्री, रसायन एवं उर्वरक मंत्री, राज्यसभा में नेता जे.पी . नंदा, जमशेदपुर सांसद विद्युत वर्णन महतो, गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, पुरूलिया सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो, राज्यसभा सांसद खीरु महतो, आदिवासी कुड़मि समाज के अध्यक्ष शशांक शेखर महतो सहित समाज के अनेक प्रतिनिधि मंडल उपस्थित रहे। मांग-पत्र में आगामी जनगणना में कुड़मि समाज की जातीय पहचान एवं मातृभाषा के रूप एवं पृथक अंकन, पारंपरिक श्रृकृति धर्म अर्थात सारना कुड़मि धर्मर को मान्यता तथा कुड़मालि भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की दिशा में आवश्यक पहल करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कुड़मि समाज की मांग केवल पहचान का प्रश्न नहीं, बल्कि उसकी भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपरा और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण से जुड़ा विषय है। समाज ने केंद्र सरकार से इन मांगों पर संवेदनशीलतापूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक पहल की अपेक्षा व्यक्त की। मालूम हो कि पिछले 6 अगस्त को भारत सरकार नई दिल्ली में रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के समक्ष मांग-पत्र सौंपा गया था, जिसके कारण गृह मंत्रालय से 12 अगस्त की शाम को मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। इस बैठक में कुड़मि समाज की मांगों पर विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाने की बात कही गई है। इस आश्वासन से कुड़मि समाज चाडिल सहित समूचे कुड़मि समाज में अपनी भाषा, धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान एवं सामाजिक अधिकारों को लेकर सकारात्मक उम्मीद जगी है। इस अवसर पर जयपुर विधायक विश्वजीत महतो, संजय महतो, कृष्ण पद महतो, प्रेमचौंद महतो एवं परिमल महतो सहित अनेक सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। जनसंपर्क सचिव गुणधाम मुतरुआर ने कहा कि आगामी 16 अगस्त को झारखंड के सराकेलता-खरसावाँ जिले के चाडिल प्रखंड अंतर्गत डोंबो स्थित कुड़मि भवन में आदिबासि कुड़मि समाज की केंद्रीय कमेटी की बैठक आयोजित होगी। बैठक में झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम आदि विभिन्न क्षेत्रों से केंद्रीय कमेटी के सदस्य उपस्थित रहेंगे। बैठक में समाज के उर्युक्त मांगों एवं आगामी रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है।

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष ग्राम सभा, मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने पर जोर

15 अगस्त को जिलेभर के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में होगी विशेष सभा, मतदाता सूची के सत्यापन के साथ नुटियों में सुधार का मिलेगा मौका

नवप्रदेश/बोकारो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को बोकारो जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी

क्षेत्रों में विशेष ग्राम सभा/सभा आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं नुटिरहित बनाने के साथ छूटे हुए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कुड़मि संघों के प्रतिनिधि व वार्ड स्तरीय स्तर पर सभा होगी, जबकि शहरी क्षेत्रों में संबंधित मतदान केंद्रों पर सभा आयोजित की जाएगी। इसमें संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर

(BLO) एवं चुनाव पाठशाला के सदस्य मौजूद रहेंगे।

प्रारूप मतदाता सूची पढ़कर सुनाएंगे बीएलओ

विशेष ग्राम सभा/सभा के दौरान बीएलओ प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज सभी मतदाताओं के नाम उच्च स्वर में पढ़कर सुनाएंगे। इसके माध्यम से सूची में दर्ज नामों का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही किसी कारणवश मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित रह गए पात्र भारतीय नागरिकों की भी पहचान की जाएगी। 1 अक्टूबर 2026 तक

18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र नागरिकों से प्रयंत्र-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की जाएगी।

गलतियों में सुधार और अयोग्य नामों की होगी पहचान

प्रारूप मतदाता सूची में किसी प्रकार की अशुद्धि या नुति मिलने पर संबंधित मतदाता प्रयंत्र-8 के माध्यम से सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। वहीं, सूची में किसी कारणवश शामिल हो गए अयोग्य व्यक्तियों की भी पहचान की जाएगी।

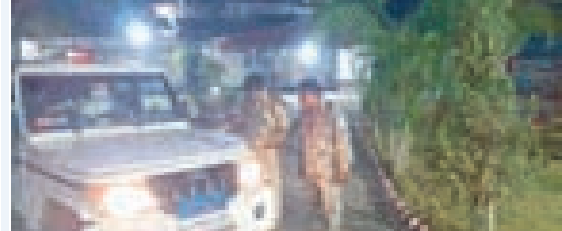
सभा के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों, सत्यापन प्रक्रिया तथा अन्य प्रावधानों की जानकारी भी आम नागरिकों को दी जाएगी। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश डीईओ सह डीसी ने अधिकारियों को विशेष ग्राम सभा/सभा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आयोजन से संबंधित पूरी कार्यवाही का बीएलओ पंजी में अभिलेखन और फोटोग्राफ का संभारण भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि शुद्ध एवं नुटिरहित मतदाता सूची मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। इसलिए सभी पात्र नागरिक 15 अगस्त को अपने क्षेत्र में आयोजित विशेष ग्राम सभा/सभा में भाग लें, मतदाता सूची का सत्यापन करें और किसी भी नुति या छूटे हुए नाम की जानकारी देकर रकम-2026 को सफल बनाएं में सहयोग करें।

सभी मतदाता बनें—सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक।

एक नजर

वरीय अधिकारियों के आवासीय सुरक्षा गार्ड का निरीक्षण, जवानों को सतर्कता व कर्तव्यनिष्ठा का निर्देश



नवप्रदेश/बोकारो। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर बुधवार को जिले में वरीय अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस क्रम में पुलिस महानिरीक्षक, बोकारो प्रक्षेत्र, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक बोकारो के आवासीय गार्ड का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आवासीय सुरक्षा व्यवस्था, संतरी ड्यूटी में तैनात जवानों की मुस्तैदी तथा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुपालन की जानकारी ली गई। मौके पर संतरी ड्यूटी में तैनात जवानों को विशेष रूप से सतर्क रहने और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने जवानों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सुरक्षा ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ड्यूटी के दौरान पूरी सजगता बनाए रखते हुए संधिध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण का उद्देश्य जिले में वरीय अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाना तथा सुरक्षा में तैनात जवानों को उनके दायित्वों के प्रति सजग रखना रहा।

थाना दिवस में सुनी गई आमजनों की 86 शिकायतें, 70 मामलों का हुआ निष्पादन



नवप्रदेश/बोकारो। आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से बोकारो जिले के सभी थाना क्षेत्रों में गुरुवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी एवं ड्योपी प्रभारियों ने थाना दिवस के दौरान आम लोगों की शिकायतें सुनीं। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी समेत संबंधित पदाधिकारी भी शामिल हुए। थाना दिवस के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों के माध्यम से कुल 86 मामलों की सुना गया। इनमें से 70 मामलों का तत्काल निष्पादन किया गया, जबकि 15 मामले लांबित रखे गए हैं। वहीं एक मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकांश शिकायतें जमीन विवाद, राजस्व संबंधी मामलों एवं आपसी विवाद से जुड़ी थीं। इनमें जमीन का बंटवारा, दोनों पक्षों द्वारा जमीन से संबंधित कागजात प्रस्तुत नहीं करना, अगली तिथि पर बातचीत के लिए समय मांगना, प्रथम पक्ष का अनुपस्थित रहना तथा दूसरे की जमीन पर दावा करने जैसे मामले प्रमुख रहे। पुलिस प्रशासन की इस पहल से आमजनों में विश्वास की भावना मजबूत हुई है। लोगों को भरोसा मिला कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है और संबंधित मामलों का त्वरित समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। थाना दिवस के माध्यम से पुलिस एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए जनता की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। पुलिस की अपील है कि संबंधित प्रशासन ने आमजनों से आपसी विवाद एवं मारपीट से बचने की अपील की है। किसी भी प्रकार की शिकायत या विवाद होने पर कानून हाथ में लेने के बजाय थाना दिवस जैसे मंच पर अपनी समस्या रखने तथा शांतिपूर्ण तरीके से समाधान कराने की अपील की गई है।

रात में सड़कों पर पुलिस की कड़ी निगरानी नगर डीएसपी ने किया औचक निरीक्षण



नवप्रदेश/बोकारो। पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर 12/13 अगस्त की मध्यरात्रि नगर पुलिस उपअधीक्षक ने बोकारो सिटी क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्ती का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गश्ती दल में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की सक्रियता, निर्धारित क्षेत्र में भ्रमण तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नगर डीएसपी ने गश्ती पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार एवं प्रभावी गश्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुनसान स्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार, एटीएम, बैंक, पेट्रोल पंप, पार्किंग स्थल, शराब दुकानों समेत अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। उन्होंने संधिध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच करने, बिना नंबर अथवा संधिध नंबर वाले वाहनों पर विशेष नजर रखने तथा आवश्यकता के अनुसार एटी क्राइम चेकिंग और वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। असाમાजिक तत्वों एवं पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में सलिस लोगों की गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखने को कहा गया। **चोरी, लूट व छिनटई** पर विशेष फोकस रात्रिकालीन गश्ती के दौरान चोरी, लूट, छिनटई, वाहन चोरी समेत संपति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर जोर दिया गया। पुलिसकर्मियों को किसी एक स्थान पर अनावश्यक रूप से लंबे समय तक रुक रहने के बजाय पूरे थाना क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया गया। नगर डीएसपी ने मुख्य मार्गों एवं संपर्क पथों पर नियमित गश्ती करते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी संधिध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल वरीय पदाधिकारियों एवं संबंधित थाना को सूचित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। **लापरवाही पर होगी कार्रवाई** निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने और आपात स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया। नगर डीएसपी ने स्पष्ट किया कि रात्रिकालीन गश्ती में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पदाधिकारियों एवं जवानों को पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। पुलिस का कहना है कि इस तरह के औचक निरीक्षण का उद्देश्य रात्रिकालीन पुलिसिंग को और प्रभावी बनाना, अपराधों की रोकथाम करना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

जर्जर सड़क की विधायक के निर्देश पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने किया मरम्मती

नवप्रदेश/ईवागढ़ : प्रखंड क्षेत्र के तुता केनाल सड़क से कुलटांड तक करीब दो किलोमीटर जर्जर सड़क की विधायक सविता महतो के निजी स्तर पर मरुम डालकर मरम्मती कराई जा रही है। झामुमो कार्यकर्ताओं द्वारा ट्रैक्टर से मरुम लाकर सड़क पर बिछाया जा रहा है। कार्यकर्ता दिनभर मरम्मती कार्य में जुटे रहे। झामुमो के वरिष्ठ नेता गुणेश्वर महतो ने बताया कि विधायक सविता महतो के निर्देश पर करीब दो किलोमीटर जर्जर सड़क की तत्काल मरम्मती कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति खराब होने के कारण लोगों को आगममन में काफी परेशानी हो रही थी। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने में समय लगाने के कारण विधायक के निर्देश पर फिलहाल ट्रैक्टर और जेसीबी की मदद से मरुम डालकर सड़क को चलने लायक बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधायक के प्रयास से सड़क के शीघ्र मरम्मती कार्य का टेंडर भी कराया जाएगा। फिलहाल ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता श्रमदान कर सड़क मरम्मती में जुटे हुए हैं। मौके पर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष कन्हौई बेसरा, अशोर महतो, गणेश महतो, लाल सिंह, मधु गोप सहित दर्जनों झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राजगंज इंटर कॉलेज में 50 फलदार पेड़ लगाए गए डीसी के निर्देश पर जिले भर में वृक्षारोपण अभियान शुरू

नवप्रदेश संवाददाता

राजगंज। पर्यावरण संरक्षण और जिले को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त आदित्य रंजन के नेतृत्व में जिले के सभी स्कूलों एवं कॉलेजों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की गई है। इसी कड़ी में गुरुवार को राजगंज इंटर कॉलेज के इको क्लब द्वारा परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान कॉलेज में 50 फलदार पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के मुख्य



अतिथि राजगंज थाना के सहायक

उप-निरीक्षक संजय कुमार सिंह थे।

उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित

बालियापुर-मोहरीबांध सड़क निर्माण के लिए झरिया विधायक ने विभाग से तेज कार्रवाई की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। झरिया विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से रुके बालियापुर से मोहरीबांध तक सड़क निर्माण कार्य को शुरू कराने के लिए विधायक रागिनी सिंह ने पहल तेज कर दी है। इस मामले को लेकर उन्होंने गुरुवार को पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार से मुलाकात कर जापान सौपा विधायक ने अपने पत्र में कहा कि धनबाद के अंतर्गत आने वाले बालियापुर-मोहरीबांध पथ एमडीआर-047 के किलोमीटर एक और दो के बीच भू-धंसान की स्थिति है। सड़क जर्जर होने के कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतें हो रही हैं।उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता को राहत देने के लिए वैकल्पिक डायवर्सन रोड बनाना जरूरी है। बीसीसीएल की ओर से पोषित इस डायवर्सन रोड के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति और एनओसी नहीं मिलने के कारण काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है।रािनी सिंह ने प्रधान सचिव

धनबाद आरजेडी को मिली नई मजबूती मोहम्मद अनीस बने जिला सचिव



धनबाद। राष्ट्रीय जनता दल की धनबाद जिला इकाई को नया संगठनात्मक बल मिला है। पार्टी ने केंद्रुआ निवासी मोहम्मद अनीस को धनबाद जिला का सचिव नियुक्त किया है। उनके मनोनयन की घोषणा के बाद पार्टी कार्यालय में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी।जिला नेताओं ने कहा कि मोहम्मद अनीस पार्टी के समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता हैं। उनके अनुभव और मेहनत से जिले में संगठन का विस्तार होगा और पार्टी की पकड़ मजबूत होगी। उनके नेतृत्व में युवा और महिला कार्यकर्ताओं को जोड़ने और जनता के बीच पार्टी की नीतियों को पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।बैठक में प्रदेश महासचिव सुखदेव विदोही, जिला महासचिव रामबाबू यादव, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष अनवरती खातून, युवा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रवीण कुमार ठाकुर, प्रदेश युवा उपाध्यक्ष गुलशन खातून, वरिष्ठ नेता गोपाल, उदय शर्मा और युवा नगर अध्यक्ष रंगसाज अजमल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।बैठक के अंत में सभी ने मिलकर धनबाद में आरजेडी को और अधिक संगठित और सक्रिय बनाने का संकल्प दोहराया।

तीन युवा जिम्नास्टों का राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन
नवप्रदेश/पश्चिम सिंहभूम। चक्रधरपुर एवं पश्चिमी सिंहभूम के लिए गौरव का क्षण है। SERSA जिम्नास्टिक्स हॉल, चक्रधरपुर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे तीन युवा जिम्नास्टों का चयन स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हुआ है।चयनित खिलाड़ियों में एमर्से रवेवे मिक्‌ड हायर सेकेंडरी स्कूल, चक्रधरपुर की कक्षा 9 की छात्रा कोमल पोखरेल, कक्षा 6 के छात्र अर्णव डे और कक्षा 7 के छात्र नीलाद्रि रे शामिल हैं। तीनों ने राज्य स्तरीय स्कूली खेल चयन प्रतियोगिता 2026-27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाई। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त 2026 को खेलगांव, रांची में किया गया था। तीनों जिम्नास्टों ने एएसए जिम्नास्टिक्स हॉल में प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनकी सफलता में कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास, प्रशिक्षक का समर्पण और अभिभावकों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा।

धनबाद में स्वतंत्रता दिवस की फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न डीसी और एसएसपी ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा, 15 अगस्त को सुबह 9 बजे होगा मुख्य झंडोतोलन

नवप्रदेश संवाददाता

धनबाद। स्वतंत्रता दिवस 2026 समारोह की तैारियां अंतिम चरण में हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से रणधीर वर्मा स्टेडियम में आयोजित फुल ड्रेस रिहर्सल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सी आर पीएफ, सी आई एसएफ, झारखंड सशस्त्र पुलिस बल-3, जिला सशस्त्र बल पुरुष एवं महिला,होमगार्ड,ग्रामीण पुलिस, एनसी बॉयज,एनसीसी गर्ल्स, भारत स्काउट एवं गाइड की टुकड़ियों की परेड देखी गई। इसके बाद राष्ट्रीय गीत रव्दे मातरम् का गायन हुआ। उपायुक्त ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया



और स्कूली बच्चों ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया।

अधिकारियों को दिे निर्देश.....

को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दिन किसी प्रकार की भीड़-भाड़ और अव्यवस्था न हो। आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

इस प्रकार होगा झंडोतोलन.....

15 अगस्त को शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में पूर्वाह्न 9:00 बजे उपायुक्त मुख्य झंडोतोलन करेंगे। इसके बाद धनबाद समाहरणालय में 10:00 बजे, मिश्रित भवन में 10:20 बजे, अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय में 10:30 बजे, गांधी सेवा सदन में 10:40 बजे, रेड क्रॉस सोसाइटी में 10:50 बजे और पुलिस लाइन में 11:00 बजे झंडोतोलन का कार्यक्रम निर्धारित है।

पेयजल, चिकित्सा सुविधा, मंच सज्जा और अतिथियों के स्वागत की सभी व्यवस्थाएं उच्च स्तर की रहें।वरीय पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल और यातायात कर्मियों

को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दिन किसी प्रकार की भीड़-भाड़ और अव्यवस्था न हो। आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

को निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दिन किसी प्रकार की भीड़-भाड़ और अव्यवस्था न हो। आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

स्कूली बच्चों की प्रस्तुति रही आकर्षण.....

फुल ड्रेस रिहर्सल में किड्स गार्डन स्कूल झरिया की छात्राओं ने बैंड, सरस्वती शिशु मंदिर कतरास की छात्राओं ने राष्ट्रगान और पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय झरिया की छात्राओं ने बैंड डिस्प्ले कर उपस्थित लोगों का ध्यान खींचा।इस अवसर पर अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अरविंद कुमार ओझा,निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन,जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।



नवप्रदेश/बाघमारा। प्रखंड की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की रफ्तार तेज करने के लिए गुरुवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता बीडीओ लक्ष्मण यादव और सीओ गिरिजानंद किस्कू ने की। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी और कमी शामिल हुए।बैठक में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट खंगाली गई। विभागवार समीक्षा के दौरान कार्यों में आ रही अड़चनों पर भी विस्तार से चर्चा हुई।इस दौरान बीडीओ और सीओ ने सख्त लहजे में कहा कि सभी विभाग आपसी तालमेल से काम करें। पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। लंबित आवेदनों और मामलों का निपटारा प्राथमिकता से करने का निर्देश भी दिया गया।दोनों अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि सेवा वितरण को बेहतर और पारदर्शी बनाना ही लक्ष्य है, ताकि सरकारी योजनाओं का फायदा सीधे जनता तक पहुंच सके।बैठक में बाघमारा सीपचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रीनाथ,बीपीओ भावेश कुमार के अलावा बीआरपी और सीआरपी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

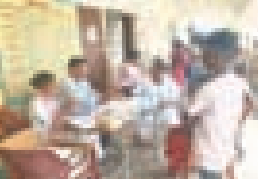
बाघमारा में निकली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा बीसीसीएल ब्लॉक-दो क्षेत्र



नवप्रदेश/बाघमारा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को बीसीसीएल के ब्लॉक-दो क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। क्षेत्रीय कार्यालय परिसर से महाप्रबंधक कुमार रंजीव के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई।यात्रा ब्लॉक-दो क्षेत्रीय कार्यालय से शुरू होकर एरिया-1 होते हुए राजा चौक और डुमरा मोड़ से गुजरते हुए पुनः क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई।हाथों में तिरंगा और मुंह पर वंदे मातरम के नारे लिए अधिकारियों,कर्मचारियों और यूनियन प्रतिनिधियों ने पूरे जोश के साथ यात्रा में हिस्सा लिया। अनुशासन और उत्साह दोनों एक साथ दिखे। इस मौके पर क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन अमित यादव, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशासन हेमंत कुमार हेना, क्षेत्रीय चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अनामिका कुमारी, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी नवीन कुमार, प्रबंधक वित्त विक्रम गुप्ता सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। यात्रा में सहायक प्रबंधक वित्त सुभाष चंद्र गुर्जर,सहायक असेनिक अभियंता गोपाल दास, सहायक प्रबंधक पर्यावरण पुरुषोत्तम कुमार, सहायक प्रबंधक मानव संसाधन स्नेहा के अलावा विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि, क्षेत्रीय कल्याण, सलाहकार एवं सुरक्षा समिति के सदस्य तथा सीआईएसएफ के जवान भी तिरंगा यात्रा का हिस्सा बने।

बिरहोर टोला में विशेष शिविर, 38 बच्चों को बांटी गई शैक्षणिक किट

नवप्रदेश/चोपारपा। बिरहोर समाज के समग्र विकास एवं उत्थान को लेकर गुरुवार को चोपारण पंचायत के ग्राम बिगहा स्थित बिरहोर टोला में विशेष शिविर का आयोजन किया



गया। शिविर का उद्घाटन पंचायत की मुखिया पंकी देवी ने किया। इसमें प्रखंड एवं पंचायत स्तर के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।शिविर के माध्यम से बिरहोर परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और जरूरी दस्तावेज से संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अंकित कुमार ने बताया कि शिविर में पांच लोगों के पेशन, पांच के आधार कार्ड तथा पांच लोगों के जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित कार्य किए गए। वहीं, स्कूली बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 38 बच्चों के बीच शैक्षणिक किट का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगाए गए जांच शिविर में बड़ी संख्या में बिरहोर परिवारों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसमें 25 लोगों की सिकल सेल, 26 की मलेरिया, 22 की हीमोग्लोबिन, 13 की शुगर, चार की ब्लड प्रेशर तथा 26 लोगों की एचआईवी जांच की गई। अंकित कुमार ने कहा कि शिविर का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद परिवारों तक सरकारी योजनाओं और विभागीय सेवाओं का लाभ पहुंचाना है। मौके पर शिक्षक सूर्यकांत सिंह, छतु मुंडा, जनसेवक मुकेश राम, प्रभारी वनपाल श्रवण कुमार सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

चोपारण अस्पताल में डॉक्टरों की कमी पर विधायक गंभीर, डीसी को लिखा पत्र

नवप्रदेश/चोपारण। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोपारण में चिकित्सकों की कमी को लेकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने गंभीरता जताई है। उन्होंने 13 अगस्त को हजारीबाग उपायुक्त को पत्र लिखकर अस्पताल में तत्काल दो या उससे अधिक एमबीबीएस चिकित्सकों की पदस्थापना अथवा प्रतिनियुक्ति की मांग की है। विधायक ने पत्र में कहा है कि चोपारण स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी सहित एक अन्य एमबीबीएस चिकित्सक के स्थानान्तरण के बाद अब तक उनके स्थान पर किसी चिकित्सक की पदस्थापना नहीं हुई है। वर्तमान में अस्पताल में केवल एक महिला चिकित्सा पदाधिकारी कार्यरत हैं। चिकित्सकों की कमी के कारण मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में परेशानी हो रही है। विधायक ने चोपारण की भौगोलिक एवं जनसंख्या स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि त्रखंड में 26 पंचायत हैं और बड़ी आबादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चोपारण अस्पताल पर निर्भर है। चोपारण जीटी रोड पर स्थित होने के कारण यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। दनुआ बाटी ब्रेक सॉफ्ट होने के कारण दुर्घटनाओं में घायल लोगों को तत्काल उपचार की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज अस्पताल पहुंचते हैं। ऐसे में पर्याप्त चिकित्सकों की उपलब्धता जरूरी है। विधायक ने उपायुक्त से शीघ्र दो या उससे अधिक एमबीबीएस डॉक्टरों की व्यवस्था कराने का आग्रह किया है। पत्र की प्रतिलिपि स्वास्थ्य मंत्री और अपर मुख्य चिकित्सा आ्युक्त को भी भेजी गई है।

सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा 16 अगस्त को कर्मा पंचायत से होगी रवाना

नवप्रदेश/चोपारण। सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में सांसद तीर्थ दर्शन यात्रा आगामी 16 अगस्त को चोपारण मध्य मंडल के कर्मा पंचायत से रवाना होगी। इसकी जानकारी सांसद प्रतिनिधि मध्य रिशु बरनवाल ने दी। उन्होंने बताया कि यात्रा के माध्यम से क्षेत्र के श्रद्धालुओं को विभिन्न धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों के दर्शन का अवसर मिलेगा। सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, रामसरूप पासवान, विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र यादव एवं मंडल अध्यक्ष रेवा शंकर साव ने बताया कि तीर्थ दर्शन यात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। यात्रा को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मंडल के पदाधिकारी एवं भाजपा कार्यकर्ता पंचायत स्तर पर लोगों से संपर्क कर रहे हैं। नेताओं ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से निश्चित तिथि पर कर्मा पंचायत पहुंचकर यात्रा में शामिल होने की अपील की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि तीर्थ दर्शन यात्रा धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जुड़ाव को भी मजबूत करने का माध्यम बनेगी। यात्रा के सफल आयोजन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन, देशवासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की ढेरों शुभकामनाएं : विधायक रामचंद्र सिंह

नवप्रदेश/महुआडांड/भारत देशभर में 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस को लेकर उत्साह और देशभक्ति का माहौल है। इस पावन अवसर पर मूलका विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री रामचंद्र सिंह ने झारखंड सहित पूरे देश के तमाम स्वतंत्रता सेनानियों, अमर शहीदों और वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। साथ ही उन्होंने मनिका विधानसभा क्षेत्र के देव तुल्य ग्रामीणों सहित समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई



दी विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि 15 अगस्त भारत के गौरव, स्वाभिमान और वीरता का पर्व है। यह दिन हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व

न्योछावर कर दिया। उनके बलिदान के कारण ही आज देश का हर नागरिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती भी वीर योद्धाओं और महान स्वतंत्रता सेनानियों की शौर्यगाथाओं से समृद्ध रही है। झारखंड के वीर सपूतों ने भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऐसे वीरों का योगदान हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।रामचंद्र सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल

भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा भारत बनाने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए, जहां हर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और विकास का समान अधिकार मिले।विधायक श्री रामचंद्र सिंह ने कहा कि मनिका विधानसभा सहित पूरे झारखंड और देश में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, उमंग और धूमधाम के साथ मनाया जाए। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने, देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने और स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की अपील

की।अंत में विधायक ने कहा आजादी के वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम उनके सपनों के मजबूत, समृद्ध और खुशहाल भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।उन्होंने एक बार फिर मनिका विधानसभा क्षेत्र के समस्त देव तुल्य ग्रामीणों, माताओं-बहनों, युवाओं, किसानों, श्रमिकों एवं बुजुर्गों सहित पूरे देशवासियों को आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जालिमखुर्द पंचायत में गौपालन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

नवप्रदेश/लातेहार। प्रखंड के जालिमखुर्द पंचायत भवन में गौपालन एवं गव्य विकास से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला गव्य विकास पदाधिकारी श्री हरिकृष्ण एवं मुखिया सुनीता देवी ने संयुक्त रूप से की। प्रशिक्षण में करीब 70 किसानों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। श्री हरिकृष्ण ने सरकार की गव्य विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तरीके से गौपालन अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को



ग्रोत्साहन स्वरूप 200 रुपये की राशि दी जाएगी। उन्होंने महिलाओं से भी सरकारी योजनाओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान दो, पांच एवं दस गाय योजना, डीप बोरिंग, काउ मैट, चारा काटने की मशीन, वर्मी

कंपोस्ट यूनिट तथा गाय शेड जैसी अनुदान आधारित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही शालीमार धुर्वा में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय नि:शुल्क गौपालन प्रशिक्षण में ग्रामीणों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया

हरियाली तीज भक्ति, सुहाग और प्रकृति के श्रृंगार का अनुपम पर्व : विजय बहादुर सिंह

नवप्रदेश/महुआडांड। सावन की हरियाली, रिमझिम फुहारों और प्रकृति के मनोहारी श्रृंगार के बीच मनाया जाने वाला हरियाली तीज भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति, दांपत्य प्रेम और प्रकृति प्रेम का अनुपम पर्व है। इस वर्ष हरियाली तीज का पर्व शनिवार, 15 अगस्त को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।इस अवसर पर माननीय विधायक पुत्र सह प्रदेश समन्वयक विजय बहादुर सिंह ने क्षेत्रवासियों को हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हहरियाली तीज भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन, अखंड सौभाग्य, दांपत्य प्रेम और प्रकृति के श्रृंगार का प्रतीक है। यह पर्व हमारी समृद्ध सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करता है।इन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार माता



पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी अटूट श्रद्धा और तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अधांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन प्रसंग की स्मृति में हरियाली तीज का व्रत एवं पूजन किया जाता है।विजय बहादुर सिंह ने कहा कि हरियाली तीज विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। महिलाएं अपने पति की दीधार्यु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना से व्रत रखती हैं, जबकि

अविवाहित कन्याएं योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति की कामना करती हैं। महिलाएं भगवान शिव, माता पार्वती और गणेशजी की विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं।उन्होंने कहा कि हरे परिधान, मेहंदी, चूड़ियां, सोलह श्रृंगार, झूले और तीज के पारंपरिक गीत इस पर्व की खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। सावन की हरियाली नवजीवन, समृद्धि और नई ऊर्जा का संदेश देती है।उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि हरियाली तीज के अवसर पर पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया जाए। प्रकृति की रक्षा करना हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है।अंत में विजय बहादुर सिंह ने पूरे मनिका विधानसभा के पूरे क्षेत्र की माताओं-बहनों एवं समस्त ग्रामीणों को हरियाली तीज की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं देते हुए सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, एएनसी (गर्भावस्था पूर्व जांच) पंजीकरण एवं फालो-अप, एनसीडी (असंक्रामक रोग) स्क्रीनिंग, पेंटा-1 एवं पेंटा-3 टीकाकरण कवरेज, ओपीवी-1 कवरेज तथा एमटीसी (मालन्यूट्रिशन टूटमेंट सेंटर) केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले की सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं



नियमित फॉलो-अप कराया जाए। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा टीकाकरण के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मानव संसाधन, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता एवं आधारभूत संरचना की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को समय पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, आवश्यक सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य संसाधनों की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। समीक्षा के क्रम में प्रखंडवार स्नेक बाइट (सर्पदंश) एवं डोंग बाइट (कुत्ता काटने) के मामलों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को ऐसे मामलों में त्वरित उपचार, आवश्यक दवाओं एवं एंटी-स्नेक वेनम/रेबीज संबंधी उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा मरीजों को समय पर समुचित

चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सभी योजनाओं एवं सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए आमजन को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलरोह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, स्वास्थ्य विभाग चिकित्सक ,एमओआईसी एवं कर्मी उपस्थित थे।

JSLPS के 372 डाटा एंट्री ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) में कार्यरत 372 डाटा एंट्री ऑपरेटरों की लंबित मांगों को लेकर शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। आंदोलनरत कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से जेएसएलपीएस के विभिन्न स्तरों पर पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है। कर्मचारियों की प्रमुख मांग



मॉडल मानव संसाधन नियमावली के अनुरूप एल-7 वेतनमान या पारिश्रमिक का लाभ देना है। उनका कहना है कि कार्य की प्रकृति, योग्यता, जिम्मेदारी और वर्षों के अनुभव को देखते हुए उन्हें उचित वेतन संरचना और सम्मानजनक पारिश्रमिक मिलना चाहिए। महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह ने कहा कि 372 डाटा एंट्री ऑपरेटर अपने अधिकार और सम्मान की मांग को लेकर एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं,

बल्कि वर्षों से लंबित मांगों के समाधान के लिए लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से किया जा रहा है। संघ ने सरकार और संबंधित विभाग से मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेकर आंदोलन का सम्मानजनक समाधान निकालने की अपील की है। महासंघ ने स्पष्ट किया कि जब तक मांगों पर ठोस और संतोषजनक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। वर्षों की सेवा का सम्मान चाहिए, अधिकार चाहिए-एल-7 चाहिए।

रांची, शुक्रवार , 14 अगस्त, 2026

एक नजर

लातेहार पुलिस को मिले 18 बोलेरो और एक ट्रक, सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड पुलिस के आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण की दिशा में लातेहार जिले को नए वाहनों की सौगात मिली है। जिले को 18 बोलेरो वाहन एवं एक ट्रक प्राप्त हुआ है। इन वाहनों का उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर एवं फीता काटकर विभिन्न थानों और पुलिस इकाइयों के बीच वितरण किया। इस दौरान अधिकारियों ने वाहनों की चाबी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को सौंपी। नए वाहनों के मिलने से जिले में पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ने के साथ-साथ ग्रामीण व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। नए वाहनों का उपयोग विशेष रूप से डायल–112 की त्वरित सेवा, नियमित पुलिस गश्ती, आपातकालीन कार्रवाई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में किया जाएगा। इससे पुलिस टीमों को घटनास्थल तक तेजी से पहुंचने और जरूरत के समय तत्काल कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आधुनिक संसाधनों से पुलिस बल को लैस करने से आम लोगों को बेहतर और त्वरित पुलिस सेवा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वाहनों के वितरण से जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच और प्रभावी होगी।

भवन निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने का उपायुक्त ने दिया निर्देश...

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में भवन निर्माण प्रमंडल के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में भवन निर्माण प्रमंडल द्वारा संचालित विभिन्न निर्माणधीन एवं प्रस्तावित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान विभिन्न भवन निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, कार्य पूर्ण होने की स्थिति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, स्वीकृत योजनाओं तथा लंबित कार्यों की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने योजनावार प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी निर्माणधीन योजनाओं को निश्चित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में निश्चित मानकों एवं गुणवत्ता का विशेष एप से पालन सुनिश्चित करने तथा कार्यों की नियमित स्थल जांच एवं अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी भवन एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूरा होना आवश्यक है, ताकि आमजनों एवं संबंधित विभागों को इसका लाभ समय पर मिल सके। लंबित एवं धीमी गति से चल रहे कार्यों में तेजी लाने तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में भवन निर्माण प्रमंडल एई अजीत कुमार दास एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस की अंतिम तैयारियों का लिया जायजा, परेड का हुआ पूर्वाभ्यास

नवप्रदेश/लातेहार। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह जिला खेल स्टेडियम, लातेहार में पूर्ण गरिमा और उत्साह के साथ आयोजित किया जायेगा। इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला डंडाधिकारी संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर होने वाले झंडोतोलन-राष्ट्रगान एवं परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर व सार्जेंट द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले प्रतिभागियों का नियमानुसार नेतृत्व किया गया। इस दौरान सभी का उत्साहवर्धन किया गया। पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त ने मुख्य समारोह स्थल के मैदान को सुसज्जित करने, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, अग्निशमन एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था, विधि व्यवस्था संधारण एवं अन्य बिंदुओं के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि सभी देशभक्ति से ओत-प्रोत हो शांतिपूर्ण ढंग से इस राष्ट्रीय पर्व को मनाएँ। विधि व्यवस्था बनाए रखने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक ने परेड समेत अन्य तैयारियों को लेकर सभी प्लाटून को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विदित हो कि 15 अगस्त को प्रातः 09.05 बजे जिला खेल स्टेडियम, लातेहार में झंडोतोलन किया जाएगा।मौके पर उप विकास आयुक्त सैयद रिाज अहमद, जिला जनसर्क पदाधिकरी डॅ जंगन, जिला शिक्षा पदाधिकरी श्री गौतम कुमार साहू,जिला खेल पदाधिकरी अभिमन कुमार पितादी व अन्य पदाधिकरी उपस्थित थे।

जनसुनवाई रद्द नहीं हुई तो सड़क पर उतरेंगे ग्रामीण

नाथं धाघू कोल परियोजना के विरोध में धाघू खरटिया में बैठक, 27 अगस्त को प्रस्तावित पर्यावरणीय जनसुनवाई स्थगित करने की मांग
नवप्रदेश/बालूमाथ संचाददाता। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के धाघू पंचायत स्थित खरटिया टोला में गुरुवार को ग्राम प्रधान विनयनाथ मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में एनएलसी इंडिया लिमिटेड की नाथं धाघू कोल परियोजना को लेकर 27 अगस्त को प्रस्तावित पर्यावरणीय जनसुनवाई का ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीणों ने जनसुनवाई को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी।ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना से जुड़े किसी भी निर्णय से पहले स्थानीय लोगों की सहमति, उनके अधिकारों और हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनकी आपत्तियों और मांगों की अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि जनसुनवाई में प्रभावित ग्रामीणों को अपनी बात रखने का निष्पक्ष और पर्याप्त अवसर मिलना जरूरी है।ग्रामीण शंकर उरांव ने आरोप लगाया कि कंपनी और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से ग्रामीणों की जमीन एवं अधिकारों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जनसुनवाई की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ग्रामीणों की मांगों पर गंभीरता से विचार किए बिना जनसुनवाई कराई गई तो उसका सामूहिक विरोध किया जाएगा।ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि 27 अगस्त की प्रस्तावित जनसुनवाई रद्द नहीं की गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि परियोजना से संबंधित निर्णय स्थानीय लोगों के हितों और उनकी सहमति को ध्यान में रखकर ही लिया जाना चाहिए।बैठक में पंचायत की मुखिया कुसारी भगवती, महावीर उरांव, इमरान खान, सीमा देवी, पिकी देवी, देवनाथ उरांव, शिवनारायण गंडू, पवन उरांव, पीयूष गंडू, प्रदीप उरांव समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

शिवगंगा में डूब रहे दो श्रद्धालुओं को एनडीआरएफ ने बचाया

नवप्रदेश/बासुकीनाथ। राजकीय श्रावणी मेला 2026 के दौरान शिवगंगा तालाब में स्नान करते समय दो श्रद्धालु गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। धनबाद निवासी 40 वर्षीय राजेश कुमार सिंह को डूबता देख 42 वर्षीय निशिकांत सिंह ने बचाव का प्रयास किया, लेकिन वे भी पानी में फंस गए। मौके पर तैनात एनडीआरएफ की टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई। टीम ने श्रद्धालुओं से निर्धारित क्षेत्र में ही स्नान करने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की।

मादक पदार्थों की तस्करी पर कसेगा शिकंजा, ड्रग नेटवर्क की होगी पहचान

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मादक पदार्थों की तस्करी एवं दुरुपयोग की रोकथाम को लेकर जिला एनसीओआरडी समिति की बैठक हुई। बैठक में सक्रिय ड्रा नेटवर्क, तस्करी के स्रोत और वितरण चैनलों की पहचान कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को अवैध अफीम की खेती की पहचान और विनष्टीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर दायरे को ड्रा-फ्री जोन बनाने, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता शिबिर और चिकित्सीय जांच कराने पर भी जोर दिया गया। होटल, रेस्टोरेंट, बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास, 14 प्लाटून लेंगी हिस्सा



नवप्रदेश/दुमका। स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 को लेकर पुलिस लाइन मैदान में फुल ड्रेस रihर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने पूर्वाभ्यास का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 15 अगस्त को पुलिस लाइन मैदान में सुबह 9 बजे राज्यपाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके बाद मार्च पास्ट और परेड होगी, जिसमें कुल 14 प्लाटून शामिल होंगे। मौके पर एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए ग़्रिजली विद्यालय की दो छात्राओं का चयन

अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन ने राज्य स्तर पर बढ़ाया विद्यालय का गौरव, 10 सितंबर से रांची खेलगांव में कैप में लेंगी हिस्सा

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग़्रिजली विद्यालय के लिए यह गौरव का क्षण है कि विद्यालय की दो प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का चयन झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ी 10 सितंबर से रांची के

खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कैप में हिस्सा लेंगी। दोनों छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य स्तरीय फुटबॉल टीम कैप के लिए उनका चयन विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को मिल रहे प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस उपलब्धि में विद्यालय की फुटबॉल प्रशिक्षक आशा कुमारी का विशेष योगदान रहा। राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रहीं आशा कुमारी के कुशल प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रोत्साहन ने



दोनों छात्राओं को अपने खेल कौशल को निखारने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए

तैयार होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता

एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त संदेश में कहा, ह्अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए चयन पूरे विद्यालय परिवार के लिए एवं का विषय है। यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा, निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं अनुशासन विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। हमें विश्वास है कि दोनों छात्राएँ रांची खेलगांव में आयोजित कैप में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय एवं झारखंड का गौरव बढ़ाएँगी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर समन्वयक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी,

बनानी नियोगी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट्स सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रोतम हरि सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने दोनों छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रशिक्षक आशा कुमारी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय परिवार ने दोनों खिलाड़ियों को 10 सितंबर से रांची खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कैप के लिए शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे अपनी प्रतिभा, मेहनत एवं खेल भावना के बल पर कैप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगी और भविष्य में झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए ग़्रिजली विद्यालय एवं राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगी।

आरपीवाई बीएड कॉलेज ने निकाला तिरंगा यात्रा

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के बैनर तले तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी मो. सेराज ने किया। यात्रा में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। प्रशिक्षुओं ने फर्स्टा, छोटकीबागी, बड़कीबागी, मरियमपुर सहित आसपास के गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, वीर शहीद अमर रहें आदि देशभक्ति नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। प्रशिक्षुओं ने ग्रामीणों को राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक



किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।

युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेना चाहिए। एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी मो. सेराज ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से प्रशिक्षुओं में देशभक्ति और

सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्राहित में जागरूक नागरिक की भूमिका निभाना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। मौके पर सहायक प्राध्यापकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारीगण और प्रशिक्षुगण मौजूद रहे।

मोटर वाहन दुर्घटना दावा मामलों के अधिकाधिक निष्पादन को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने की बैठक

नवप्रदेश/गुमला। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय, गुमला में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत में अधिक से अधिक सुलहनीय मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान सुनिश्चित करने को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, गुमला श्री अजीत कुमार सिंह ने अपने प्रकोष्ठ में मोटर वाहन दुर्घटना दावा दावों के निष्पादन को लेकर विशेष बैठक आयोजित की। बैठक में संबंधित न्यायिक पदाधिकारी, वादकारी एवं अधिवक्तागण, उपस्थित रहे। विभिन्न बीमा कंपनियों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि ऑनलाइन रोलिंग मेल मोड में जुड़े रहे।बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री अजीत कुमार सिंह ने बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं उनके अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि



आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित लंबित मामलों का अधिकाधिक संख्या में आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर निष्पादन कराने की दिशा में प्रभावी पहल की जाए, ताकि दुर्घटना पीड़ितों एवं उनके आश्रितों को शीघ्र राहत एवं मुआवजे का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन दुर्घटना दावा मामलों में समय पर मुआवजा मिलना पीड़ित एवं उनके परिवार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर योजनाबद्ध एवं समन्वित तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित न्यायालयों में लंबित सुलहनीय मामलों को चिह्नित कर प्री-कॉन्सिलिएशन सिटिंग आयोजित

करने तथा पक्षकारों के बीच समझौते की संभावनाओं को तलाशते हुए मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है। इसमें पक्षकारों की सहमति से मामलों का समाधान होने के कारण समय एवं धन दोनों की बचत होती है और पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है।जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला की ओर से आम लोगों से अपील की गई है कि न्यायालय में लंबित अपने सुलहनीय मामलों के शीघ्र समाधान के लिए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाएं। संबंधित पक्षकार अपने अधिवक्ता अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकार,

हल्द्वानी घटना के विरोध में गुमला कांग्रेस आज करेगी सत्याग्रह

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हल्द्वानी की घटना के विरोध में गुमला जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ कांग्रेसजनों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी से प्राप्त निर्देश के आलोक में 14 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक गांधी वाटिका में सत्याग्रह किया जाएगा। सत्याग्रह के माध्यम से हल्द्वानी की घटना के विरोध में पार्टी अपनी आवाज बुलंद करेगी।उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी के सभी सदस्यों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से समय पर गांधी वाटिका पहुंचने और सत्याग्रह कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने में योगदान देने का आग्रह किया है।कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों के तहत लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जनहित के मुद्दों को उठाती रही है। इसी क्रम में हल्द्वानी की घटना के विरोध में सत्याग्रह आयोजित किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर परमवीर अल्वर्ट एवका स्टैडियम में फुल ड्रेस फाइनल रिवर्सल आयोजित



नवप्रदेश/गुमला: आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर आज परमवीर अल्वर्ट एवका स्टैडियम, गुमला में फुल ड्रेस फाइनल रिवर्सल आयोजित किया गया। उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महतो एवं पुलिस अधीक्षक गुमला हारिस बिन जमा ने संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास में भाग लिया तथा परेड को निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।फाइनल रिवर्सल के दौरान पुलिस बल, सशस्त्र बल, होमगार्ड एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा पूरे अनुशासन एवं उत्साह के साथ कदमताल और मार्च पास्ट का अभ्यास किया गया। निर्धारित पदाधिकारियों के अनुरूप परेड की विभिन्न टुकड़ियों ने सलामी एवं मार्च पास्ट का पूर्वाभ्यास किया।उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल टुकड़ियों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने परेड के दौरान अनुशासन, कदमताल, वर्दी एवं निर्धारित प्रोटोकॉल का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।इस दौरान मुख्य समारोह स्थल की साफ-सफाई, मंच, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। संबंधित पदाधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करना तथा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए।स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल के साथ-साथ अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। फुल ड्रेस फाइनल रिवर्सल के माध्यम से मुख्य समारोह के दौरान होने वाले कार्यक्रमों का सफल एवं अनुशासित संचालन सुनिश्चित करने का अभ्यास किया गया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का बैधनाथ जलन कॉलेज सिसई के परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन

नवप्रदेश/गुमला। शिविर में सैनिक शल्य चिकित्सा मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर शंभू नाथ चौधरी एवं ब्लाड बैंक के प्रभारी डॉक्टर सुनील कुमार अपने पूरे टीम के साथ रक्तदान में रक्त संग्रहित करने के लिए उपस्थित हुए। इस अवसर पर डॉक्टर शंभू नाथ चौधरी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया एवं रक्तदान से होने वाले फायदे को उन्हें बतलाया। भारतीय रेड को सभितिक के सदस्य जिला कार्यक्रम समन्वयक टीवी डियार्टमेंट वियस कुमार गुप्ता ने सभी बच्चों को उत्साहित करने के लिए जो रक्तदान कर रहे थे उनके लिए विशेष एंकोर्ट ताली के साथ उनका स्वागत रक्तदान स्थल पर किया गया।इसमें नेशनल किडेंट कोर के विद्यार्थी उपस्थित थे।विशेष रूप से इस अवसर पर हमारे भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सह सचिव शशि प्रिय बटी एवं अशोक कुमार जायसवाल ने बच्चों को बहुत ही बेहतर ढंग से रक्तदान के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर जेननाथ कॉलेज के प्राचार्य श्री अमिताभ भारती ने सबों को सम्मानित किया।प्रधान सहायक सुरेश साहू डॉक्टर निखार अहमद डॉक्टर अरुण कुमार दास डॉक्टर बस्ती प्रोफेसर सोनिया कुमारी प्रोफेसर खुशवंत लकड़ा महताब अंसारी इस अवसर पर राकेश कुमार टेक्नीशियन मोनिका कुमारी तकनीशियन सुनील लुना क्लीनर सुप्रिया रानी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी कूलन करी एनएनएम गुडिया कुमारी रीता साहू आईटी नितिन कुमार एवं डाटा एंटी ऑपरेटर अशोक कुमार की पूरे टीम दलबल के साथ इस रक्तदान शिविर में उपस्थित थे।इस रक्तदान शिविर का विशेष इस प्रकार रहा कि इसमें कॉलेज की छात्राओं ने अधिकांश संख्या में रक्तदान किया और अभी तक रक्तदान शिविर चल ही रहा है।समावार भेजने तक हमारे रक्त संग्रह कितना हुआ 15 15 युक्ति रक्त दान किया गया है अभी तक पांच पॉस्तिबद्ध है लगभग 25 की संभावना है

छात्रों की आवाज सुनना सता की जिम्मेदारी है एहसान नहीं-अधिवक्ता परवेज आलम

नवप्रदेश/गुमला। जब चुनाव आता है, तब यही छात्र, युवा और आम जनता सता के लिए खसरे महत्वपूर्ण हो जाती है। बड़े-बड़े नेता और मंत्री लाखों की भीड़ को संबोधित करते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं और जनता से वोट मांगते हैं। लेकिन जब वही छात्र अपने अधिकार, रोजगार, शिक्षा और भविष्य की मांग लेकर सड़क पर उतरते हैं, अनशान होते हैं और अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं, तब सरकार के दरवाजे बंद क्यों हो जाते हैं? प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री छात्रों से सीधे संवाद करने से क्यों बचते हैं?वादे दिल्ली का जंतर-मंतर हो या झारखंड की राजनीति रावी का जयपाल सिंह मुंडा स्टैडियम- बड़े छात्र अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करते हैं, तब उनसे सीधे बात करने के बजाय प्रतिनिधियों और अधिकारियों के पीछे सरकार क्यों छिपती है?क्या सत्ता में बैठने के बाद जनता की आवाज की कीमत कम हो जाती है?एक लोकतांत्रिक सरकार की ताकत सिर्फ चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि विरोध की आवाज सुनने की क्षमता में होती है। आंदोलन कर रहे छात्र सरकार के दुश्मन नहीं हैं।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस परेड पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग कर दिए आवश्यक दिशा. निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा के बागीटाडू स्टैडियम मैदान में आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के क्रम में आज 13



अगस्त 2026 को फुल ड्रेस रिवर्सल का आयोजन किया गया। फुल ड्रेस रिवर्सल उपायुक्त श्री उर्कप्र गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार शिवाशीष की देखरेख में संपन्न हुआ। रिवर्सल के दौरान

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा परेड का निरीक्षण करते हुए मार्च-पास्ट की सलामी ली गई। साथ ही परेड में शामिल सभी टुकड़ियों को संबोधित कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग

फुल ड्रेस रिवर्सल के उपरांत समारोह में प्रतिनियुक्त सभी पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग की गई, जिसमें पुलिस पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। उपस्थित ने सभी

प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समय पर अपने-अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित होकर सौंपे गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समारोह के सफल आयोजन हेतु सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उपायुक्त ने परेड स्थल के समतलीकरण मैदान की साफ-सफाई, जलजमाव की स्थिति में आवश्यक कार्रवाई तथा परेड में भाग लेने वाले जवानों के लिए पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। परेड में जिला बल के

प्लाटून, होमगार्ड जवान एवं एनसीसी के छात्र. छात्राओं को अच्छे तरीके से प्रदर्शन करने को कहा गया। साथ ही समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता संचय पीएम कूजूर, अनुमंडल पदाधिकारी निर्मल सोरेन, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, प्रभारी सामान्य शाखा विजय कुमार सोनी, जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

दिव्यांग बोर्ड शिविर में 21 मरीज पहुंचे, 10 को मिला दिव्यांग प्रमाण पत्र



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। सदर अस्पताल कोडरमा में आयोजित दिव्यांग बोर्ड शिविर में कुल 21 मरीजों की उपस्थिति दर्ज की गई। जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद 10 व्यक्तियों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया गया। इनमें 9 अस्थि दिव्यांग तथा 1 गुंगा-बहरा श्रेणी का मरीज शामिल हुए. गुंगा. बहरा श्रेणी के 6 मरीजों को सुनने की क्षमता की जांच के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेजा गया। वहीं, मानसिक विकलांगता से संबंधित 3 मरीजों को क्यू असेसमेंट के लिए रिफास, कर्फे भेजा गया। शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को आवश्यक चिकित्सकीय जांच एवं प्रमाण-पत्र की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. रमण कुमार, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमनाथ सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट राजीव कुमार सहित कार्यालय सहायक अजीत कुमार, अनीश कुमार एवं कुणाल उपस्थित रहे। शिविर में पहुंचे मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सतगावां बीजेपी के द्वारा खुदरा से नासरगंज तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा, गुँजे भारत माता की जय के नारे



नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को सतगावां एवं बासोडीह मंडल के संयुक्त तत्वावधान में खुदरा से नासरगंज तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भाग लिया। इस दौरान ह्छाभरत माता की जयह्द के नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया।तिरंगा यात्रा में सतगावां मंडल अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, बासोडीह मंडल अध्यक्ष नरेश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल यादव, मंडल उपाध्यक्ष ब्यूटी कुमारी, कंचन देवी, शिवराज सिंह, पिटू सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।यात्रा के समापन पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए बासोडीह मंडल अध्यक्ष नरेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ह्छर घर तिरंगाह्द अभियान के माध्यम से तिरिे को प्रत्येक देशवासी के घर और हाथ तक पहुंचाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

सरदारोडीह से कांवरियों का जत्था हुआ रवाना

हर. हर महादेव के जयकारों से गुंजा क्षेत्र



नव प्रदेश संवाददाता/चंदवारा। चंदवारा प्रखंड के सरदारोडीह गांव से सावन के पावन महीने में कांवरियों का एक जत्था बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ। रवाना होने से पूर्व कांवरियों ने भगवान शिव की पुजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। कांवरियों के जत्थे के रवाना होते ही पूरा क्षेत्र ह्छर. हर महादेवह्द और ह्छबोल बमह्द के जयकारों से गुंज उठा। कांवरियों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए यात्रा पर निकले। ग्रामीणों ने कांवरियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। कांवरियों में प्रकाश साव, शिव शंकर साव , भीम कुमार साव, महादेव साव, देवघर के लिए रवाना सहित कई अन्य रवाना हुए।मौके पर आरागारो पैक्स अध्यक्ष परमेश्वर साव, दीपक साव, उमेश साव, सीताराम साव, ने भी कांवरियों की मंगलमय यात्रा की कामना की।

घाघरा में लर्निंग लाइसेंस कैप का सफल आयोजन, अगला शिविर 17 को गुमला के आंजन में

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड सरकार के परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे पंचायत स्तरीय ड्राइविंग कैप के तहत घाघरा प्रखंड के आदर पंचायत में लर्निंग लाइसेंस हेतु जांच परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। ग्रामीण स्तर पर सरकारी सुविधाओं को सुलभ बनाने की इस पहल में स्थानीय लोगों ने भारी उत्साह दिखाया।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आदर पंचायत में आयोजित इस शिविर में कुल 190 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदकों ने कंप्यूटर आधारित यातायात नियम परीक्षा में हिस्सा लिया, जिसमें से 125 अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की और मौके पर ही अपनी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति (लर्निंग लाइसेंस) प्राप्त कर ली। वहीं, 65 अभ्यर्थी इस परीक्षा में असफल रहे, जिन्हें यातायात नियमों की बेहतर तैयारी के साथ अगली बार पुनः प्रयास करने की सलाह दी गई। **उपायुक्त और परिवहन पदाधिकारी ने दिया सड़क सुरक्षा का कड़ा संदेश** अनुज्ञप्ति वितरण के साथ-साथ शिविर में सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चलाया गया। गुमला के उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने अपने कड़े संदेश में स्पष्ट किया है कि सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने हिदायत दी कि दौलिया वाहन चालक बिना हेलमेट के और कार सवार बिना सीट बेल्ट के सफर करते हुए पाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।जिला परिवहन पदाधिकारी सत्येन्द्र महतो ने इस अभियान की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे कैप लगाकर प्रशासन न केवल लोगों का समय और पैसा बचा रहा है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी भी बना रहा है। शिविर में उपस्थित मोटरयान निरीक्षक ने सुरक्षित वाहन संचालन के तकनीकी पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने नए चालकों को ओवरस्पीडिंग से बचने, मोड़ या चौराहों पर गति धीमी रखने और ट्रैफिक संकेतों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।। घाघरा के बाद, अगला कैप सोमवार, 17 अगस्त 2026 को गुमला प्रखंड के आंजन पंचायत में सुबह 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 18 अगस्त को कामडारा के टुरुनडु और 19 अगस्त को पालकोट के नाथपुर में भी शिविर लगाए जाएंगे।परिवहन विभाग ने अपील की है कि इच्छुक अभ्यर्थी कैप आयोजन की तिथि से पूर्व 'सारथी पोर्टल' पर जाकर अपना ऑनलाइन आवेदन तथा शुल्क जमा कर लें। निर्धारित तरीके को आवेदकों को अपने आवेदन की प्रति, शुल्क रसीद और सभी मूल दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होना अनिवार्य है।

नई दिल्ली में 17 अगस्त से बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप, तृप्ति मुरगुंडे बोली- यह टूनामेंट नई पीढ़ी में जोश भरेगा

नई दिल्ली, हैदराबाद में 17 साल पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुकीं भारत की पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुरगुंडे का मानना है कि प्रतिष्ठित टूनामेंट की भारत में वापसी पिछले एक दशक में देश के खेलों में हुई शानदार प्रगति का प्रतीक है। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 17-23 अगस्त के बीच इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेली जाएगी। भारत दूसरी बार इस बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है; इससे पहले 2009 में हैदराबाद इस प्रतियोगिता का वेन्चू था। मुरगुंडे ने साई मीडिया से कहा, समूचे भारतीय खेल जगत के लिए काफी गर्व की बात है कि हमें 17 साल बाद फिर से इसकी मेजबानी मिली है। पिछले 8 से 10 वर्षों में भारतीय खेलों का प्रदर्शन शानदार रहा है। हमने कई तरह के इवेंट्स में बेहतरीन नतीजे देखे हैं और साथ ही इस तरह के इंटरनेशनल इवेंट्स की मेजबानी भी की है। यह अभी वाकई बहुत जरूरी और अहम है। मुरगुंडे के लिए इसका महत्व बैडमिंटन से कहीं बढ़कर है। उन्होंने अलग-अलग खेलों में बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को भारत लाने के बढ़ते प्रयासों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बड़े इवेंट्स में बार-बार हिस्सा लेने से देश के खेल इकोसिस्टम पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा, हहमने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया को भी यह कहते हुए सुना है कि हम सभी खेलों में इंटरनेशनल इवेंट्स के भारत आने का कितना बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 2009 के संस्करण में खेल चुकीं मुरगुंडे का मानना है कि घरेलू मैदान पर वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन भारतीय शटलर्स की मौजूदा पीढ़ी के लिए बहुत मायने रखता है। दिल्ली में अनुभवी खिलाड़ियों और नए खिलाड़ियों की मिली-जुली टीम उतारने की तैयारी के बीच, उनका मानना है कि युवा खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने से बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा, आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बेहतरीन प्लेटफॉर्म है, क्योंकि उन्हें अपने होम ग्राउंड पर अपना हुनर और प्रदर्शन दिखाने का शानदार मौका मिल रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 की मेडलिस्ट ने कहा, जब आप अपने होम ग्राउंड पर खेलते हैं, तो माहौल बिल्कुल अलग होता है। हमने देखा है कि जब इंडिया ओपन या भारत में कोई और बड़ा इवेंट होता है, तो इससे हमेशा बहुत फर्क पड़ता है।

स्वतंत्र पीएसए चैलेंजर टूर: भारत को दोहरा झटका, सेमीफाइनल में तन्वी और सूरज की हार

एचसीएल स्वतंत्र पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट के सेमीफाइनल में गुरुवार को भारत को दोहरा झटका लगा। महिलाओं की टॉप सीड तन्वी खन्ना और पुरुषों की चौथी सीड सूरज कुमार चंद खिताबी रैस से बाहर हो गए। तन्वी को मिश्र की तीसरी सीड सोहायका हजेम ने 11-6, 2-11, 7-11, 7-11 से मात दी, जबकि सूरज चंद को मिश्र के टॉप सीड मोहम्मद गोहर ने 11-8, 11-2, 11-7 से हराया। इससे पहले, हाल ही में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप का सिंगल्स खिताब जीतने वाले सूरज चंद ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हमवतन आठवीं सीड ओम सेमवाल को चार गेम में 11-4, 8-11, प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिश्र के हसन मेनशाबी को 11-13, 11-11, 11-2, 9-11, 11-8 से शिकस्त दी। पांच-गेम का यह मुकाबला 73 मिनट तक चला था। एक अन्य रोमांचक पांच-गेम वाले मुकाबले में, संदेश पलानीवेल रविकुमार ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए छठी सीड अयान वजीरल्ली को 6-11, 10-12, 11-5, 11-6, 11-7 से हराया और पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिलाओं के लिए तीसरे वरीयता प्राप्त सेफ रैफे से मुकाबला करेंगे। इस इवेंट में पुरुषों और महिलाओं के वर्ग के लिए 9,000 अमेरिकी डॉलर की समान इनामी राशि रखी गई है। एचसीएल स्वतंत्र पीएसए चैलेंजर टूर प्रोफेशनल स्वतंत्र एसोसिएशन (पीएसए) टूर का सेकंड टियर है। इस सर्किट के टूर्नामेंट दुनिया के प्रमुख देशों में आयोजित किए जाते हैं और यह खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, रैंकिंग अंक हासिल करने तथा उच्च स्तर के पीएसए टूरों में जगह बनाने का अवसर प्रदान करता है।

हार्दिक पांड्या आदर्श हैं, एपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दोइखो ने भारतीय ऑलराउंडर को अपनी सफलता का दिया श्रेय

डिब्रूगढ़ वॉरियर्स के ऑलराउंडर दोइखो दास ने भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को अपना आदर्श बताया है। उनका कहना है कि वह पहले असम प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 में अपनी छप छोड़ते हुए इस शानदार ऑलराउंडर के आक्रामक अंदाज को अपनाकर अपना खेल बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। दास वॉरियर्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। वॉरियर्स छह मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ खूंट्रस टेबल में सबसे ऊपर है। इस तेज गेंदबाज ने 6 मैचों में 7.80 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए हैं, जिसमें चाराइवेद सनराइजर्स के खिलाफ 33 रन देकर 4 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल है। उनका मानना है कि हार्दिक पांड्या के प्रति उनकी पसंद ने उनकी गेंदबाजी के तरीके, खासकर शॉर्ट बॉल के इस्तेमाल पर असर डाला है। दास ने कहा, हार्दिक पांड्या मेरे आदर्श हैं। मुझे उनका क्रिकेट खेलने का तरीका पसंद है और मैं उनके स्टाइल से सीखने की कोिशश करता हूं। मैं जोरदार तरीके से गेंद पटकने और आक्रामक होकर गेंदबाजी करने पर ध्यान देता हूं, खासकर शॉर्ट बॉल के मामले में। श-र्ट बॉल मेरी मुख्य गेंदबाजी शैली है। इससे मुझे सफलता मिली है और पिच से मिल रही मदद को देखते हुए मैं अपनी इसी ताकत का इस्तेमाल कर रहा हूं। हालांकि दास ने अब तक गेंदबाजी से ही सबसे ज्यादा प्रभाव डाला है, लेकिन वह खुद को ऑलराउंडर मानते हैं और बल्ले से योगदान देने के मौके का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्रमुझे अभी तक बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है, लेकिन जब भी मौका मिलेगा मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। जब भी मेरी टीम को जरूरत होगी मैं दोनों विभागों में योगदान देना चाहता हूं।

13 विकेट लेकर दोइखो दास टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, लेकिन इस युवा खिलाड़ी का मानना है कि चीजों को सरल रखना ही उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा, हमेरी सोच साफ है। मैं बल्लेबाज पर ध्यान नहीं देता; मैं सिर्फ सही जगह पर गेंद डालने और अपनी योजना पर टिके रहने पर ध्यान देता हूं। इससे मुझे अनुशासित रहने और ध्यान न भटकने में मदद मिलती है।

अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के बावजूद, दास का कहना है कि टीम की सफलता ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ह्रआगर टीम नहीं जीतती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन का उतना महत्व नहीं रह जाता। मैं अभी संतुष्ट नहीं हूं, क्योंकि मैं टीम को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए लगातार सुधार करना चाहता हूं।

25 से 30 ओवर के बाद गेंद नरम पड़ जाएगी, हमें इसके लिए तैयार रहना होगा: मोर्ने मोर्केल

गॉल,

भारत के गेंदबाज कोच मोर्ने मोर्केल ने टीम के तेज गेंदबाजों को श्रीलंका की गर्मी, उमस और कूकाबुरा गेंद के बदलते मिजाज के हिसाब से खुद को जल्द से जल्द ढालने की सलाह दी है।

उन्होंने जोर दिया कि शनिवार से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में जोश बनाए रखना और दबाव बनाने के लिए नए तरीके खोजना बहुत जरूरी होगा। घुटने की चोट के कारण जसप्रीत बुमराह के सीरीज से बाहर होने से भारत के तेज गेंदबाजी विभाग को बड़ा झटका लगा है। अब मोहम्मद सि-राज तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे अनुभवी सदस्य हैं, जबकि

कॉमनवेल्थ फेसिंग चैंपियनशिप: भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, मेडल टैली में टॉप कर जीती विल्किंसन स्पोर्ट्स ट्रॉफी



लागोस (नाइजीरिया),

भारतीय फेंसिंग टीम ने कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने चार दिन के शानदार अभियान में कुल 35 मेडल जीते। अंडर 23 और सीनियर दोनों कैटेगरी को मिलाकर देश की झोली में कुल 13 गोल्ड, 8 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल आए।यह ऐतिहासिक जीत सीनियर टीम इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन के साथ पूरी हुई। भारतीय फेंसर्स ने सभी इवेंट्स में अपना दबदबा बनाए रखा और टीम इवेंट्स के 6 मुकाबलों में से पांच में गोल्ड मेडल जीते। टीम इंडिया ने मेंस सेबर, विमेंस सेबर, मेंस एपी, विमेंस एपी और विमेंस फॉयल में टॉप स्थान हासिल किया, इसके साथ ही मेंस फॉयल में कड़े मुकाबले के बाद सिल्वर मेडल भी जीता। इस शानदार प्रदर्शन ने लीडरबोर्ड पर भारत की टॉप पोजिशन को पक्का किया और टीम प्रतिष्ठित विल्किंसन स्पोर्ट्स ट्र-फी को अपने नाम करने में सफल रही। यह ट्रॉफी 1982 से कॉमनवेल्थ फेंसिंग फेडरेशन द्वारा सबसे अच्छे ओवरऑल नतीजे वाले देश को दी जाती है। टीम की यह सफलता लागोस में पिछले तीन दिनों के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन के बाद मिली। अभियान की शुरुआत पहले दिन अंडर 23 व्यक्तिगत इवेंट्स में 17 मेडल (4 गोल्ड, 4 सिल्वर, 9 ब्रॉन्ज) जीतने के साथ हुई, जिसमें गोल्ड मेडलिस्ट निखिल वाघ की अगुवाई में मेंस सेबर में पॉडियम पर पूरी तरह भारत का कब्जा रहा, इसके साथ ही जॉइस अशिता (विमेंस फॉयल), प्राची लोहान (विमेंस एपी) और जेफरलिन (विमेंस सेबर) ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीते। दूसरे दिन टीम इंडिया ने सीनियर व्यक्तिगत इवेंट्स में हिस्सा लिया और 7 मेडल (1 गोल्ड, 2 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) जीते, जिसमें सीनियर विमेंस एपी में तनिष्का खत्री और खुशी दाभाड़े का गोल्ड-सिल्वर जीतना मुख्य आकर्षण रहा। तीसरे दिन, भारतीय फेंसर्स ने 5 और मेडल (3 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज) जीते, जिसमें कनागलक्ष्मी (सीनियर विमेंस फॉयल), राजेंद्रन शांतिमोली शेरजिन (सीनियर मेंस एपी) और सिंह करण सिंह (सीनियर मेंस सेबर) ने शानदार तरीके से गोल्ड मेडल जीते। खिलाड़ियों की इस जीत के पीछे कोच भरतजी ठाकोर, श्रीहरि पिसे और शंकर नारायणन, फिजियोथेरेपिस्ट अमृता बालकावाड़े और टीम मैनेजर मनु त्यागी की अगुवाई वाला एक समर्पित सपोर्ट सिस्टम था।। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में उनकी रणनीतिक सलाह, फिजिकल कंडीशनिंग और इवेंट मैनेजमेंट बहुत अहम साबित हुए। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व जताते हुए फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल राजीव मेहता ने कहा, ह्रमुझे अपनी पूरी टीम झ्र हर एक खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ मेंबर पर बहुत गर्व है, जिनकी कड़ी मेहनत से यह ऐतिहासि-क जीत मुमकिन हो पाई। पहली बार कॉमनवेल्थ और ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीतना भारतीय फेंसिंग में मौजूद टैलेंट, अनु-शासन और कड़ी मेहनत का सबूत है।

बल्लेबाजों के घूरने से गेंदबाज को परेशान नहीं होना चाहिए: हरप्रीत बरार

नई दिल्ली,

पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार मैदान पर विराट कोहली के साथ हुई नोक-झोंक की चचाओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते। इस खिलाड़ी का मानना है कि दोनों के बीच कोई दुश्मनी नहीं है और एक गेंदबाज का ध्यान पूरी तरह से अपने काम पर होना चाहिए, चाहे दूसरी तरफ कोई भी बल्लेबाजी कर रहा हो। हरप्रीत बरार ने पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोहली को आउट किया है, उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के बीच दिखने वाली आक्रामकता फ्रेंचाइजी क्रिकेट की प्रतिस्पर्धी प्र-वृत्ति का हिस्सा है, न कि कोई निजी मुकाबला। बरार ने गुरुवार को आईएनएनएस के साथ एक खास बातचीत में कहा, ऐसा नहीं है। यह टीम के लिए अच्छा है। राइडलरीजैसी कोई बात नहीं है। यह सब सोशल मीडिया का एक हथकंडा है जो वहीं शुरू होता है और वहीं खत्म हो जाता है। मैं

प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और हाल ही में टीम में शामिल किए गए आकिब नबी अन्य विकल्प हैं। मोर्केल का मानना है कि ये हालात भारतीय तेज गेंदबाजों की उस क्षमता की परीक्षा लेंगे कि जब गेंद अपनी सख्ती खो देती है, तो वे अपनी योजनाओं में कैसे बदलाव करते हैं। ह्रआईएसपीएन क्रिकइन्फोह्र के अनुसार, मोर्केल ने कहा, हमारे पास हुनर है और योजना भी होगी, लेकिन श्रीलंका आने पर सबसे बड़ी चुनौती गर्मी, उमस और कूकाबुरा गेंद का थोड़ा जल्दी नरम पड़ जाना है। यह 25 या 30 ओवर के बाद नरम हो जाएगी, इसलिए हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। ऐसे हालात में सब कुछ आपको सोच पर निर्भर करता है। अगर आप



तेज गेंदबाज हैं और छोटे स्पेल में गेंदबाजी करने जा रहे हैं, तो गेंद में जो ऊर्जा आप लगाते हैं और उसे सही जगह पर डालते हैं, तो इससे आपको हमेशा मौका मिलेगा।

डीपीएल 2026: आउटर दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हराया, शिवम शर्मा बने जीत के नायक

नई दिल्ली,

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 25वें मैच में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हराया। आउटर दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली लायंस से मिले 179 रनों के लक्ष्य को 19.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल किया। 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आउटर दिल्ली को प्रियांश आर्या और यजस शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। प्रियांश 12 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि यजस को 25 रनों के स्कोर पर कुलवंत खेज्रोलिया का शिकार बने। ध्रुव



सिंह अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 12 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद आउट हुए। 88 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही टीम की पारी को मोहित पंवार और अक्षय सैनी ने संभाला। मोहित 31 रन बनाकर रिटायर हर्ट

पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार कर्नाटक की सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच नियुक्त

बेंगलुरु,

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार को आगामी 2026-27 घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक सीनियर पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने गुरुवार को यह घोषणा की। 42 वर्षीय विनय, येरे गौड की जगह यह जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं, जो बेंगलुरु में बोसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सलेंस (सीईओ) में बल्लेबाजी कोच के तौर पर शामिल हुए हैं। कर्नाटक के पूर्व बल्लेबाज दीपक चौगुले, विनय कुमार के सपोर्ट स्टाफ में बतौर फील्डिंग कोच शामिल हुए हैं। यह कर्नाटक के हेड कोच के तौर पर विनय का पहला कार्यकाल होगा। इससे पहले, विनय कुमार ने ह्यमहाराजा टी20 ट्रॉफीह्र में हुबली टाइगर्स को कोचिंग दी थी। वह आईएलटी20 में एमआई एग्निरेट्स के लिए बॉलिंग कोच के

उन्होंने कहा, जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, उम्मीद है कि गेंद का उछाल थोड़ा असमान हो जाएगा। बात यह है कि हम कैसे जोश के साथ लगातार ओवर फेंक सकते हैं और दबाव बना सकते हैं, क्योंकि हमने पिछले कुछ महीनों में ज्यादा लाल-गेंद क्रिकेट नहीं खेला है; इसलिए उसमें वापस लौटना भी एक चुनौती होगी। साथथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि जोरदार तरीके से गेंद पटकना और अनुशासित लेंथ बनाए रखना श्रीलंका के हालात में भी बल्लेबाजों को परेशान कर सकता है। फिर भी, जब कूकाबुरा गेंद अपनी सख्ती खो देगी, तो गेंदबाजों को और ज्यादा नए तरीके आजमाने होंगे। मोर्केल ने कहा, हमारे खेलने

के दिनों में भी मुझे लगता था कि अगर आप यहां जोर से गेंद पटकते हैं और ह्रगुड लेंथह्र पर लगातार गेंदबाजी करते हैं तो आप बल्लेबाज से कई तरह के सवाल पूछते हैं, तो आपके पास अच्छे नतीजे पाने का मौका हमेशा रहता है। उन्होंने आगे कहा, जब गेंद पुरानी और नरम हो जाती है, तो हमारा अगला कदम क्या होना चाि-हए? हमें यह तय करने में समझदा-री दिखानी होगी कि हम क्रीज का इस्तेमाल कैसे करें या शॉर्ट बॉल का इस्तेमाल कैसे करें। हमें ये चीजें काफी तेजी से करने की जरूरत है। भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

डीपीएल 2026: आउटर दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हराया, शिवम शर्मा बने जीत के नायक

हुए, जबकि अक्षय ने 32 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। अंत के ओवरों में शिवम शर्मा ने 5 गेंदों में नाबाद 13 और हर्ष त्यागी ने 6 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंकित राजेश कुमार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, कृष यादव सिर्फ 12 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश राणा ने कुछ अच्छे शां-ट्स लगाए और 17 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 35 रन बनाए। हालांकि,वह बढ़िया शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। जितेश

सिंह 12 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 13 रन ही बना सके। कप्तान आयुष दोसेजा ने अपनी शानदार फॉर्म को इस मुकाबले में भी जारी रखा और उन्होंने 33 गेंदों में 59 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान आयुष ने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। हितेन दलाल ने 17 रनों का योगदान दिया, जबकि मयंक गुप्तेन ने 6 रन बनाए। अंत के ओवरों में अजय राणा ने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रनों की अहम पारी खेलते हुए टीम को 20 ओवर में 178 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। गेंदबाजी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से शिवम शर्मा ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि नवदीप सैनी, हर्ष त्यागी और शौर्य मलिक ने दो-दो विकेट झटकें।

पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार कर्नाटक की सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच नियुक्त



हुए कर्नाटक को 2013/14 और 2014/15 सीजन में लगातार रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और इरानी कप जीतकर अभूतपूर्व ह्रडबल-ट्रैबलह्र हासिल करने में मदद की। कर्नाटक की टीम पिछले सीजन रणजी ट्रॉफी की उपविजेता रही थी। यह टीम 11 अक्टूबर को आंध्र के विरुद्ध अपने 2026/27 सीजन की शुरुआत करने के लिए

तैयार है। कर्नाटक और विदर्भ के पूर्व बल्लेबाज गणेश सतीश को अंडर-23 पुरुष टीम का कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व खिलाड़ी कुणाल कपूर अंडर-19 पुरुष टीम के कोच होंगे, और एसएन अमीत सीनियर महिला और अंडर-23 टीम के हेड कोच के तौर पर कार्यभार संभालेंगे।

लौटाया। बरार ने कहा कि बल्लेबाज कौन है, इससे एक गेंदबाज के तौर पर उनकी जिम्मेदारी नहीं बदलती। उन्होंने कहा,बतौर गेंदबाज आपमें हमेशा वह जोश होना चाहिए; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके सामने विराट कोहली बल्लेबाजी कर रहे हैं, या कोई युवा खिलाड़ी। बतौर गेंदबाज मेरी ड्यूटी है कि मैं उनका विकेट लूं या अपनी टीम के लिए अच्छा ओवर डालूं। यही मकसद होना चाहिए। बरार मानते हैं कि कोहली की गुर्रसैल छवि का गेंदबाज की सोच पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, किसी के गुस्से भरी नजरों से घूरने से गेंदबाज को परेशान नहीं होना चाहिए।बरार ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि ऐसे पलों में कोहली सीधे उन्हें ही घूर रहे होते हैं; उन्होंने इसके बजाय इस बात की ओर इशारा किया कि कैसे टीवी कैमरे मैदान पर होने वाली बातचीत और हरकतों को कैद करते हैं। बरार ने कहा, मैंने

उन्हें कभी मुझे घूरते हुए नहीं देखा। कैमरे के एंगल ऐसे होते हैं। जब हम मैदान पर होते हैं, तो ऐसा लगता है कि वे मुझे घूर रहे हैं, लेकिन असल में ऐसा नहीं होता। आप सिर्फ स्टंप माइक के आस-पास की बातचीत सुन सकते हैं। आप और कुछ नहीं सुन सकते, लेकिन घूरने की बात करें तो ऐसा नहीं है। बरार ने बताया कि कप्तानों और खिलाड़ियों की तरफ से तीखी प्रतिक्रियाएं प्रतिस्पर्धी क्रि-केट का आम हिस्सा हैं, हालांकि कोहली की बड़ी पहचान की वजह से उनके हाव-भाव पर अधिक ध्यान जाता है। उन्होंने कहा, हमारी टीम के कप्तान भी हमें घूरते हैं। उस पर कभी ध्यान नहीं दिया जाता, लेकिन अहम बात यह है कि वह कड़ी शख्सियत हैं। वह एक बेहतरीन इंसान हैं। अधिकतर समय कैमरा उन्हीं पर होता है। आप उनका आक्रामक अंदाज देख सकते हैं। उन्हें मुझे ही घूरने की जरूरत नहीं है; वह किसी और को भी घूर सकते हैं।



शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां करना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वाली ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां करना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं। कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बावजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दायरेमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और

शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं। अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं। सवाल पूछने दें - रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें। लक्ष्य तय करें - हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें। री-ट्रिखाएं - घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे

कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी। ऑनलाइन मदद - पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाने समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे - बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं। स्कूल वापसी - इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा। तकनीक सीखें - ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।



नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारायें खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टर की सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नींबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो तल है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं। बदलें खाना पकाने का तरीका

कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर ढेर-सबेर

नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है, उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।



सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रही। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मेट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अडैप्ट बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाइटाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने

पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना बोलने का अड्टयास करें।

काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृत्ति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृत्ति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिन हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-डटागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना डट्टी स्वाइटाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।



सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को

ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटिशियन डॉ. हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बी बनाने की योजना, प्योंगयांग ने दिखाई आंख सोल,

दक्षिण कोरिया ने हाल ही में ऐलान किया कि उसकी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाने की योजना है। इस पर पहली बार उत्तर कोरिया ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रथम उपमंत्री जोंग कुम-चोल ने कहा कि सोल का यह कदम परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में बढ़ता कदम है। उन्होंने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच पनडुब्बी सहयोग को कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिरता के लिए खतरा बताया। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि, यह उत्तर कोरिया की ओर से इस मुद्दे पर पहला आधिकारिक बयान है। प्योंगयांग की प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब वह जापान की परमाणु नीति और दक्षिण कोरिया-अमेरिका-जापान के बढ़ते सुरक्षा सहयोग की भी आलोचना कर रहा है। सोल और वाशिंगटन के इस सहयोग को उत्तर कोरिया अपनी सु-रक्षा के लिए चुनौती के रूप में देख रहा है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बुधवार को एक बयान जारी किया। बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने लिए ऐसी सैन्य क्षमता विकसित करने का दावा किया है जो मौजूदा और भविष्य के संभावित खतरों को निष्प्रभावी करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का मानना ​​है कि इस बयान में रूस और चीन के सुरक्षा दृष्टिकोण के साथ प्योंगयांग की बढ़ती समानता भी दिखाई देती है। वहीं, दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों का विकास बदलते सुरक्षा माहौल के जवाब में रक्षात्मक कदम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पार्क दू-सून ने कहा कि प्रस्तावित पनडुब्बियां परंपरागत हथियारों से लैस होंगी, परमाणु हथियारों से नहीं, और यह कार्यक्रम परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के अनुरूप है। सोल ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएनएफ़ी) के साथ पारदर्शी परामर्श जारी रखने की भी बात कही है। दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बी योजना अब केवल रक्षा आधुनिकीकरण का मुद्दा नहीं रह गई है। उत्तर कोरिया इसे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बदलाव और संभावित परमाणुकरण की दिशा में कदम मान रहा है। एक सूत्र के मुताबिक इससे कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया-रूस-चीन के बीच बढ़ते रणनीतिक तनाव का एक और आयाम सामने आया है।

कीर्तिवर्धन सिंह का कोट दआइवोर दौरा सफल, द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई गति: विदेश मंत्रालय नई दिल्ली,

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह की हालिया कोट दआइवोर यात्रा से पश्चिम अफ्रीकी देश के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है। यह यात्रा अफ्रीका के साथ भारत के व्यापक जुड़ाव का हिस्सा रही। कीर्तिवर्धन सिंह ने कोट दआइवोर सरकार के निर्मात्रण पर 6 से 8 अगस्त तक आबिदजान की आधिकारिक यात्रा की थी। उन्होंने पश्चिम अफ्रीकी देश के 66वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा ने भारत और कोट दआइवोर के बीच संबंधों को मजबूत करने का हूमहत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। समारोह के दौरान विदेश राज्य मंत्री और उनके साथ गए भारतीय सशस्त्र बलों के दल का स्वागत दोनों देशों के बीच मौजूद मित्रता और सद्भावना को दर्शाता है। सिंह ने राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लेने के साथ-साथ राष्ट्रीय दिवस परेड में शामिल भारतीय सशस्त्र बलों के मार्चिंग टुकड़ी की भागीदारी भी देखी। यात्रा के दौरान उन्होंने कोट दआइवोर की विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री नियाले काबा के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने राष्ट्रपति अलासाने ओत्तारा से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बातचीत में दोनों देशों के संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें आर्थिक और विकास साझेदारी, रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क प्रमुख रहे। दोनों पक्षों ने भारत-कोट दआइवोर बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू आबिदजान में भारतीय समुदाय के साथ विदेश राज्य मंत्री की मुलाकात भी रही। मंत्रालय के अनुसार, सिंह ने भारत और कोट दआइवोर के दोस्ताना संबंधों को मजबूत करने में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा, कल्याण और हितों को लेकर भारत सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता भी दोहराई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कीर्तिवर्धन सिंह की यात्रा ने भारत और कोट दआइवोर के बीच पहले से मजबूत होतें संबंधों को और विस्तार देने के लिए सकारात्मक आधार तैयार किया है।

ईरान संघर्ष के दौरान दक्षिण कोरियाई इंचियोन रहा दुनिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

सोल,

दक्षिण कोरिया की राजधानी का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट 2026 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या के मामले में दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बन गया है। इसकी एक बड़ी वजह मध्य पूर्व में जारी ईरान युद्ध के कारण ह-वाई यातायात का रूट बदलना है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, एयरपोर्ट ने जनवरी से जून 2026 के बीच 3.839 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभाला। इसके साथ ही इंचियोन ने लंबे समय से शीर्ष पर रहने वाले लंदन के हीथ्रो और सिंगापुर के चांगी को पीछे छोड़ दिया। हीथ्रो में 3.779 करोड़ और चांगी में 3.453 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का आवागमन हुआ। 2001 में शुरू हुए इंचियोन के इतिहास में यह पहली बार है जब उसने अंतरराष्ट्रीय यातायात की वैश्विक रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। 2002 में वह 10वें स्थान पर था, 2018 में पांचवें और 2024 और 2025 में तीसरे स्थान पर पहुंचा था। इंचियोन की इस छलांग में मध्य पूर्व का संकट महत्वपूर्ण कारक रहा। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण दुबई जैसे मध्य पूर्वी एयर हब की भूमिका कमजोर हुई और ट्रांजिट यात्रियों का एक हिस्सा पूर्वी एशिया के वैकल्पिक मार्गों की ओर मुड़ गया। इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट कॉरपोरेशन ने भी यातायात बढ़ने में इस बदलाव को एक कारण बताया है। इंचियोन का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात सालाना आधार पर 6.3 प्रतिशत बढ़ा। चीन और जापान से आने वाले यात्रियों में वृद्धि ने भी इसमें योगदान दिया। पहली छमाही में एयरपोर्ट के कुल यात्रियों में विदेशी नागरिकों की हिस्सेदारी 39.3 प्रतिशत रही, जबकि 2026 की दूसरी तिमाही में यह रिकॉर्ड 44.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। इंचियोन फिलहाल 101 एयरलाइनों के जरिए 183 शहरों से जुड़ा है, जिनमें 158 अंतरराष्ट्रीय यात्री गंतव्य हैं। 2024 के अंत में पूरा हुआ चार चरणों वाला विस्तार इसकी वार्षिक क्षमता को बढ़ाकर 10.6 करोड़ यात्रियों तक ले गया है।

फिलिस्तीन में स्वास्थ्य प्रणाली खत्म होने की कगार पर, गाजा में रोजाना हो रहे हमले : फिलीस्तीनी राजदूत

नई दिल्ली,

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शवेश ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस को सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि फिलिस्तीनियों के लिए भी बड़ा दिन बताया। राजदूत ने गाजा और वेस्ट बैक में बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि फिलिस्तीन की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त होने की कगार पर है और इजरायली हमलों में सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शवेश ने कहा, भारत का स्वतंत्रता दिवस एक बड़ा दिन है, न सिर्फ भारतीय लोगों के लिए बल्कि हम फिलिस्तीनियों के लिए भी। फिलिस्तीनी लोग बहुत पहले भारत के स्वतंत्रता संघर्ष से



प्रेरित थे। हम जवाहरलाल नेहरू, महान नेता महात्मा गांधी और बेस-क, महान शहीद भगत सिंह से प्रेरित थे। एक दिन हम भी भारत की तरह ही आजादी हासिल करेंगे। उन्होंने कहा,फिलिस्तीन में स्वास्थ्य

स्थिति बहुत खराब है। फिलिस्तीन में पूरी स्वास्थ्य प्रणाली खत्म होने की कगार पर है। हजारों सर्जरी टाल दी गई हैं और हमें सैकड़ों तरह की दवाओं और मेडिकल सप्लाई की भारी कमी का सामना करना पड़

मेक्सिको में गांधी-मंडेला पब्लिक लाइब्रेरी को भारतीय दूतावास ने भेंट की 15 पुस्तकें

मेक्सिको सिटी, भारतीय दूतावास ने गुरुवार को मेक्सिको की गांधी-मंडेला लाइब्रेरी को 15 किताबें भेंट की हैं। ये सभी किताबें महात्मा गांधी से संबंधित हैं। दूतावास ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए इसकी जानकारी दी।

एक्स पर साझा किए बयान के अनुसार, मेक्सिको के सैन लोरेंजो नेनामिकोयान स्थित गांधी-मंडेला पब्लिक लाइब्रेरी में महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर आधारित 15 पुस्तकें भेंट करने का मौका मिला। 8 अगस्त 2026 को पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। इसका ध्येय

गांधी और मंडेला के मूल्यों और विचारों को बढ़ावा देना है। एक अच्छी पहल है जिससे शांति, बराबरी और सामाजिक न्याय की उनकी साझा विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ेगी। इसमें आगे कहा गया कि मेक्सिको में नई पीढ़ियों तक गांधी के शांति और अहिंसा के संदेश को जिंदा रखने और उन्हें समझने में मदद करने के लिए यह एक छोटा सा योगदान है। गांधी-मंडेला पब्लिक लाइब्रेरी, गांधी मंडेला फाउंडेशन के एक इंटरनेशनल कम्युनिटी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य शांति, समानता, अहिंसा और सामाजिक न्याय के साझा विरासत और विचारों का प्रचार

करना है। स्थानीय स्तर पर कॉर्पोरेट सहयोग से इस पुस्तकालय के लिए बुक रैक और शेविंग सिस्टम उपलब्ध कराए गए हैं। गांधी मंडेला फाउंडेशन और उसकी अकादमी से जुड़े सदस्यों, क्षेत्रीय उपाध्यक्षों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने 29 जुलाई 2026 को आयोजित वैश्विक वचुंअल बैठक में शिक्षा, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, जलवायु कार्रवाई और जमीनी स्तर की सामाजिक पहलों को लेकर व्यापक चर्चा की थी। बैठक में अलग-अलग देशों में चल रहे प्रभावकारी प्रोजेक्ट्स की समीक्षा के साथ-साथ नई साझेदारियों और मानवीय सहायता से जुड़ी

योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसी दौरान पुस्तकालय को लेकर भी अहम विमर्श हुआ था। फाउंडेशन का मानना ​​है कि यह पहल स्थानीय समुदाय में पढ़ने की संस्कृति और ज्ञान तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है। महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला विश्व इतिहास के महान स्तंभ माने जाते हैं। दोनों ने अपने देशों में नस्लीय भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। गांधी को भारत का और मंडेला को दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपिता माना जाता है। दोनों ने अहिंसा और सत्याग्रह की शक्ति से पूरी दुनिया को प्रभावित किया।

अमेरकी खुफिया जानकारी को अराघची ने बताया फर्जी, बोले-पहले गलती की तो शुरू हुआ युद्ध

नई दिल्ली,

ईरान के वदिश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक बार फिर अमेरिका प्रशासन पर निशाना साधते हुए अमेरिका की खुफिया जानकारी पर सवाल खड़े किए। मौजूदा हालातों के लिए अराघची ने अमेरिका की खुफिया जानकारी की गलतियों को ज़िम्मेदार ठहराया।अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिका लंबे समय से खुफिया जानकारी से जुड़ी गलतियों के कारण गलत आकलन करता रहा है। इसका एक उदाहरण ईरान के खिलाफ युद्ध है। अब होर्मुज स्ट्रेट को लेकर उससे भी बड़ी गलत गणना की जा रही है। फर्जी खबरों से भी ज्यादा खतरनाक चीज फर्जी खुफिया जानकारी होती है। सावधान रहें। अल्ललाह महान है, और धरती की किसी भी ताकत से बड़ा है। हमें अल्ललाह पर भरोसा है। कहा जा सकता है किअराघची



ने यह बात होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका के नयंत्रण वाले दावे को लेकर कही है। अमेरिका लगातार होर्मुज स्ट्रेट में में अपने दावे की बात कर रहा है, जबकिईरान हर बार उसके इस दावे को नकार देता है। बुधवार को भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका के लिए कुछ नहीं कर सकता। पूरा नियंत्रण का दावा किया। अमेरि-रकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी पक-

ड़ बनाए रखना चाहता है। ट्रंप ने टूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। मुझे लगता है कि हम इसे बनाए रखेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नौसैनिक घेराबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान इसे चुनौती देने के लिए कुछ नहीं कर सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक, हर कोई हमारी नौसैनिक घेराबंदी को स्टील की दीवार कह रहा है और ईरान इसके बारे में कुछ

नहीं कर सकता। इससे पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और बड़े स्तर तक बढ़ाने की संभावना अभी भी मौजूद है। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला हुआ है, लेकिन उनका दावा था कि इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर अमेरिकी नौसेना का नियंत्रण है। उन्होंने कहा कइस समय होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण रखने वाला एकमात्र पक्ष अमेरिकी नौसेना है। हमारी नाकाबंदी पूरी तरह प्रभावी रही है।

यह एक मजबूत स्टील की दीवार की तरह है। हम उन्हीं लोगों को अंदर आने देते हैं जिन्हें हम आने देना चाहते हैं, और वही लोग अंदर आते हैं और बाहर जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी जा रही है, लेकिन उन्हें ईरान जाने की इजाजत नहीं है।

पीएम मोदी ने भारत की विदेश नीति में राष्ट्रीय हित पर जोर दिया : स्कॉट मॉरिसन

कैनबरा,

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पीएम स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि वह भारत की विदेश नीति में मजबूत राष्ट्रीय हित और एक व्यवहारिक नजरिया लेकर आए हैं। उन्होंने पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ाने में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की अहम भूमिका की भी सराहना की। इटालियन-भारतीय उद्यमी और विशेषक वास शेनॉय के साथ एक साक्षात्कार के दौरान मॉरिसन ने भारत की विदेश नीति के सफर पर विचार साझा किए। यह बातचीत ऐसे समय हुई है, जब नई दिल्ली शनिवार को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर संभावनाओं को साकार करने पर तेजी से ध्यान



तकनीक हो या अंतरिक्ष, आगे बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। मुझे लगता है कि अगले 20-30 सालों में जब भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था परिपक्व होगी, तो भारत एक अंति-रक्ष महाशक्ति बनकर उभरेगा। मॉरिसन ने जोर देकर कहा कि

भारत की सक्रिय भागीदारी क्वाड के महत्व के लिए केंद्र बनी हुई है। उन्होंने इस समूह की सफलता के लिए नई दिल्ली की भागीदारी को जरूरी फैक्टर बताया। उन्होंने पूरे हिंद-प्रशांत में समुद्री सुरक्षा पर बढ़ते जोर का भी जिक्र किया और कहा

कि क्वाड के एजेंडा में हिंद-प्रशांत में हिंद को ज्यादा अहमियत देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समूह के सुरक्षा पहलू पर अमेरिकी सरकार के तहत नए सिर से ध्यान दिया गया और विदेश मंत्रियों ने लगातार बढ़ोतरी की है। इंडो-मे-

ने दो दिन पहले अपनी ब्रीफिंग में क्या चेतावनी दी थी, तो अब्दुल्ला अबू शवेश ने कहा, उन्होंने एक बहुत जरूरी मुद्दे का जिक्र किया। वह इस बारे में बात कर सकते हैं कि फिलिस्तीन में क्या हुआ और क्या हो सकता है, खासकर वेस्ट बैक में क्या हो रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत को बदलने के लिए, राजनीतिक कार्रवाई की जरूरत है। जब पूछा गया कि 2026 में अब तक कितने फिलिस्तीनी इजरायली सेना या बसने वालों ने मारे हैं, तो उन्होंने कहा, सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे गए हैं, चाहे गाजा में हो या वेस्ट बैक में। यह एक से ज्यादा आंकड़े हैं, लेकिन मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि सैकड़ों फिलिस्तीनी यहूदी और इजरायली सेना के हाथों मारे गए हैं। राजदूत ने कहा, मैं

आपको यकीन दिला सकता हूं कि फिलिस्तीन में जो हुआ है, उसे पूरी तरह से कवर करने में हमें दस से भी ज्यादा घंटे लगेंगे। लेकिन, लंबी कहानी को छोटा करते हुए, भले ही गाजा में सीजफायर होना चाहिए, लेकिन हालात बहुत मुश्किल बने हुए हैं। वेस्ट बैक में, फिलिस्तीनी लोग हर दिन यहूदियों के दर्जनों हमले झेल रहे हैं। जब हम आतंकी हमला कहते हैं, तो यह वही शब्द है जिसका इस्तेमाल इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने भी किया है। इसलिए, वेस्ट बैक में भी, जहां कोई हमास नहीं है और कोई जंग नहीं है, हम कट्टरपंथी यहूदियों और इजरायली सेना के हाथों रोजाना हमले का सामना कर रहे हैं। गाजा पट्टी में, कोई असली सीजफायर नहीं है। कई बच्चे मारे गए हैं।

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 10 मछुआरों को किया गिरफ्तार, नाव भी जळ



रामेश्वरम,

तमिलनाडु के दस मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने कच्चाथीवू के पास गिरफ्तार कर लिया। रामेश्वरम और अन्य जिलों के रहने वाले इन मछुआरों पर समुद्री सीमा पार कर श्रीलंकाई इलाके में मछली पकड़ने का आरोप है।तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग ने बताया कि, बुधवार सुबह जरूरी टोकन लेने के बाद 297 मैकेनाइज्ड ट्रॉलर (गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाली नाव) रामेश्वरम फिशिंग जेट्टी से समुद्र में उतरे थे। देर रात, थंगाचिमदम के राजन नगर के रहने वाले वेलिंगटन की एक मैकेनाइज्ड नाव को श्रीलंकाई नेवी की सर्विलांस टीम ने कच्चाथीवू के पास रोक लिया।शुरुआती जांच के बाद, नाव और उर-विके 10 सदस्यों को कस्टडी में ले लिया। मछुआरों में 45 साल के जनथन; 38 साल के एंटनी पिचाई; 43 साल के प्रभु; 55 साल के डॉन बॉस्को; 31 साल के अरोकिया डैविन; 51 साल के वेलुचामी; 52 साल के सुब्बैया; 25 साल के अरोकिया जेनिस्तन; और 30 साल के स्टीविन शामिल थे। दसवें मछुआरे की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई।वे रामेश्वरम, पंबन, विरुधुनगर और थंगाचिमदम के रहने वाले हैं।

मत्स्य पालन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मछुआरों को पूछताछ के लिए तलाईमन्नार बंदरगाह ले जाया गया। उम्मीद है कि उन्हें गुरुवार को बाद में श्रीलंका की एक कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जब किए गए ट्रॉलर के बारे में और जानकारी का इंतजार है। इस गिरफ्तारी से रामनाथपुरम जिले में मछली पकड़ने वाला समुदाय गुस्से में है। मछुआरों ने बताया कि यह घटना नौ मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के ठीक पांच दिन बाद हुई, जब उनके ट्रॉलर में कथित तौर पर नेटुनथीवु के पास कोई तकनीकी समस्या आ गई थी। उस गिरफ्तारी के विरोध में, रामेश्वरम के मछुआरे एक दिन के लिए समुद्र से दूर रहे। मछुआरों के प्रतिनिधियों ने कहा कि बार-बार गिरफ्तारी और नावों को जब्त किए जाने से उनकी रोजी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ा है, जिससे उनके परिवार पैसे और भावनात्मक रूप से टूट गए हैं। मछुआरों के नेता जेसु राजा ने केंद्र और तमिलनाडु सरकारों पर बार-बार होने वाले समुद्री विवाद का कोई पक्का हल निकालने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मछली पकड़ने वाले समुदाय ने बार-बार असरदार कूटनीतिक दखल की अपील की थी, लेकिन पाक खाड़ी में जाने पर उन्हें गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं, और कहा कि उनके दोस कदम न उठाने की वजह से मछुआ-रों के परिवारों को मुश्किल और मानसिक परेशानी हुई है। मछुआरा समुदाय ने अधिकारियों से अपील की कि वे गिरफ्तार किए गए लोगों और उनके ट्रॉलर की तुरंत रिहाई सुनिश्चित करें और ऐसे घटनाओं को रोकने के लिए श्रीलंका के साथ बातचीत शुरू करें।

संक्षिप्त खबरें

जेपीएससी के पूर्व

अध्यक्ष एल

खियांग्ते ने लगाई

जमानत की गुहार

रांची। जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल खियांग्ते ने जमानत के लिए गुहार लगाई है। उनके वकील ने सीआईडी की विशेष अदालत में गुरुवार को जमानत याचिका दाखिल की है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल खियांग्ते को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद से वह न्यायिक हिरासत में हैं। इस केस में अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में एल खियांग्ते पर परीक्षा से जुड़ी एजेंसियों से कथित तौर पर कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है।

युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित लाइब्रेरी के पास गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस युवक की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगा रही है। स्थानीय लोगों ने गुरुवार की सुबह युवक को लाइब्रेरी के पास बेसुध अवस्था में देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने में जुटी है। साथ ही मौत के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

होटल रमाडा बाय

विंडहेम रांची में

रक्तदान शिविर आज

रांची। बरियातु रोड स्थित होटल रमाडा बाय विंडहेम रांची की ओर से भारत विकास परिषद, युवा मंच, लेडीज सर्कल इंडिया और राउंड टेबल इंडिया के सहयोग से शुक्रवार, 14 अगस्त 2026 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक रमाडा बाय विंडहेम रांची में आयोजित होगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करना और जरूरतमंद मरीजों की मदद के लिए रक्त उपलब्ध कराने में योगदान देना है। शिविर में होटल के कर्मचारी, सहयोगी संस्थाओं के सदस्य, होटल के अतिथि, शुभचिंतक और स्थानीय लोग भाग लेंगे। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमाण पत्र और जलपान के साथ बाइक हेलमेट/वॉटर कुलर भी सम्मान स्वरूप प्रदान किया जाएगा। होटल के प्रबंधक ने कहा कि रक्तदान समाज के प्रति योगदान देने का सबसे सरल और प्रभावशाली माध्यम है। इस पहल के जरिए हम अधिक से अधिक लोगों को आगे आने, रक्तदान करने और किसी की मुश्किल, स्वस्थ होने और बेहतर कल की वजह बनने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। होटल प्रबंधन ने शहरवासियों से इस सामाजिक पहल में बढ़-चढ़कर भाग लेने और रक्तदान कर एक स्वस्थ एवं संवेदनशील समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की है।

विज्ञान

डीपीएस रांची : मना तृतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

अंतरिक्ष में उड़ान भरने को तैयार झारखंड के नन्हें वैज्ञानिक

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। अंतरिक्ष के अनंत रहस्यों को जानने और आधुनिक तकनीक की बारीकियों को समझने की जिज्ञासा अब झारखंड के नन्हें वैज्ञानिकों के सपनों को नई उड़ान दे रही है। किताबों और कक्षाओं से आगे बढ़कर अंतरिक्ष विज्ञान अब विद्यार्थियों के बीच जीवंत अनुभव के रूप में पहुंच रहा है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (23 अगस्त) के आधिकारिक समारोह से पूर्व डीपीएस रांची ने इसरो, कोलकाता के सहयोग से विशेष स्पेस इवेंट का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक अनुसंधान और आधुनिक अंतरिक्ष की संभावनाओं से परिचित होने का अवसर मिला। ऐसे

आयोजन विद्यार्थियों के भीतर वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान को एक संभावनाशील करियर के रूप में देखने के लिए प्रेरित करते हैं। यह पहल देश के वैज्ञानिक भविष्य को आकार देने वाली नई पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। डीपीएस रांची का यह आयोजन झारखंड के नन्हें वैज्ञानिकों के लिए सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आसमान से आगे सपने देखने और उन्हें विज्ञान के बल पर साकार करने की प्रेरणा बनकर सामने आया। इस पहल ने विद्यार्थियों के मन में अंतरिक्ष अनुसंधान की नई अलख जगाते हुए उनके सपनों को अंतरिक्ष की ऊंचाइयों तक पहुंचाने



का मार्ग प्रशस्त किया। सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के डायरेक्टर जनरल, प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने राष्ट्र निर्माण में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की

परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को जिज्ञासा, नवाचार एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अधिकारियों की राय

इसके पश्चात डॉ. अरिंदम गुहा ने इसरो की चंद्र यात्रा विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को भारत की उल्लेखनीय चंद्र अन्वेषण यात्रा से परिचित कराया तथा चंद्रयान अभियानों के माध्यम से प्राप्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कोट्टी वेंकट सुधाकर ने उपग्रह आंकड़ा अधिग्रहण विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने समझाया कि उपग्रह प्रणालियां अंतरिक्ष से महत्वपूर्ण सूचनाएं किस प्रकार एकत्र करती हैं तथा इन आंकड़ों को किस प्रकार प्राप्त, संसाधित एवं वैज्ञानिक एवं विकासात्मक कार्यों में उपयोग किया जाता है। डॉ. तनुमी कुमार ने इसरो

की जनसंपर्क पहल एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में करियर के अवसर विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्ध विविध अवसरों से परिचित कराया तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी एवं गणित में मजबूत आधार विकसित करने के महत्व पर बल दिया।

ये रहे शामिल

संवादात्मक सत्र में इसरो के अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं अधिकारियों ने सहभागिता की, रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट के डिप्टी जनरल मैनेजर डॉ. अरिंदम गुहा, रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट की हेड एप्लोकेशन, डॉ. तनुमी कुमार, रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट सोनियर साइंटिस्ट डॉ. प्रवीर कुमार दास, एनआरएससी के सॉफ्टवेयर सिस्टम्स क्वालिटी एश्योरेंस

एक नजर

झारखंड के मझगांव में सबसे अधिक 183 मिमी बारिश दर्ज



रांची। राजधानी रांची सहित राज्य भर में इन दिनों अच्छी बारिश दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव में 183.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। यह जानकारी गुरुवार को मौसम विभाग ने दी। विभाग के अनुसार इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 35.6 डिग्री बोकारो में और सबसे कम न्यूनतम तापमान पश्चिमी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 22.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इधर, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आंशिक बादल छाए रहे। दोपहर बाद रांची के कुछ इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने 17 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना व्यक्त की है। विभाग की ओर से इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना जताई गई है। साथ ही 14 अगस्त को राज्य के ०6 जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की जानकारी दी गई है। विभाग ने जिन ०6 जिलों में भारी बारिश होने का अनुभव अनुमान व्यक्त किया है उनमें सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, लातेहार शामिल हैं। वहीं, गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 35.2 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री, डोलनगंज में अधिकतम 34.4 और न्यूनतम 25.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 34.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

अमेजन मेगा डील डेज आपके कार्ट पर दोबारा बचत करने का एक और मौका लेकर आया

रांची। अमेजन.इन ने मेगा डील डेज की घोषणा की है, जो ग्राहकों के लिए स्मार्टफोन, उपभोग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े घरेलूउपकरणों, होम एंटरटेनमेंट, घर, रसोई, खेल, फिटनेस, रोजमर्रा की जरूरतोंऔर अन्य श्रेणियों में उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर शानदार डीलस औरबचत लेकर आया है। ग्राहक वनप्लस, बोट, वोल्टास, सैमसंग, एक्वागार्ड, हिमालया समेत अन्य प्रमुख ब्रांडों पर सीमित समय के लिए उपलब्ध डीलसका लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक, इंडसइंड बैंक और एक्सिस बैंक के कार्ड से किए गए लेनदेन पर 10% कीतकाल छूट और चुनिंदा क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड पर बिना ब्याज की समानमासिक किस्तों का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहम सदस्य दो लाख से अधिकउत्पादों पर अतिरिक्त 5% की छूट के साथ और अधिक बचत कर सकते हैं। ग्राहक अमेजन नाउ पर कुछ ही मिनटों में डिलीवरी के साथ डीलस का लाभ उठा सकते हैं। अमेजन नाउ कई शहरों में रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़े दसियों हजार उत्पाद उपलब्ध कराता है।

झारखंड के छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन



रांची। झारखंड के छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा सांसदों ने गुरुवार को संसद भवन परिसर स्थित मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद आदित्य साहू के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में सांसदों ने छात्रों के साथ कथित अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। भाजपा ने कहा कि छात्रों की न्याय की लड़ाई अब राज्य की सीमाओं तक सीमित नहीं है और पार्टी उनकी आवाज संसद तक पहुंचा रही है। इस दौरान साहू ने कहा कि झारखंड में पिछले 20 दिनों से छात्र आंदोलनरत हैं। यहाँ कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही है और सात सालों से कांग्रेस, झामुमो द्वारा नौकरियों को बेचा जा रहा है। राहुल गांधी में थोड़ी भी नैतिकता है तो उन्हें दिल्ली से ट्वीट-ट्वीट खेलने की बजाय झारखंड आकर छात्रों-युवाओं से बात करनी चाहिए। साथ ही सीएम हेमंत सोरेन सरकार से उन्हें दो टुक बात करनी चाहिए कि छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को सरकार अखिलंब पूरी करे। अगर सरकार उनकी बात नहीं मानती है तो सरकार से समर्थन वापस लेकर उन्हें छात्रों के साथ अनशन पर बैठना चाहिए। साहू ने कहा कि कांग्रेस और झामुमो झारखंड के युवाओं के हक अधिकार को छीनने का काम कर रही है। जबकि भाजपा छात्रों के अधिकार, रोजगार और न्याय की लड़ाई में मजबूती से उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस से सवाल है कि झारखंड के छात्रों पर लाटियां बरसीं, फिर भी आपको चुपपी आँखिर किन्कके पक्ष में है? दिल्ली और झारखंड के छात्रों के साथ आपका दोहरा रवैया क्यों? उन्होंने कहा कि बंदर को सभी बंदर ही नजर आते हैं। यही हाल कांग्रेस पार्टी के नेताओं का है। प्रदर्शन के दौरान भाजपा सांसदों ने राहुल गांधी और हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने छात्रों पर कथित लाठीचार्ज के लिए राज्य सरकार से माफी मांगने और इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में आदित्य साहू के अलावा सांसद निशिकांत दुबे, विद्युत वर्ण महतो, डॉ. प्रदीप वर्मा, बीडी राम, दुर्लुप महतो और मनीष जायसवाल सहित अन्य भाजपा सांसद उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष अभियान, विद्यार्थियों की आकांक्षाओं से होगी निर्धारित: डॉ. जया चौहान

डीपीएस रांची की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा कि यह दिवस अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता दृढ़ संकल्प, नवाचार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं सामूहिक प्रयास का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु बने रहने, प्रश्न पूछने तथा पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से आगे जाकर सोचने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों की दिशा आज के युवा विद्यार्थियों की आकांक्षाओं एवं नवाचारों से निर्धारित होगी।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची प्रथम

कार्यक्रम में दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची, गुरु नानक हाइयर सेकेंडरी स्कूल, रांची तथा विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची के लगभग 300 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। समारोह में संवादात्मक सत्र, अंतरिक्ष प्रदर्शनी तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह आयोजन 23 अगस्त 2023 को चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने की भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल रांची ने प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची ने तृतीय स्थान हासिल किया।

डिवीजन (एसएसक्यूएडी) के शामिल रहे। रांची ने प्रथम स्थान एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विवेकानंद तथा रिमोट सेंसिंग सेंटर ईस्ट के विद्या मंदिर, रांची ने तृतीय स्थान हासिल किया।

निर्देश दिया कि डिवाइडर पर लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों पर सड़क की सतह से कम ऊंचाई पर लगाए गए सभी विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड हटाए जाएं।

अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि सड़क के डिवाइडर पर लगे बिजली के खंभों पर कोई विज्ञापन बोर्ड लगाया जाता है, तो उसका कोई भी हिस्सा सड़क की सतह से 12 फीट से कम ऊंचाई पर नहीं होना चाहिए।

सुनवाई के दौरान विज्ञापन एजेंसियों की ओर से कहा गया कि सभी होर्डिंग, मोनोपोल और यूनिपोल को हटाने का निर्देश दिया गया है। एजेंसियों का कहना था कि निगम को कम से कम यह बताना चाहिए

कि कौन-कौन से होर्डिंग खतरा पैदा कर रहे हैं, क्योंकि सभी होर्डिंग को खतरे की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता।

वहीं, रांची नगर निगम की ओर से कहा गया कि मोनोपोल, यूनिपोल, विज्ञापन होर्डिंग, बिलबोर्ड और प्लेकार्ड आदि वाहन चालकों का ध्यान भटकते हैं। इससे दुर्घटना, चोट और जान जाने जैसी घटनाओं का खतरा रहता है।

अदालत ने कहा कि सड़क के बीच बिजली के खंभों पर कम ऊंचाई पर विज्ञापन बोर्ड लगाना निश्चित रूप से यात्रियों के लिए खतरा है। ऐसे बोर्ड ब्लाइंड स्पॉट भी पैदा करते हैं, जिससे सड़क पर दुर्घटना की आशंका बढ़ सकती है।

मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का फुल ड्रेस रिहर्सल, ड्रोन पर रोक

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां



को निभाए। एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया और कहा कि समारोह में आने वाले सभी लोगों की सभन जांच की जाएगी। किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक सामग्री के साथ कार्यक्रम स्थल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। प्रशासन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अधिकारियों ने पेरंड की सलामी ली। समारोह में सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ, ऑडिशा पुलिस, झारखंड जगुआर, जैप-1, जैप-2, जैप-10, रांची जिला पुलिस,

परिस्थितियों में ही वापस लिया जा सकता है, जैसे प्रमाणपत्र धोखाधड़ी से प्राप्त किया गया हो, जिस आधार पर प्रमाणपत्र जारी हुआ था वह आधार ही समाप्त हो गया हो या इसी प्रकृति का कोई अन्य गंभीर कारण हो। मौजूदा मामले में ऐसा कोई आधार नहीं पाया गया। 19 जनवरी 2018 के एसेंसियलिटी सर्टिफिकेट को रद्द करने का राज्य सरकार का आदेश टिकाऊ नहीं है। इसी तरह कॉलेज के सभी पाठ्यक्रमों में 2026-27 के दाखिले पर रोक लगाने की नेशनल डेंटल कमीशन की कार्रवाई भी गलत है।

हालांकि कोर्ट ने 68 छात्रों के दाखिले की वैधता पर अदालत ने कोई अंतिम घोषणा नहीं की और इस मुद्दे को नेशनल डेंटल कमीशन की स्वतंत्र जांच के लिए छोड़ दिया।

बीआईटी मेसरा : साझेदारी के माध्यम से अपने ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। देश को गैस-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा, रांची ने अपने परिसर में पाइपड नेचुरल गैस (PNG) नेटवर्क के विकास के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर समारोह में बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के कुलपति प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना; कुलसचिव डॉ. राजेश जैन; संस्थान के डीन; और गेल (इंडिया) लिमिटेड की ओर से मुख्य महाप्रबंधक , पंचानन हलदर तथा महाप्रबंधक निखिल कुमार के साथ गेल के अन्य अधिकारी और संस्थान प्रशासन के सदस्य उपस्थित थे। बीआईटी, मेसरा के सम्मेलन कक्ष में आज औपचारिक रूप से समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस



सहयोग का उद्देश्य आवासीय क्वार्टरों, हॉस्टलों, गैस सुविधाओं और कैटीनों को कवर करते हुए पूरे परिसर में स्वच्छ और कुशल ऊर्जा की आपूर्ति के लिए PNG बुनियादी ढांचा स्थापित करना है। प्राकृतिक गैस सुरक्षित, किफायती, सुविधाजनक, पर्यावरण के अनुकूल और आसानी से संभालने योग्य ईंधन होने के कारण पारंपरिक ईंधन स्रोतों की तुलना में कई फायदे प्रदान करती है। यह कदम परिसर में स्थिरता और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के

अनुसार, गेल (इंडिया) लिमिटेड परिसर में घरेलू और वाणिज्यिक दोनों उपभोक्ताओं के लिए निगंध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने हेतु पाइपलाइन बिछाने का कार्य करेगी। बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा के कुलसचिव डॉ. राजेश जैन ने कहा की सात दशकों से अधिक समय से, बीआईटी, मेसरा ने उच्च गुणवत्ता वाले लिए अपने शैक्षणिक और आवासीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करना जारी रखा है। गेल (इंडिया) लिमिटेड के साथ संस्थान की साझेदारी उस निरंतर

प्रतिबद्धता को दर्शाती है और स्वच्छ ऊर्जा समाधान, स्थिरता, परिचालन दक्षता और हमारे छात्रों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के कल्याण पर हमारे ध्यान को और मजबूत करती है। यह साझेदारी आधुनिक उपयोगिता प्रणालियों को टिकाऊ परिसर विकास के साथ एकीकृत करने के बीआईटी मेसरा के चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन तथा पर्यावरण के प्रति जागरूक बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है।

संक्षिप्त खबरें

कोयला व्यापारी एलबी सिंह की पत्नी सहित पांच को ईडी का समन

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला घोटाले की जांच के दौरान एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह सहित पांच लोगों को समन जारी किया है। ईडी ने जिन पांच लोगों के खिलाफ समन जारी किया है, उसमें एलबी सिंह के तीन रिश्तेदार और अनिल गोयल से जुड़े दो लोग शामिल हैं। ईडी ने समन जारी कर एलबी सिंह की पत्नी आरती सिंह, भाई विश्वविजय सिंह और साले रंजीत कुमार सिंह को समन जारी किया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को समन जारी किया गया है। एलबी सिंह की पत्नी को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में 20 अगस्त को बुलाया गया है। विश्वविजय सिंह के 14 अगस्त और रंजीत कुमार सिंह को 17 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। अनिल गोयल से जुड़े शब्बीर आलम और महेंद्र सिंह को भी अगले सप्ताह हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि ईडी ने 28 जुलाई को धनबाद के कोयला व्यापारियों के खिलाफ दूसरे दौर की छापेमारी की थी। इसके दायरे में चर्चित कोयला व्यापारी एलबी सिंह और अनिल गोयल से जुड़े लोगों को शामिल किया गया था। छापेमारी के दौरान एलबी सिंह से जुड़े 160 करोड़ रुपये के निवेश को फ्रीज कर दिया गया था। इसके अलावा विभिन्न ठिकानों से 200 से अधिक सेल डीड जब््त किये गये थे। छापेमारी में मिले सेल डीड की जांच जारी है।

युवा कांग्रेस ने शुरू किया एक सप्ताह का रक्तदान महाअभियान



खूंटी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस, खूंटी जिला इकाई ने जनसेवा की पहल करते हुए सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में गुरुवार को एक सप्ताह के रक्तदान महाअभियान की शुरुआत की। अभियान के पहले दिन युवाओं और स्थानीय लोगों के उत्साह से 20 यूनिट रक्त संग्रह कर ब्लड बैंक को सौंपा गया। रक्त की कमी के कारण मरीजों को होने वाली परेशानियों को देखते हुए जिला उपाध्यक्ष सुमित पाठक और शारोन सुरिन के संयुक्त नेतृत्व में अभियान शुरू किया गया। खूंटी प्रखंड अध्यक्ष यश राजनाथ शाहदेव ने भी आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। रक्तदान शिविर में सिविल सर्जन डॉ ललित रंजन पाठक, सदर अस्पताल के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट डॉ आनंद उरांव और काउंसिलर निशांत झा उपस्थित थे। अधिकारियों ने युवा कांग्रेस के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों, गर्भवती महिलाओं और आपात स्थिति में भर्ती मरीजों को काफी राहत मिलेगी। युवा कांग्रेस ने अभियान के दौरान 100 यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा है। सुमित पाठक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। वहीं शारोन सुरिन ने युवाओं और आम नागरिकों से रक्तदान अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। अभियान आगामी सात दिनों तक सदर अस्पताल के ब्लड बैंक में जारी रहेगा। युवा कांग्रेस ने जिलेवासियों से इस मानवीय पहल में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

नगड़ी में भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा

भारत माता के जयघोष से गूंजा नगड़ी प्रखंड मुख्यालय

नवप्रदेश संवाददाता

पिस्का नगड़ी। भाजपा नगड़ी मंडल के तत्वावधान में नारो बाजार से प्रखंड मुख्यालय तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संत जे.जी. पब्लिक स्कूल, लोहिया पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं आसपास के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं देशभक्ति के नारों का उद्घोष करते हुए आगे बढ़े। नारो बाजार से शुरू हुई तिरंगा यात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नगड़ी प्रखंड मुख्यालय पहुँची, जहाँ यात्रा सभा में तब्दील हो गई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने देश की



एकता, अखंडता एवं राष्ट्रहित के लिए समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और गौरव

का प्रतीक है। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों एवं देश की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों को याद करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा समाज में एकता

और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश नेता एवं पलामू जिला प्रभारी शशि भूषण भगत, प्रवासी प्रभारी पशुपतिनाथ

शाहदेव, मंडल प्रभारी मुकेश भगत, रांची जिला पश्चिमी महामंत्री सुधाकर चौबे, जिला उपाध्यक्ष विंध्याचल महतो, केदार महतो, चूड़ामणि महतो, अखिलेश केसरी, हेमंत केसरी, जयकिशन महतो, विकास उरांव, राजपाल सोनी, नंदकिशोर महतो, अजय नायक, शिवा महतो, रामजीवन साहू, सन्नी टोण्डो, मनीष केशरी, गिरधारी यादव, मुकेश महतो, ओमप्रकाश महतो एवं विनोद केशरी सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का नेतृत्व नगड़ी मंडल अध्यक्ष रितेश राज ने किया, जबकि संचालन अखिलेश केसरी ने किया। तिरंगा यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम को भव्य एवं प्रभावशाली बना दिया।

राहे में निकली भाजपा की भव्य तिरंगा यात्रा



राहे। गुरुवार को भाजपा मंडल राहे एवं सर्वोदय स्कूल राहे के संयुक्त तत्वावधान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारे लगाए और लोगों में राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। स्कूल से निकल कर बैंक चौक, सुभाष चौक, भगत सिंह चौक होते हुए स्कूल तक आई। तिरंगा यात्रा में भाजपा के रांची जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, मंडल अध्यक्ष मेघनाथ

महतो, मनोज महतो, गंगाधर साव सहित सर्वोदय स्कूल के निदेशक सुनील महतो, प्राचार्य ज्ञान महतो, संजय शेखर समेत अन्य लोग मौजूद रहे। यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से राहे का वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अनुशासन के साथ तिरंगा लेकर यात्रा में हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान लोगों ने भी उत्साह के साथ विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

सोनाहाटू में भाजपा मंडल व एसएस प्लस टू हाई स्कूल के छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा



सोनाहाटू। भाजपा सोनाहाटू मंडल एवं एसएस प्लस टू हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं के संयुक्त तत्वावधान में सोनाहाटू मुख्य मार्ग में तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा में हाथों में तिरंगा लेकर छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति के नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर कोईरी, मंडल अध्यक्ष खगेश कुमार महतो, मंडल महामंत्री शंकर भगत, उपेंद्रनाथ चौधरी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक दीपक कुमार महतो, शिक्षक नरेश चंद्र महतो, जयप्रकाश महतो, नीलिमा टोण्डो सहित शिक्षक, कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

एक नजर

आरपीएफ ने पांच सांप के साथ दो तस्कर को किया गिरफ्तार



रांची। वन्य जीवों की अवैध तस्करी और उनके शोषण के खिलाफ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन वाइलेप के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर बड़ी कार्रवाई की गई है। आरपीएफ की रांची पोस्ट की टीम ने नियमित जांच के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को पांच सांपों के साथ पकड़ा है। बरामद सांपों में दो लाल रेत बीआ (दोमुंहा सांप) और तीन चरमाधारी नाग शामिल हैं। रेल पुलिस की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 13 अगस्त को रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 पर आरपीएफ के पदाधिकारी और जवान नियमित जांच अभियान चला रहे थे। इसी दौरान टीम की नजर दो संदिग्ध व्यक्तियों पर पड़ी। संदेह के आधार पर दोनों को रोक कर पूछताछ की गई और उनके सामान की तलाशी ली गई। पूछताछ में दोनों की पहचान आनंद नाथ और अर्जुन के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दोनों के पास मौजूद बांस की टोंकरियों की जांच की गई। टोंकरियों के अंदर जीवित सांप मिलने से आरपीएफ के जवानों के होश उड़ गए। जांच में कुल पांच सांप बरामद किए गए। इनमें दो लाल रेत बीआ, जिन्हें आम बोलचाल में दोमुंहा सांप कहा जाता है और तीन चरमाधारी नाग शामिल थे। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने बताया कि इन सांपों को जंगल से पकड़ कर लाया गया था। कथित तौर पर इनका इस्तेमाल सार्वजनिक प्रदर्शन कर पैसे कमाने के लिए किया जाना था। वन्यजीवों को इस तरह पकड़ना, उनका परिवहन करना और प्रदर्शन के लिए इस्तेमाल करना कानूनन गंभीर मामला है। आरपीएफ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए बरामद सांपों को सुरक्षित रखा और दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद हिरासत में लिए गए दोनों व्यक्तियों, पांचों सांपों और संबंधित दस्तावेजों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए वन परिक्षेत्र पदाधिकारी रांची के सुपुर्द कर दिया गया है।

सोनाहाटू में स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच 337 साइकिल का वितरण किया गया



सोनाहाटू। प्रखंड के कार्यालय परिसर में सादे समारोह में स्कूली बच्चों के बीच उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया। प्रखंड के विभिन्न स्कूलों के 377 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किये। साइकिल वितरण प्रमुख विक्टोरिया देवी ने किया। मौके पर कल्याण पदाधिकारी कृष्ण कुमार, कृष्ण सिंह मुंडा, थॉमस संग्राम, रमेश गोंडू, योगेंद्र महतो, गणेश शंकर ,गणपति महतो, आदि मौजूद थे।

उपमुख्य-सह-जिला दफ्तराधिकारी का कार्यालय, राममंड (जिला बेल गाछा) दूरभाष :- Email ID : douramangarb48@gmail.com	दिनांक 11.08.2026	नोट:- इस निविदा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। निविदा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा। निविदा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा।	शर्त
निविदा संख्या-02/2026			
क्र.	विवरण	शर्त	शर्त
1.	बिना नाम के	आवेदन में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा।	
2.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
3.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
4.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
5.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
6.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
7.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
8.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
9.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
10.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
11.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
12.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
13.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
14.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
15.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
16.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
17.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
18.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
19.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
20.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
21.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
22.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
23.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
24.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
25.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
26.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
27.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
28.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
29.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
30.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
31.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
32.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
33.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
34.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
35.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
36.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
37.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
38.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
39.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
40.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
41.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
42.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
43.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
44.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
45.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
46.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
47.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
48.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
49.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
50.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
51.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
52.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
53.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
54.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
55.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
56.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
57.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
58.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
59.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
60.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
61.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
62.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
63.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
64.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
65.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
66.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
67.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
68.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
69.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
70.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
71.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
72.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
73.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
74.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
75.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
76.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
77.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
78.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
79.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
80.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
81.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
82.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
83.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
84.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
85.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
86.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
87.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
88.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
89.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
90.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
91.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
92.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
93.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
94.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
95.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
96.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
97.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
98.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
99.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
100.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
101.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
102.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
103.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
104.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
105.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
106.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
107.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
108.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
109.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
110.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
111.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
112.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
113.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
114.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
115.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
116.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
117.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
118.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
119.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
120.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
121.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
122.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
123.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
124.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
125.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
126.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
127.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
128.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
129.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
130.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
131.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
132.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
133.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
134.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
135.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
136.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
137.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
138.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
139.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
140.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
141.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
142.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
143.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
144.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
145.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
146.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
147.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
148.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
149.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
150.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
151.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
152.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
153.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
154.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
155.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
156.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
157.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
158.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
159.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
160.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
161.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
162.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
163.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
164.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
165.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
166.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
167.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
168.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
169.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
170.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
171.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
172.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
173.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
174.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	
175.	निविदा संख्या संख्या	11.08.2026	

संविदा कर्मियों को अब नियमित कर्मचारियों जैसा पीपीई बीएसएल ने रचा नया सुरक्षा मानक



नवप्रदेश/बोकारो। कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने एक ऐतिहासिक एवं दूरगामी पहल की है। बीएसएल में कार्यरत संविदा कर्मियों को अब नियमित कर्मचारियों के समान मानक और गुणवत्ता वाले व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराए जाएंगे। इस पहल के साथ बीएसएल ने औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में समान कार्यस्थल, समान सुरक्षा की भावना को मजबूत किया है। इससे पहले संविदा कर्मियों को पीपीई उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी

संबंधित ठेकेदारों की होती थी। अब बीएसएल स्वयं उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराएगा। सेल सहित देश के इस्पात उद्योग में अपनी तरह की इस महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ मानव संसाधन जानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित विशेष कार्यक्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी ने किया। मौके पर अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा व्यवस्था में

तकनीक का समावेश
बीएसएल ने इस पूरी व्यवस्था को “Transforming Contractual Worker Safety through Direct PPE Provision and Digital Governance” की अवधारणा से जोड़ा है। इसके तहत संविदा कर्मियों को पीपीई उपलब्ध कराने के साथ ही उसके इश्यू, वितरण, वापसी और देवाारा जारी करने की प्रक्रिया को डिजिटल प्रणाली से जोड़ा जाएगा। इससे प्रत्येक सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता और वितरण का रिकॉर्ड व्यवस्थित एवं ट्रैसेबल रहेगा। साथ ही, किसी कर्मी को जरूरत के समय आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने में भी आसानी होगी। डिजिटल निगरानी से पीपीई प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

शीर्ष प्रबंधन ने संविदा कर्मियों को सौंपे सुरक्षा किट

कार्यक्रम के दौरान मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) ने इस पहल के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संविदा कर्मियों की सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए बीएसएल द्वारा व्यापक स्तर पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके बाद बीएसएल के शीर्ष प्रबंधन ने उपस्थित संविदा कर्मियों को सुरक्षा किट प्रदान कर इस पहल की औपचारिक शुरुआत की।

सुरक्षा केवल प्राथमिकता नहीं, संगठन का मूल मूल्य
निदेशक प्रभारी ने कहा कि

बीएसएल परिसर में कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति संगठन के लिए महत्वपूर्ण है। नियमित कर्मचारी हो या संविदा कर्मी, सभी को सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराना बीएसएल की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा केवल एक प्राथमिकता नहीं, बल्कि संगठन के मूल मूल्यों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों को नियमित कर्मचारियों के समान गुणवत्ता वाले पीपीई उपलब्ध कराना एक ऐसी समावेशी सुरक्षा संस्कृति की नींव है, जिसमें किसी भी श्रेणी के कर्मी को सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जाएगा।

हेलमेट से लेकर एफआर सूट तक मिलेंगे उपकरण

संविदा कर्मियों को दिए जाने वाले सुरक्षा पीपीई किट में सेफ्टी हेलमेट, लाइट वेट पॉलीकार्बोनेट सेफ्टी ग्ल्लास,

डिस्पोजेबल रेस्पिरैटर, सेफ्टी शूज, एफआर सूट (जैकेट एवं ट्राउजर), ईयर प्लग और कैनवस ग्लव्स शामिल हैं। बीएसएल की यह पहल केवल सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए कार्यस्थल पर सुरक्षा को लेकर समानता, जवाबदेही और तकनीकी निगरानी की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इससे संविदा कर्मियों में सुरक्षा के प्रति विश्वास बढ़ेगा और औद्योगिक दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

बीएसएल की यह पहल स्पष्ट संदेश देती है कि संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था में हर कर्मी समान रूप से महत्वपूर्ण है। नियमित और संविदा कर्मियों के बीच सुरक्षा मानकों की दूरी खत्म कर बीएसएल ने सुरक्षित, समावेशी और जिम्मेदार औद्योगिक कार्य संस्कृति की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम बढ़ाया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें : उपायुक्त



नवप्रदेश/बोकारो। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी अजय नाथ झा ने भारत सरकार के गुप्त मंत्रालय, मंत्रिमंडल सचिवालय तथा झारखंड सरकार के दिशा-निर्देशों के आलोक में जिले के सभी सरकारी एवं निजी संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों और विद्यालयों को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान निर्धारित राष्ट्रीय प्रोटोकॉल का अक्षरशः पालन करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि समारोह के दौरान कार्यक्रमों का क्रम निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप ही रखा जाएगा। ध्वजारोहण से पूर्व राष्ट्रीयता का गायन होगा। इसके बाद ध्वजारोहण, राष्ट्रगान तथा मुख्य

अतिथि का संबोधन होगा। वहीं समारोह के समापन से पूर्व पुनः राष्ट्रीय एवं राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं संस्थान प्रमुखों को निर्देश दिया कि समारोह से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं तथा राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय से जुड़े निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों का पूरी गंभीरता और गरिमा के साथ पालन सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश की आजादी, राष्ट्रीय गौरव, एकता और अखंडता का प्रतीक है। इसलिए समारोह का आयोजन केवल औपचारिकता न होकर राष्ट्र के प्रति सममान, कर्तव्यबोध और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करने वाला होना चाहिए। उन्होंने जिले के सभी संस्थानों से निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप गरिमापूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने की अपील की।

महिला काव्य मंच की मासिक गोष्ठी में बही सावन की फुहार, रचनाओं से गूंजा देशभक्ति का स्वर

नवप्रदेश/बोकारो। महिला काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी बोकारो क्लब के पिंक हॉल में साहित्यिक एवं रचनात्मक वातावरण में संपन्न हुई। संस्थापक नरेश नाज, राष्ट्रीय अध्यक्ष सारिका भूषण एवं प्रदेश अध्यक्ष मोना बग्गा के मार्गदर्शन में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता मंच की अध्यक्ष काजल भालोटिया ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ काजल भालोटिया के स्वागत भाषण तथा ज्योति वर्मा की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। मंच का संचालन संजु गिरी ने किया। इसके बाद काव्य पाठ का सिलसिला शुरू हुआ। सावन की रिमझिम फुहार, प्रकृति की खूबसूरती और स्वतंत्रता दिवस की देशभक्ति की भावना को केंद्र में रखकर कवयित्रियों ने अपनी भावपूर्ण एवं ओजपूर्ण



रचनाएं प्रस्तुत कीं। कवयित्रियों की रचनाओं ने जहां सावन की मस्ती और प्रकृति के रंगों को जीवंत कर दिया, वहीं देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं ने श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया। काव्य पाठ करने वाली रचनाकारों में काजल भालोटिया, अर्चना मिश्र अश्क, ज्योति वर्मा, अमृता शर्मा, करुणा कलिका, जयंती

सिंह, स्मिता, गीता कुमारी गुस्ताख, सोनी कुमारी, रीना यादव, ऋचा प्रियदर्शिनी, क्रांति श्रीवास्तव, शीला तिवारी, डॉ. आशा पुष्प, रेणुका सिन्हा, पद्मावत कोमल, माला, सुषिया कुमारी सरस, स्निग्धा बोस, रिकू गिरी, नीलम झा आदि शामिल रहीं। कार्यक्रम में महिला मंच की वरिष्ठ कवयित्री डॉ. आशा पुष्प

की पुस्तक मन के गीत का भी विशेष उल्लेख हुआ। उनका साहित्यकार ममता कालिया से मिलना बोकारो के साहित्यिक जगत के लिए गौरव का विषय बताया गया। पूरी गोष्ठी के दौरान कविताओं, गीतों और भावनाओं की ऐसी रसधारा बही कि उपस्थित साहित्यप्रेमी देर तक आनंदित होते रहे। सावन की उमंग और देशभक्ति के जन्मे से सराबोर इस आयोजन ने महिला काव्य मंच की साहित्यिक सक्रियता को एक बार फिर जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में ऋचा श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, कवयित्रियों एवं साहित्यप्रेमियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में, पुलिस लाइन मैदान में परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास

उपायुक्त व एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण, तिरंगे को दी सलामी; सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। जिले में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। गुरुवार को सेक्टर-12 स्थित पुलिस लाइन मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मौना ने संयुक्त रूप से परेड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने मुख्य समारोह की तैयारियों, परेड, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को समारोह



को गरिमामय, अनुशासित एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभावित बारिश को देखते हुए अतिरिक्त एहतियाती व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया। अंतिम पूर्वाभ्यास में सीआईएसएफ, जिला बल पुरुष, जिला बल महिला, गृह रक्षक बल, चौकीदार

पुरुष दल, डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूल, 8/वी एनसीसी, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय चास, जीजीपीएस सेक्टर-05 तथा एमजीएम स्कूल सेक्टर-04 की प्लाटूनों ने हिस्सा लिया। सभी प्लाटूनों ने निर्धारित समय और अनुशासन के साथ परेड का सफल पूर्वाभ्यास किया।

सभी प्रवेश द्वारों पर रहेगी कड़ी सुरक्षा
समारोह में आने वाले अतिथियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए सभी प्रवेश द्वारों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस जवान तैनात किए जाएंगे।

प्रशासन की ओर से यातायात, सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण को लेकर भी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

देशभक्ति के रंग में सजा पुलिस लाइन मैदान

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पुलिस लाइन मैदान की रंगाई-पुताई कर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया है। परेड में देशभक्ति की भावना के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, ताकि मुख्य समारोह भव्य और गरिमामय वातावरण में संपन्न हो।

नव-निर्मित शौचालय का भी किया निरीक्षण

संयुक्त निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं एसपी ने पुलिस लाइन परिसर में नवनिर्मित शौचालय का भी जायजा लिया। अधिकारियों ने निर्माण की गुणवत्ता एवं उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए

परिसर की स्वच्छता और नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इससे परेड में शामिल जवानों, अधिकारियों और समारोह में पहुंचने वाले लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईईएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल दांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मो. सफीक आलम, जिला नजारत उप समाहर्ता राज शर्मा, जिला परिवहन पदाधिकारी मारुति मिंज, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कुड़मि समाज को धर्म-कोड और कुड़मालि भाषा को राष्ट्रीय मान्यता जल्द - गृहमंत्री से अजीत प्रसाद महतो की मुलाकात में मिला आश्वासन

नवप्रदेश/चाईल : आदिवासी कुड़मि समाज के मूलखंडी मूलमानता (संरक्षक) अजीत प्रसाद महतो के नेतृत्व में कुड़मि समाज के प्रतिनिधिमंडल ने अपनी जातीय पहचान, पारंपरिक धर्म एवं कुड़मालि भाषा को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने की मांग को लेकर 12 अगस्त 2026 को भारत सरकार केकेंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान केंद्रीय रक्षा कल्याण मंत्री, रसायन एवं उर्वरक मंत्री, राज्यसभा में नेता जे.पी. नंदा, जमशेदपुर सांसद विद्युत वर्णन महतो, गिरिडीह सांसद चंद प्रकाश चौधरी, पुरूलिया सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो, राज्यसभा सांसद खीरु महतो, आदिवासी कुड़मि समाज के अध्यक्ष शशांक शेखर महतो सहित समाज के अनेक प्रतिनिधि मंडल उपस्थित रहे। मांग-पत्र में आगामी जनगणना में कुड़मि समाज की जातीय पहचान एवं मातृभाषा के रूप एवं पृथक अंकन, पारंपरिक श्रृकृति धर्म अर्थात सारना कुड़मि धर्मर को मान्यता तथा कुड़मालि भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की दिशा में आवश्यक पहल करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कुड़मि समाज की मांग केवल पहचान का प्रश्न नहीं, बल्कि उसकी भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपरा और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण से जुड़ा विषय है। समाज ने केंद्र सरकार से इन मांगों पर संवेदनशीलतापूर्वक विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक पहल की अपेक्षा व्यक्त की। मालूम हो कि पिछले 6 अगस्त को भारत सरकार नई दिल्ली में रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त के समक्ष मांग-पत्र सौंपा गया था, जिसके कारण गृह मंत्रालय से 12 अगस्त की शाम को मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। इस बैठक में कुड़मि समाज की मांगों पर विचार कर आवश्यक निर्णय लिए जाने की बात कही गई है। इस आश्वासन से कुड़मि समाज चाईल सहित समूचे कुड़मि समाज में अपनी भाषा, धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान एवं सामाजिक अधिकारों को लेकर सकारात्मक उम्मीद जगी है। इस अवसर पर जयपुर विधायक विश्वजीत महतो, संजय महतो, कृष्ण पद महतो, प्रेमचौंद महतो एवं परिमल महतो सहित अनेक सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। जनसंपर्क सचिव गुणधाम मुतरुआर ने कहा कि आगामी 16 अगस्त को झारखंड के सराकेला-खरसावाँ जिले के चाईल प्रखंड अंतर्गत डोंबो स्थित कुड़मि भवन में आदिबासि कुड़मि समाज की केंद्रीय कमेटी की बैठक आयोजित होगी। बैठक में झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम आदि विभिन्न क्षेत्रों से केंद्रीय कमेटी के सदस्य उपस्थित रहेंगे। बैठक में समाज के उर्गयुक्त मांगों एवं आगामी रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श किए जाने की संभावना है।

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष ग्राम सभा, मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने पर जोर

15 अगस्त को जिलेभर के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में होगी विशेष सभा, मतदाता सूची के सत्यापन के साथ नुटियों में सुधार का मिलेगा मौका

नवप्रदेश/बोकारो। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को बोकारो जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी

क्षेत्रों में विशेष ग्राम सभा/सभा आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं नुटिरहित बनाने के साथ छूटे हुए पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करना है। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कुड़मि पंचायत एवं ग्राम सभा होगी, जबकि शहरी क्षेत्रों में संबंधित मतदान केंद्रों पर सभा आयोजित की जाएगी। इसमें संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर

(BLO) एवं चुनाव पाठशाला के सदस्य मौजूद रहेंगे।
प्रारूप मतदाता सूची पढ़कर सुनाएंगे बीएलओ
विशेष ग्राम सभा/सभा के दौरान बीएलओ प्रारूप मतदाता सूची में दर्ज सभी मतदाताओं के नाम उच्च स्वर में पढ़कर सुनाएंगे। इसके माध्यम से सूची में दर्ज नामों का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही किसी कारणवश मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित रह गए पात्र भारतीय नागरिकों की भी पहचान की जाएगी। 1 अक्टूबर 2026 तक

18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र नागरिकों से प्रयंत्र-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की जाएगी।
गलतियों में सुधार और अयोग्य नामों की होगी पहचान
प्रारूप मतदाता सूची में किसी प्रकार की अशुद्धि या नुति मिलने पर संबंधित मतदाता प्रयंत्र-8 के माध्यम से सुधार के लिए आवेदन कर सकेंगे। वहीं, सूची में किसी कारणवश शामिल हो गए अयोग्य व्यक्तियों की भी पहचान की जाएगी।

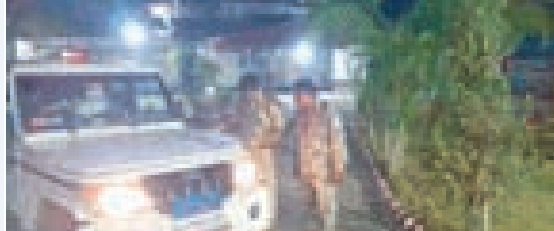
सभा के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित आवश्यक दस्तावेजों, सत्यापन प्रक्रिया तथा अन्य प्रावधानों की जानकारी भी आम नागरिकों को दी जाएगी। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश डीईओ सह डीसी ने अधिकारियों को विशेष ग्राम सभा/सभा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आयोजन से संबंधित पूरी कार्यवाही का बीएलओ पंजी में अभिलेखन और फोटोग्राफ का संभारण भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील की कि शुद्ध एवं नुटिरहित मतदाता सूची मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। इसलिए सभी पात्र नागरिक 15 अगस्त को अपने क्षेत्र में आयोजित विशेष ग्राम सभा/सभा में भाग लें, मतदाता सूची का सत्यापन करें और किसी भी नुति या छूटे हुए नाम की जानकारी देकर रकम-2026 को सफल बनाएं में सहयोग करें।

सभी मतदाता बनें—सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक।

एक नजर

वरीय अधिकारियों के आवासीय सुरक्षा गार्ड का निरीक्षण, जवानों को सतर्कता व कर्तव्यनिष्ठा का निर्देश



नवप्रदेश/बोकारो। पुलिस अधीक्षक बोकारो के निर्देश पर बुधवार को जिले में वरीय अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस क्रम में पुलिस महानिरीक्षक, बोकारो प्रक्षेत्र, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, उपायुक्त तथा पुलिस अधीक्षक बोकारो के आवासीय गार्ड का भौतिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आवासीय सुरक्षा व्यवस्था, संतरी ड्यूटी में तैनात जवानों की मुस्तैदी तथा निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुपालन की जानकारी ली गई। मौके पर संतरी ड्यूटी में तैनात जवानों को विशेष रूप से सतर्क रहने और अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने जवानों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सुरक्षा ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। ड्यूटी के दौरान पूरी सजगता बनाए रखते हुए संधिध गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण का उद्देश्य जिले में वरीय अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाना तथा सुरक्षा में तैनात जवानों को उनके दायित्वों के प्रति सजग रखना रहा।

थाना दिवस में सुनी गई आमजनों की 86 शिकायतें, 70 मामलों का हुआ निष्पादन



नवप्रदेश/बोकारो। आमजनों की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निष्पादन के उद्देश्य से बोकारो जिले के सभी थाना क्षेत्रों में गुरुवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी एवं ड्योपी प्रभारियों ने थाना दिवस के दौरान आम लोगों की शिकायतें सुनीं। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी समेत संबंधित पदाधिकारी भी शामिल हुए। थाना दिवस के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों के माध्यम से कुल 86 मामलों की सुना गया। इनमें से 70 मामलों का तत्काल निष्पादन किया गया, जबकि 15 मामले लंबित रखे गए हैं। वहीं एक मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकांश शिकायतें जमीन विवाद, राजस्व संबंधी मामलों एवं आपसी विवाद से जुड़ी थीं। इनमें जमीन का बंटवारा, दोनों पक्षों द्वारा जमीन से संबंधित कागजात प्रस्तुत नहीं करना, अगली तिथि पर बातचीत के लिए समय मांगना, प्रथम पक्ष का अनुपस्थित रहना तथा दूसरे की जमीन पर दावा करने जैसे मामले प्रमुख रहे। पुलिस प्रशासन की इस पहल से आमजनों में विश्वास की भावना मजबूत हुई है। लोगों को भरोसा मिला कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है और संबंधित मामलों का त्वरित समाधान कराने का प्रयास किया जा रहा है। थाना दिवस के माध्यम से पुलिस एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए जनता की समस्याओं के समाधान पर जोर दिया गया। पुलिस की अपील की गई है।

रात में सड़कों पर पुलिस की कड़ी निगरानी नगर डीएसपी ने किया औचक निरीक्षण



नवप्रदेश/बोकारो। पुलिस अधीक्षक, बोकारो के निर्देश पर 12/13 अगस्त की मध्यरात्रि नगर पुलिस उपअधीक्षक ने बोकारो सिटी क्षेत्र के विभिन्न थाना क्षेत्रों में रात्रिकालीन गश्ती का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गश्ती दल में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की सक्रियता, निर्धारित क्षेत्र में भ्रमण तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान नगर डीएसपी ने गश्ती पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में लगातार एवं प्रभावी गश्ती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सुनसान स्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों, बाजार, एटीएम, बैंक, पेट्रोल पंप, पार्किंग स्थल, शराब दुकानों समेत अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया। उन्होंने संधिध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच करने, बिना नंबर अथवा संधिध नंबर वाले वाहनों पर विशेष नजर रखने तथा आवश्यकता के अनुसार एटी क्राइम चेकिंग और वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। असाમાजिक तत्वों एवं पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में सलिस लोगों की गतिविधियों पर भी विशेष निगरानी रखने को कहा गया। **चोरी, लूट व छिनटई पर विशेष फोकस** रात्रिकालीन गश्ती के दौरान चोरी, लूट, छिनटई, वाहन चोरी समेत संपति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर जोर दिया गया। पुलिसकर्मियों को किसी एक स्थान पर अनावश्यक रूप से लंबे समय तक रुक रहने के बजाय पूरे थाना क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया गया। नगर डीएसपी ने मुख्य मार्गों एवं संपर्क पथों पर नियमित गश्ती करते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी संधिध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल वरीय पदाधिकारियों एवं संबंधित थाना को सूचित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। **लापरवाही पर होगी कार्रवाई** निरीक्षण के दौरान आम नागरिकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने और आपात स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया। नगर डीएसपी ने स्पष्ट किया कि रात्रिकालीन गश्ती में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पदाधिकारियों एवं जवानों को पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। पुलिस का कहना है कि इस तरह के औचक निरीक्षण का उद्देश्य रात्रिकालीन पुलिसिंग को और प्रभावी बनाना, अपराधों की रोकथाम करना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

जर्जर सड़क की विधायक के निर्देश पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने किया मरम्मती

नवप्रदेश/ईवागढ़ : प्रखंड क्षेत्र के तुता केनाल सड़क से कुलटांड तक करीब दो किलोमीटर जर्जर सड़क की विधायक सविता महतो के निजी स्तर पर मरुम डालकर मरम्मती कराई जा रही है। झामुमो कार्यकर्ताओं द्वारा ट्रैक्टर से मरुम लाकर सड़क पर बिछाया जा रहा है। कार्यकर्ता दिनभर मरम्मती कार्य में जुटे रहे। झामुमो के वरिष्ठ नेता गुणेश्वर महतो ने बताया कि विधायक सविता महतो के निर्देश पर करीब दो किलोमीटर जर्जर सड़क की तत्काल मरम्मती कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि सड़क की स्थिति खराब होने के कारण लोगों को आगममन में काफी परेशानी हो रही थी। टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने में समय लगाने के कारण विधायक के निर्देश पर फिलहाल ट्रैक्टर और जैसीबी की मदद से मरुम डालकर सड़क को चलने लायक बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विधायक के प्रयास से सड़क के शीघ्र मरम्मती कार्य का टेंडर भी कराया जाएगा। फिलहाल ग्रामीणों की परेशानी को देखते हुए पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता भ्रमदान कर सड़क मरम्मती में जुटे हुए हैं। मौके पर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष कन्हौई बेसरा, अशोर महतो, गणेश महतो, लाल सिंह, मधु गोप सहित दर्जनों झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संपादकीय

टकराव का नया अध्याय

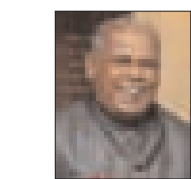
झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच हुई झड़प के बाद रांची पुलिस की कार्रवाई ने आंदोलन और सरकार के बीच टकराव को एक नए चरण में पहुंचा दिया है। करीब 100 नामजद और 500 अज्ञात प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होना बताता है कि पुलिस मामले को गंभीरता से ले रही है। वीडियो फुटेज, सीसीटीवी और सोशल मीडिया पर उपलब्ध तस्वीरों के आधार पर अन्य लोगों की पहचान की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार की रक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। प्रदर्शन के दौरान सरकारी काम में बाधा, पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और उपद्रव जैसे आरोपों की जांच निष्पक्ष तरीके से होनी चाहिए। यदि किसी प्रदर्शनकारी ने कानून तोड़ा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई में कोई आपत्ति नहीं हो सकती। मगर केवल आंदोलन में शामिल होने के आधार पर व्यापक स्तर पर लोगों को आरोपी बनाना उचित नहीं होगा। पुलिस को उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही कार्रवाई करनी चाहिए और निंदोष छात्रों को किसी भी स्थिति में परेशान नहीं किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, छात्र संगठनों के आरोपों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे तथा पुलिस ने बल प्रयोग किया। ऐसे आरोपों की भी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। आखिर लोकतंत्र में विरोध की आवाज को सुनना सरकार और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है। आंदोलन और पुलिस कार्रवाई के बीच बढ़ता तनाव किसी भी पक्ष के लिए लाभकारी नहीं है। इस बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा देशभर के 1,200 से अधिक विश्वविद्यालयों और प्रत्येक जिले में प्रदर्शन का प्लान मामले को राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने की तैयारी है। भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन तेज होने की संभावना है। सरकार को इसे केवल राजनीतिक चुनौती मानकर खारिज करने के बजाय आरोपों की गंभीरता से जांच करानी चाहिए। यदि अनियमितताओं के आरोप निराधार हैं तो पारदर्शी जांच से सरकार की स्थिति और मजबूत होगी, और यदि कहीं गड़बड़ी हुई है तो दोषियों पर कार्रवाई का रास्ता खुलेगा। सरकार और छात्र संगठनों, दोनों को टकराव से बचना होगा। पुलिस की कार्रवाई कानून के दायरे में हो और छात्रों का आंदोलन भी मर्यादित तथा शांतिपूर्ण रहे। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता युवाओं के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए इस पूरे विवाद का समाधान राजनीतिक बयानबाजी या शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच, संवाद और दोषियों पर प्रामाण आधारित कार्रवाई से ही संभव है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक कसौटी भी है।

मुद्दा

भारत विभाजन : एक त्रासदी

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वे बूढ़ी आँखें आज भी जब बंद होती हैं, तो उनमें अपना घर दिखाई देता है। आंगन में खेतले बच्चे, दरवाजे पर खड़ी मां और वह गली, जहां पड़ोसी मूल रिश्तों से पहचाने जाते थे, मगर स्मृति की अगली तरवीर आते ही सब कुछ बदल जाता है, भागते लोगों का काफ़िला, चीखती भीड़, जलते मकान और वह ट्रेन, जिसमें यात्रियों से ज्यादा मीते पहुंची थी। घर पीछे छूट गया, शहर पराया हो गया और नवशेष पर खिंची एक रेखा ने पूरी जिंदगी की पहचान बदल दी। इस्तामिक जिहादी सोच ने उनसे वह सब कुछ छीन लिया जो कल तक उनका अपना था, जिसके लिए कई पीढ़ियों का संघर्ष था, सामूहिक प्रयास था, अपना घर, अपना द्वार, अपने लोग वे अब बहुत पराए हो चुके थे। 1947 का भारत विभाजन उन लाखों परिवारों की सामूहिक स्मृति में आज भी धड़कता हुआ घाव है, जिसे याद करते ही हृदय चीत्कार उठता है। आजादी का सूरज निकला जरूर था, पर उसी सुबह लाखों घरों में विस्थापन, भय और बिछोह का अधेरा भी लेकर आया। यह इतिहास का सबसे बड़ा मानव विस्थापन था। लगभग 1.5 करोड़ लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। लोग अपने ही पुरश्तेनी घरों में विदेशी और शरणार्थी बन गए। विभाजन की घोषणा के साथ ही पूरे देश में, खासकर पंजाब और बंगाल में भयावक दंगे भड़क उठे। हिंसा में लगभग 5 लाख से 20 लाख लोगों ने अपनी जान गंवाई। लाखों महिलाओं व बच्चों को अगवा किया गया, उनके साथ दुर्व्यहार हुआ और अमानवीय अत्याचार किए गए। लोग अपनी जमीन, मकान, दूकानें और जमा-पूजी छोड़कर खाली हाथ भागने पर मजबूर हुए। भागड़ और हिंसा के बीच हजारों परिवार हमेशा के लिए एक-दूसरे से बिछड़ गए। सर रेडक्लिफ ने बिना जमीनी हकीकत जाने जल्दबाजी में नक्शे पर लकीर खींच दी (रेडक्लिफ लाइन), जिससे कई गांव और घर बीच से बंट गए। ऐसे में ये भारत का विभाजन दर्दनाक बंटवारा था। इसकी टीस और जख्म आज भी दोनों देशों के इतिहास और लोगों के दिलों में मौजूद हैं। भारत सरकार हर साल 14 अगस्त को इसी दर्द को याद करने के लिए ‘विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस’ के रूप में मनाती है। [जिन लोगों के लिए उनका गांव भी संसार था, उनके लिए अवाकन वही गांव दूसरे देश का हिस्सा बन गया। जिस खेत में पीढ़ियां काम करती आई थीं, वह पीछे छूट गया। जिस दुकान से परिवार का जीवन चلتा था, उसका शटर अंतिम बार गिरा और फिर कभी नहीं खुला। विभाजन की सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि करोड़ों लोगों के भविष्य का फैसला एक ऐसी सीमा-रेखा से हुआ, जिसे खींचने की प्रक्रिया अत्यंत कम समय में पूरी की गई। सर सिरिल रेडक्लिफ को भारत-पाकिस्तान सीमा निर्धारण का दायित्व दिया गया। पंजाब और अंगाल में खींची रेडक्लिफ रेखा ने गांवों, खेतों, परिवारों और सामाजिक संबंधों को दो देशों में बांट दिया। इस सदर्भ में हो. व. शेषाद्री की पुस्तक और देश बंट गया विशेष उल्लेखनीय है। पुस्तक 27 अध्यायों में स्वाधीनता संघर्ष, मुस्लिम अलगाववाद, डिस्टर्ट सिद्धांत, कांग्रेस की नीतियों, खिलाफत आंदोलन, जिन्ना के राजनीतिक उभार, प्रत्यक्ष कार्रवाई और अंततः विभाजन की स्वीकृति तक की घटनाओं का विश्लेषण करती है। शेषाद्री ने जिन्ना के आरंभिक राष्ट्रवादी राजनीतिक व्यक्तित्व से लेकर मुस्लिम लीग के प्रमुख नेता और पाकिस्तान की मांग के केन्द्रीय चेहरे तक के परिवर्तन का उल्लेख किया है। 1940 के लाहौर प्रस्ताव के बाद अलग राष्ट्र की मांग अधिक स्पष्ट राजनीतिक रूप में सामने आई। 1946 की प्रत्यक्ष कार्रवाई और उसके बाद भड़की हिंसा ने राजनीतिक अधिवास को सामाजिक हिंसा में बदलने का काम किया। बातचीत का स्थान दबाव ने लिया और राजनीतिक मतभेदों की कीमत आज भी नागरिकों को चुकानी पड़ी।



जीतनराम मांझी

यदि कोई खरीदार किसी फैसले को अदालत में चुनौती देना चाहता है, तो उसे तय राशि का 75 प्रतिशत अदालत में जमा कराना होगा और यदि वह चुनौती छह महीने तक लंबित रहती है, तो अदालत उस जमा राशि में से आधी राशि आपूर्तिकर्ता को जारी कर सकती है।

संसद के दोनों सदनों द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 का पारित होना, एमएसएमई के लिए भारत के कानूनी ढांचे को तेजी से बदलने तक के अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मूल अधिनियम के बाद से पिछले दो दशकों में, लाखों उद्यम औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बने हैं और एमएसएमई राष्ट्रीय विकास, निर्यात और रोजगार सृजन में अहम योगदान देने वाले बन गए हैं। इस संशोधन का उद्देश्य एमएसएमई इकोसिस्टम को ज्यादा संवेदनशील और भरोसे पर आधारित बनाना है। इससे पंजीकरण आसान होगा, वर्गीकरण बेहतर होगा, ऋण तक पहुंच और समय पर भुगतान आसान होगा, विवादों का निपटारा डिजिटल और तेज होगा और निम्नों का पालन आसान होगा। इस संशोधन में उद्यमों के मुफ्त और स्वेच्छिक पंजीकरण का प्रावधान किया गया है। इससे कई तरह की बाधाएं दूर होंगी और सरकार को बेहतर तरीके से लाभ पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। अधिनियम के तहत पंजीकरण एक पात्रता है, जिसका दावा कोई भी कंपनी कर सकती है, यह कोई बाध्यता नहीं है। यह संशोधन संवेत, मशीनरी या उपकरणों में निवेश और कारोबार के संयुक्त मानदंडों



डॉ अरविंदनाथ तिवारी

युवा पीढ़ी को गांधी से सहमत होने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता बल्कि उसे गांधी, सुभाष, भगत सिंह और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को पढ़ने, उनके विचारों की तुलना करने और स्वयं निष्कर्ष निकालने का अवसर मिलना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अर्थ अपने इतिहास को ईमानदारी से समझना है। गांधी को राष्ट्रपिता मानना या न मानना व्यक्तिगत या वैचारिक प्रश्न हो सकता है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक भूमिका से इनकार करना कठिन है।



यह एक पीड़ादायी सुख का क्षण था। भारतवासियों को इस स्वतंत्रता की कीमत अखंड भारत के विभाजन और भीषण रक्तपात से चुकानी पड़ी थी। पाकिस्तान बनने में लाखों भारतीयों को विस्थापन की मार झेलनी पड़ी और धन-जन की अकूत हानि हुई। इस ऐतिहासिक घटना को हुए अब 80 बरस होने को हैं, पर इसके जखम अभी भी पूरी तरह से नहीं भरें हैं।

अभिव्यक्ति

भारत की आजादी में वीर बलिदानियों की भूमिका

भारत की स्वतंत्रता का इतिहास केवल किसी एक व्यक्ति, एक आंदोलन या एक विचारधारा की देन नहीं है। यह अनेक धारा, संघर्ष, बलिदानों और राजनीतिक प्रयोगों का परिणाम था। महात्मा गांधी का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रवेश ऐसे दौर में हुआ जब कांग्रेस मुख्यतः शिक्षित और राजनीतिक वर्ग की संस्था थी। गांधी ने स्वतंत्रता के संघर्ष को गांव, किसान, मजदूर, महिलाओं और सामान्य जनता तक पहुंचाया। चंपारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह और अहमदाबाद मिल आंदोलन से लेकर असहयोग आंदोलन, नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन तक गांधी ने भारतीय राजनीति को जनआंदोलन का स्वरूप दिया, उन्होंने सामान्य भारतीय को यह विश्वास दिया कि बिना हथियार उठाए भी साम्राज्यवादी सत्ता को चुनौती दी जा सकती है।

चंपारण इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। बिहार के चंपारण में नील की जबरन खेती और किसानों के शोषण के विरुद्ध गांधी का सत्याग्रह केवल स्थानीय किसान समस्या का आंदोलन नहीं था। उसने भारतीय जनता को यह अनुभव कराया कि संगठित और अहिंसक प्रतिरोध से सत्ता को झुकाया जा सकता है, लेकिन यह कहना इतिहास को अत्यधिक सरल बना देता होगा कि गांधी के सत्याग्रह के कारण अकेले भारत स्वतंत्र हुआ। स्वतंत्रता का संघर्ष कई धाराओं में एक साथ चल रहा था। क्रांतिकारी आंदोलन, किसान आंदोलन, मजदूर आंदोलन, कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियां, समाजवादी विचारधारा और विदेशों में भारतीयों के प्रयासों ने भी ब्रिटिश शासन पर दबाव बनाया।

यहीं नेताजी सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुभाषचंद्र बोस गांधी की रणनीति से सहमत नहीं थे। वे मानते थे कि ब्रिटिश साम्राज्य को भारत से हटाने के लिए अधिक आक्रामक और सैन्य रणनीति आवश्यक है, उन्होंने आजाद हिंद सरकार की स्थापना की और आजाद हिंद फौज के माध्यम से ब्रिटिश सत्ता को सैन्य चुनौती देने का प्रयास किया। आजाद हिंद फौज सैन्य दृष्टि से अंततः ब्रिटिश सेना को पराजित नहीं कर सकी लेकिन उसका प्रभाव केवल युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं था। युद्ध के बाद आजाद हिंद फौज के अधिकारियों पर चले मुकदमों ने पूरे देश में



व्यापक जनभावना पैदा की। भारतीय सेना और जनता के भीतर यह भावना मजबूत हुई कि अंग्रेजों के लिए भारतीय सैनिकों की निष्ठा हमेशा के लिए सुनिश्चित नहीं है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन आर्थिक और सैन्य रूप से कमजोर हो चुका था। इसलिए भारत को चुनौती देने का प्रयास बनाए रखना उसके लिए पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया था।

इस दृष्टि से देखा जाय तो गांधी और सुभाष की भूमिकाओं को एक-दूसरे के विरोधी खेमों में रखकर समझना अतृुत होगा। गांधी ने भारतीय समाज को राजनीतिक रूप से जागृत और संगठित किया, जबकि सुभाष ने भारतीय स्वतंत्रता की आकांक्षा को अंतरराष्ट्रीय और सैन्य आयाम देने का प्रयास किया। एक ने जनशक्ति को संगठित किया, दूसरे ने औपनिवेशिक सत्ता के सैन्य आधार को चुनौती देने का प्रयास किया, इसके अतिरिक्त भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिसमिल और असंख्य क्रांतिकारियों के बलिदान ने भारतीय स्वतंत्रता चेतना को गहरा किया। सरदार पटेल, जवाहरलाल नेहरू,

मौलाना आजाद और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं ने राजनीतिक संघर्ष को अलग-अलग स्तरों पर आगे बढ़ाया। लाखों अनाम भूमिकों ने जेलें भरीं, आर्थिक कठिनाइयां झेलीं और आंदोलन में भाग लिया।

इसलिए 15 अगस्त 1947 को मिली स्वतंत्रता को किसी एक व्यक्ति की विजय कहना इतिहास के साथ न्याय नहीं होगा। भारत की आजादी अनेक शक्तियों के संयुक्त दबाव का परिणाम थी। गांधी उस व्यापक संघर्ष के सबसे प्रभावशाली जननेताओं में से एक थे लेकिन वे अकेले स्वतंत्रता के निमातां नहीं थे। अब प्रश्न आता है- गांधी को राष्ट्रपिता क्यों कहा गया?

यह समझना आवश्यक है कि राष्ट्रपिता गांधी की कोई संवैधानिक या विधिक उपाधि नहीं है। यह एक सम्मानसूचक संबोधन है, जो उनकी भूमिका और राष्ट्रीय जीवन पर उनके व्यापक प्रभाव के संदर्भ में प्रचलित हुआ। सुभाषचंद्र बोस ने 1944 में गांधी को 'रूपरूपिता'र कहकर संबोधित किया था। बाद के वर्षों में यह संबोधन जनमानस में व्यापक रूप से स्थापित हो गया। आज के परिप्रेक्ष्य में

गांधी की प्रासंगिकता पर भी बहस होनी चाहिए। गांधी के सभी विचारों को आंख बंद करके स्वीकार करना आवश्यक नहीं है, उनके आर्थिक विचार, औद्योगीकरण संबंधी दृष्टिकोण, जाति और सामाजिक प्रश्नों पर उनके विचार तथा राजनीतिक प्रयोग आज आलोचना और पुनर्मूल्यांकन के विषय हो सकते हैं लेकिन गांधी की अहिंसा, सत्य, जनभागीदारी, नैतिक राजनीति और सत्ता के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रतिरोध की अवधारणाएं आज भी महत्वपूर्ण हैं। दुनिया के अनेक लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकार आंदोलनों ने गांधी के अहिंसक संघर्ष से प्रेरणा ली।

युवा पीढ़ी को गांधी से सहमत होने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता बल्कि उसे गांधी, सुभाष, भगत सिंह और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों को पढ़ने, उनके विचारों की तुलना करने और स्वयं निष्कर्ष निकालने का अवसर मिलना चाहिए। राष्ट्रभक्ति का अर्थ अपने इतिहास को ईमानदारी से समझना है। गांधी को राष्ट्रपिता मानना या न मानना व्यक्तिगत या वैचारिक प्रश्न हो सकता है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक भूमिका से इनकार करना कठिन है। उसी प्रकार सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका को कम करके देखना भी इतिहास के साथ अन्याय होगा।

भारत की आजादी गांधी की अहिंसा मात्र से नहीं मिली और न ही केवल सुभाषचंद्र बोस की सैन्य रणनीति से। गांधी के जनआंदोलनों, सुभाष की चुनौती, क्रांतिकारियों के बलिदान, राजनीतिक नेतृत्व, जनता के व्यापक प्रतिरोध, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन की कमजोर स्थिति और भारतीय सैनिकों तथा नौसैनिकों में बढ़ते असंतोष- इन सभी ने मिलकर वह ऐतिहासिक परिस्थिति बनाई जिसमें ब्रिटिश शासन के लिए भारत पर नियंत्रण बनाए रखना कठिन होता गया।

इसलिए गांधी को समझने का सही तरीका उन्हें देवता बनाना नहीं बल्कि इतिहास के एक अत्यंत प्रभावशाली और जटिल व्यक्तित्व के रूप में देखना है। सुभाष को समझने का सही तरीका भी गांधी के विरोध में खड़ा कर- के उनकी महत्ता तय करना नहीं है। भारत की स्वतंत्रता किसी एक व्यक्ति की निजी उपलब्धि नहीं थी; यह करोड़ों भारतीयों के संघर्ष का परिणाम थी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) पर विशेष : स्वातंत्र्य-यज्ञ जारी है!

स्वतंत्रता निष्ठ ही सभ्य मानव समाज का सर्वोत्तम आधिकार है जो मनुष्य को अपने चुने हुए तथ्यों को पाने के लिए सामर्थ्य संपन्न बनाती है। आज विकास, प्रगति और उन्नति के मार्ग पर चलने के लिए स्वतंत्रता को सबसे ताकतवर हथियार माना जाता है। स्वतंत्रता सभ्यता होती है यही सोचकर पराधीनताओं की बेड़ियों को तोड़ने के लिए विश्व में अनेक संग्राम होते आ रहे हैं। अभी भी म्यांमार जैसे कई देशों में तानाशाही के खिलाफ बेहनी है और उसके आतंक का प्रतिरोध जारी है। वस्तुतः प्राणिमात्र उस नैसर्गिक परिस्थिति में ही जीना चाहता है जिसमें मुक्त होकर अपनी शर्तों पर जिया जा सके। परतंत्र होने पर गोस्वामी तुलसीदास के शब्दों में सपने में भी सुख नसीब नहीं होता: पराधीन सपनेहुं सुख नाही। पराधीनताओं के बीच रहते हमें स्वयं अपने मार्ग को चुनने की छूट नहीं होती है इसलिए वह अक्षमणीय है। यह जरूर है कि स्वतंत्रता सिर्फ भोग नहीं है व्यक्ति भोग के रूप में वह दूसरों के शोषण का जरिया हो जाएगी। स्वतंत्रता देश-योग है, देश से जुड़ने की वृत्ति है। भारत को उपनिवेश बनाने के बाद अंग्रेजों ने भारतीय समाज के जीने और सोचने के विकल्पों को सिलसिलेवार समाप्त करने की कोशिश की। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के दृढसंकल्प के साथ न केवल भारत का आर्थिक दोहन को सुदृढाते हुए भारत को एक असभ्य देश घोषित कर दिया और बिन मार्ग यहाँ के समाज को सभ्य बनाने की जिम्मेदारी अपने सिर उठा ली। वे हमारा पुरुषार्थ नए सिरे से परिभाषित करते हुए बताते गए कि हम भारतीय क्या (या कौन) हैं? हम क्या करें? और कैसे करें ? हमारा गंतव्य क्या हो? इत्यादि। हमारे देश के लिए लक्ष्य, उनको पाने के लिए साधन और उसके अनुकूल जरूरी सोच सब कुछ वे तय कर रहे थे और उसके लिए राह बना रहे थे। अंग्रेज अन्यत्र भी विश्व में जहाँ गए मूल निवासियों की सभ्यता को नष्ट ही किया। भारत में भी वे

एक पूरे पैकेज के साथ एक पूरी सभ्यता को खत्म करने के अभियान पर थे जो कई अर्थों में उनसे समुद्रतर थी। कहना न होगा कि यह समृद्धि विदेशियों के लिए पहले भी आकर्षण का कारण बन चुकी थी। अंग्रेजों ने अपना उपक्रम शिक्षा और संस्कृति में बदलाव के सुनिर्णीत कार्यक्रम के द्वारा बहुत प्रभावी ढंग से लागू किया और उनको सफलता भी मिली। अंग्रेजों ने शिक्षा का जो स्वरूप, विषय वस्तु और पद्धति निर्धारित की वह उनकी अपनी थी और यह स्वाभाविक ही था कि उसमें भारतीय ज्ञान परम्परा को जगह न मिले। अंग्रेजों ने औपनिवेशिक साम्राज्य को पुष्ट करने के लिए भारतीय ज्ञान के विपुल भंडार के प्रति विदेश और संशय का भाव इस तरह प्रचारित और प्रसारित किया कि उसे लेकर आम भारतीय के मन में संशय का भाव घर कर गया। औपनिवेश मनोभाव को आत्मसात करने के बाद कालांतर में भारतीय चिंतन पर से लोगों का भरोसा उठता चला गया और वह त्याग्य होती गई। उसका परिणाम सामने है कि भारत अपने मौलिक अर्थ में आज के अनेक भारतीयों के लिए अपरिचित-सा होता जा रहा है। बहुत से पढ़े-लिखे लोगों को किसी एकल भारतीय दृष्टि के बारे में संदेह हो चला है। भारत, भारतीयता और भारतज्ञभाव अब विवाद का प्रश्न बन गए हैं, वह हाकर्टस्टेड्ड हो चला है। भाषा, वेश-भूषा और भाव सभी की दृष्टि से आधुनिक भारतीय अपने को अंग्रेजों के तुल्य रखना चाहता है। ऐसे में भारतीय भाषाएं और यहाँ की अपनी ज्ञान-परम्परा भारत की आधुनिक शिक्षा की औपचारिक प्रणाली के लिए आज भी अनुपयुक्त ही जा रही है। उसको अपनाने में भ्रम लगता है वह इस तरह बाहर धकेल दी गई कि उसके प्रति भारतीय जन-समाज का भरोसा अभी तक जम नहीं पाया। वह उसे प्रासंगिक नहीं मानती। वह उसके लिए पूजनীয় है या हो सकती है पर उसका सही स्थान संग्रहालय तो हो सकता है पर दैनिक जीवन कदापि नहीं। पर वास्तविकता यही है कि औपनिवेशिक सोच की बेड़ियों से मुक्त होकर ही वास्तविक स्वराज मिल सकेगा।

अंग्रेजों के सभ्यताद्वेषी अभिप्राय को महात्मा गांधी ने बहुत पहले भलीभाँति ताँट लिया था। उनका हिन्द स्वराज पक्षि की सभ्यता का एक सजग पाठ है और भारतवासियों के लिए विवेकपूर्ण आत्मनिर्णय का आह्वान भी है। वह अपने आपको अपने ढंग से पहचानने के लिए भी प्रेरित करता है ताकि हम अपने परिस्थिति के अनुकूल अपने लय हिकर निर्णय ले सकें। पराधीन होने पर किसी को भी यह निर्णय लेना कठिन होता है कि कौन-सा विकल्प चुनें और किस राह चलें। एक लंबे संघर्ष के बाद गांधीजी और उनके नेतृत्व में पूरे भारत ने 1930 में पूर्ण स्वराज की मांग की। इस संघर्ष में भारत के विभिन्न क्षेत्रों और विचारधाराओं के लोगों ने भाग लिया और कुर्बानियाँ दीं। अंत में मजबूर होकर अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा और 15 अगस्त 1947 के दिन भारत अंग्रेजों के चंगुल से आजाद हुआ।

हालांकि यह आसान न था। यह एक पीड़ादायी सुख का क्षण था। भारतवासियों को इस स्वतंत्रता की कीमत अखंड भारत के विभाजन और भीषण रक्तपात से चुकानी पड़ी थी। पाकिस्तान बनने में लाखों भारतीयों को विस्थापन की मार झेलनी पड़ी और धन-जन की अकूत हानि हुई। इस ऐतिहासिक घटना को हुए अब 80 बरस का रहस्य है। विभिन्नता तो मृत्यु है। आज हम खंड-खंड होते जा रहे हैं क्योंकि हम केवल अपने स्वार्थ में ही निवेश कर रहे हैं। इस अर्थ में स्वतंत्रता कभी भी निरोक्ष नहीं हो सकती। स्वच्छंदता मुक्तिदायी न होकर विनाशकारी ही होगी। भोजन करने की स्वतंत्रता ही परंतु असावधान होकर अपराध कोई बिना समझे-बूझे खाता जाय तो न खाने का स्वाद मिलेगा और न स्वास्थ्य ही सुरक्षित बचेगा। हम यह भूल रहे हैं कि जिस स्वतंत्रता का हम उपभोग कर रहे हैं, उसके लिए हम देश और समाज के ऋणी हैं। इस ऋण की स्वीकृति हो तो जीवन के विभिन्न स्तरों पर आपसी संबद्धता और परस्परपूरकता का अनुभव होगा। आज स्वतंत्रता के ऋण का प्रतिदान न कर स्वार्थ के यज्ञ में अहंति देने की प्रवृति बढ रही है। स्वतंत्रता के विधि-निषेध हम भूलते जा रहे हैं।

अति गरीबी की स्थिति कम हुई है। पर जनसंख्या में वृद्धि को देखते हुए संसाधन कम पड़ रहे हैं और संसाधनों के उपयोग करने में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। बड़ी संख्या में झूठे सच्चे कुदमल आपसी मतभेद, वंशघट्टी और अनुचित लाभ कमाने की प्रवृति को भी प्रशस्त हैं। राजनीति के क्षेत्र में नैतिक आचरण की दृष्टि से दुर्बलता बढ़ रही है। राजनेता अपनी सुविधा सुनिश्चित करने में यह भूल जाते हैं कि नेतृत्व करना जरूर दायित्व बोध की अपेक्षा करता है। यह चिंताजनक है कि आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ महाकायाएँ भी बढी है और कदाचार के मामले भी। युवा देश होने के कारण, जिसकी की अपेक्षा करता है। जनसंख्या पैंतीस साल की उम्र के नीचे है, यह जरूरी है कि युवा वर्ग को अच्छी शिक्षा और रोजगार का अवसर मिले। इसके लिए शैक्षिक संस्कृति में सुधार हो और शिक्षा के लिए जरूरी संसाधन बढ़ैया कराए जाएँ। जेन जी और जेन अल्फा के प्रदर्शन और आक्रोश के संदेश को गंभीरता से लेने की जरूरत है। आज व्यक्तिवाद और भौतिक सुख जुटने की दौड़ में सबको अकेले अपने भर की चिंता है। निजी स्वतंत्रताओं का जश्न मनाया जा रहा है। देश के बारे में सोचने का काम यानी जोड़ने-जुड़ने का प्रयास पिछड़ रहा है जबकि परस्पर संबद्धता ही जीवन का रहस्य है। विभिन्नता तो मृत्यु है। आज हम खंड-खंड होते जा रहे हैं क्योंकि हम केवल अपने स्वार्थ में ही निवेश कर रहे हैं। इस अर्थ में स्वतंत्रता कभी भी निरोक्ष नहीं हो सकती। स्वच्छंदता मुक्तिदायी न होकर विनाशकारी ही होगी। भोजन करने की स्वतंत्रता ही परंतु असावधान होकर अपराध कोई बिना समझे-बूझे खाता जाय तो न खाने का स्वाद मिलेगा और न स्वास्थ्य ही सुरक्षित बचेगा। हम यह भूल रहे हैं कि जिस स्वतंत्रता का हम उपभोग कर रहे हैं, उसके लिए हम देश और समाज के ऋणी हैं। इस ऋण की स्वीकृति हो तो जीवन के विभिन्न स्तरों पर आपसी संबद्धता और परस्परपूरकता का अनुभव होगा। आज स्वतंत्रता के ऋण का प्रतिदान न कर स्वार्थ के यज्ञ में अहंति देने की प्रवृति बढ रही है। स्वतंत्रता के विधि-निषेध हम भूलते जा रहे हैं।

समाधान

यह इस अधिनियम के विवाद-समाधान प्रेमवर्क को और अधिक मजबूत करता है। यह राज्य सरकारों को मध्यस्थता और सुलह के लिए अतिरिक्त 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषदों' (एमएसइएफसी) की स्थापना करने में सक्षम बनाता है। यह मध्यस्थता और सुलह के लिए समय-सीमा निर्धारित करता है तथा ऑनलाइन विवाद-समाधान को वैधानिक मान्यता प्रदान करता है। इससे मामलों का तेजी से निपटारा होगा और एक ऐसी व्यवस्था तैयार होगी जिससे कंपनी प्रक्रिया और समय-सीमा की निश्चितता के साथ अपने जायज दावों को पेश कर सकेगी।

कार्यान्वयन

'सुविधा परिषदों' द्वारा दिए गए निर्णय के तहत मिलने वाली रकम को जमीन के लगान की बकाया राशि की तरह वसूला जा सकता है। यदि कोई खरीदार किसी फैसले को अदालत में चुनौती देना चाहता है, तो उसे तय राशि का 75 प्रतिशत अदालत में जमा कराना होगा और यदि वह चुनौती छह महीने तक लंबित रहती है, तो अदालत उस जमा राशि में से आधी राशि आपूर्तिकर्ता को जारी कर सकती है। इस प्रकार, लंबे समय तक चलने वाली मुकदमेबाजी के कारण जायज दावों को खारिज नहीं किया जा सकेगा और



के आधार पर उद्यमों के वर्गीकरण के लिए एक स्पष्ट प्रेमवर्क प्रदान करता है। इस वर्गीकरण से प्रेमवर्क को प्रौद्योगिकी, लागत, बाजार और व्यवसाय माँडल में आने वाले बदलावों के अनुसार तेजी से ढाला सकता है और यह केंद्र सरकार को अधिसूचना के माध्यम से इसकी सीमाओं को निर्धारित करने का अधिकार देता है। ज्यादातर एमएसएमई के लिए सबसे बड़ी चिंता नियमित नकद प्रवाह की होती है, क्योंकि किसी छोटे उद्यम का एक भी भुगतान न मिलने का व्यापक असर कर्मचारियों के समय पर वेतन, कच्चे माल की खरीद और अगले ऑर्डर को स्वीकार करने पर पड़ता है, जिससे भुगतान में देरी

होने से कंपनी के काम करने और आगे बढ़ने की क्षमता पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए इस संशोधन में इस समस्या को तीन चरणों - रोकथाम, समाधान और कार्यान्वयन के माध्यम से दूर करने की कोशिश की गई है।

रोकथाम

यह केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए 'ट्रेड्स' (टीआरडीएस) के माध्यम से एमएसएमई से संबंधित रसदी (इनवॉइस) के भुगतान और जानकारी देने को अनिवार्य बनाकर पारदर्शिता लाता है। राज्य सरकारें भी यही नियम अपने राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों पर लागू कर

सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित एक डिजिटल प्लेटफॉर्म होने के नाते, 'ट्रेड्स' एक स्वीकृत इनवॉइस के आधार पर बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से तुरंत वित्तपोषण प्राप्त करने की सुविधा देता है। इससे आपूर्तिकर्ता को अग्रिम भुगतान मिल जाता है, जबकि भुगतान तय तिथि पर बैंक या वित्तीय संस्थान को भुगतान चुकता करता है। इस प्रकार, रिसिवेबल्स (मिलने वाली रकम) आपूर्तिकर्ता के लिए लिक्विडिटी का जरिया बन जाता है, जिससे कंपनी को अपने कामकाज का प्रबंधन करने, बिलों का भुगतान करने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में आसानी होती है।

(लेखक केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री हैं)

स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन, देशवासियों को दी स्वतंत्रता दिवस की ढेरों शुभकामनाएं : विधायक रामचंद्र सिंह

नवप्रदेश/महुआडांड/भारत देशभर में 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस को लेकर उत्साह और देशभक्ति का माहौल है। इस पावन अवसर पर मूलका विधानसभा के लोकप्रिय विधायक श्री रामचंद्र सिंह ने झारखंड सहित पूरे देश के तमाम स्वतंत्रता सेनानियों, अमर शहीदों और वीर सपूतों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। साथ ही उन्होंने मनिका विधानसभा क्षेत्र के देव तुल्य ग्रामीणों सहित समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई



दी विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि 15 अगस्त भारत के गौरव, स्वाभिमान और वीरता का पर्व है। यह दिन हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व

न्योछावर कर दिया। उनके बलिदान के कारण ही आज देश का हर नागरिक स्वतंत्रता और लोकतंत्र की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती भी वीर योद्धाओं और महान स्वतंत्रता सेनानियों की शौर्यगाथाओं से समृद्ध रही है। झारखंड के वीर सपूतों ने भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऐसे वीरों का योगदान हमेशा देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।रामचंद्र सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल

भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि हमें ऐसा भारत बनाने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए, जहां हर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और विकास का समान अधिकार मिले।विधायक श्री रामचंद्र सिंह ने कहा कि मनिका विधानसभा सहित पूरे झारखंड और देश में स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह, उमंग और धूमधाम के साथ मनाया जाए। उन्होंने सभी से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने, देश की एकता एवं अखंडता को मजबूत करने और स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की अपील

की।अंत में विधायक ने कहा आजादी के वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम उनके सपनों के मजबूत, समृद्ध और खुशहाल भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।उन्होंने एक बार फिर मनिका विधानसभा क्षेत्र के समस्त देव तुल्य ग्रामीणों, माताओं-बहनों, युवाओं, किसानों, श्रमिकों एवं बुजुर्गों सहित पूरे देशवासियों को आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख, शांति, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जालिमखुर्द पंचायत में गौपालन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

नवप्रदेश/लातेहार। प्रखंड के जालिमखुर्द पंचायत भवन में गौपालन एवं गव्य विकास से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला गव्य विकास पदाधिकारी श्री हरिकृष्ण एवं मुखिया सुनीता देवी ने संयुक्त रूप से की। प्रशिक्षण में करीब 70 किसानों एवं ग्रामीणों ने भाग लिया। श्री हरिकृष्ण ने सरकार की गव्य विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तरीके से गौपालन अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर बन सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागियों को



ग्रोत्साहन स्वरूप 200 रुपये की राशि दी जाएगी। उन्होंने महिलाओं से भी सरकारी योजनाओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान दो, पांच एवं दस गाय योजना, डीप बोरिंग, काउ मैट, चारा काटने की मशीन, वर्मी

कंपोस्ट यूनिट तथा गाय शेड जैसी अनुदान आधारित योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही शालीमार धुर्वा में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय नि:शुल्क गौपालन प्रशिक्षण में ग्रामीणों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया

हरियाली तीज भक्ति, सुहाग और प्रकृति के श्रृंगार का अनुपम पर्व : विजय बहादुर सिंह

नवप्रदेश/महुआडांड। सावन की हरियाली, रिमझिम फुहारों और प्रकृति के मनोहारी श्रृंगार के बीच मनाया जाने वाला हरियाली तीज भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति, दांपत्य प्रेम और प्रकृति प्रेम का अनुपम पर्व है। इस वर्ष हरियाली तीज का पर्व शनिवार, 15 अगस्त को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा।इस अवसर पर माननीय विधायक पुत्र सह प्रदेश समन्वयक विजय बहादुर सिंह ने क्षेत्रवासियों को हरियाली तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हहरियाली तीज भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन, अखंड सौभाग्य, दांपत्य प्रेम और प्रकृति के श्रृंगार का प्रतीक है। यह पर्व हमारी समृद्ध सनातन परंपरा और भारतीय संस्कृति की सुंदर तस्वीर प्रस्तुत करता है।इन्होंने कहा कि धार्मिक मान्यता के अनुसार माता



पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी अटूट श्रद्धा और तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अधांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी पावन प्रसंग की स्मृति में हरियाली तीज का व्रत एवं पूजन किया जाता है।विजय बहादुर सिंह ने कहा कि हरियाली तीज विशेष रूप से सुहागिन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। महिलाएं अपने पति की दीधार्यु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना से व्रत रखती हैं, जबकि

अविवाहित कन्याएं योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति की कामना करती हैं। महिलाएं भगवान शिव, माता पार्वती और गणेशजी की विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं।उन्होंने कहा कि हरे परिधान, मेहंदी, चूड़ियां, सोलह श्रृंगार, झूले और तीज के पारंपरिक गीत इस पर्व की खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। सावन की हरियाली नवजीवन, समृद्धि और नई ऊर्जा का संदेश देती है।उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि हरियाली तीज के अवसर पर पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया जाए। प्रकृति की रक्षा करना हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है।अंत में विजय बहादुर सिंह ने पूरे मनिका विधानसभा के पूरे क्षेत्र की माताओं-बहनों एवं समस्त ग्रामीणों को हरियाली तीज की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं देते हुए सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, एएनसी (गर्भावस्था पूर्व जांच) पंजीकरण एवं फालो-अप, एनसीडी (असंक्रामक रोग) स्क्रीनिंग, पेंटा-1 एवं पेंटा-3 टीकाकरण कवरेज, ओपीवी-1 कवरेज तथा एमटीसी (मालन्यूट्रिशन टूटमेंट सेंटर) केंद्रों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले की सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीकरण सुनिश्चित करते हुए आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं



नियमित फॉलो-अप कराया जाए। उन्होंने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा टीकाकरण के निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मानव संसाधन, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता एवं आधारभूत संरचना की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों को समय पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, आवश्यक सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं एवं सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए आमजन को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलरोह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, स्वास्थ्य विभाग चिकित्सक ,एमओआईसी एवं कर्मी उपस्थित थे।

JSLPS के 372 डाटा एंट्री ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) में कार्यरत 372 डाटा एंट्री ऑपरेटरों की लंबित मांगों को लेकर शुरू हुई अनिश्चितकालीन हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। आंदोलनरत कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से जेएसएलपीएस के विभिन्न स्तरों पर पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर अब तक सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है। कर्मचारियों की प्रमुख मांग



रांची, शुक्रवार , 14 अगस्त, 2026

एक नजर

लातेहार पुलिस को मिले 18 बोलेरो और एक ट्रक, सुरक्षा व्यवस्था होगी और मजबूत

नवप्रदेश/लातेहार। झारखंड पुलिस के आधुनिकीकरण एवं सुदृढीकरण की दिशा में लातेहार जिले को नए वाहनों की सौगात मिली है। जिले को 18 बोलेरो वाहन एवं एक ट्रक प्राप्त हुआ है। इन वाहनों का उपायुक्त संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर एवं फीता काटकर विभिन्न थानों और पुलिस इकाइयों के बीच वितरण किया। इस दौरान अधिकारियों ने वाहनों की चाबी संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को सौंपी। नए वाहनों के मिलने से जिले में पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ने के साथ-साथ ग्रामीण व्यवस्था को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है। नए वाहनों का उपयोग विशेष रूप से डायल–112 की त्वरित सेवा, नियमित पुलिस गश्ती, आपातकालीन कार्रवाई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने में किया जाएगा। इससे पुलिस टीमों को घटनास्थल तक तेजी से पहुंचने और जरूरत के समय तत्काल कार्रवाई करने में मदद मिलेगी। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आधुनिक संसाधनों से पुलिस बल को लैस करने से आम लोगों को बेहतर और त्वरित पुलिस सेवा उपलब्ध करने में मदद मिलेगी। वाहनों के वितरण से जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच और प्रभावी होगी।

भवन निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने का उपायुक्त ने दिया निर्देश...

नवप्रदेश/लातेहार। उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में भवन निर्माण प्रमंडल के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में भवन निर्माण प्रमंडल द्वारा संचालित विभिन्न निर्माणधीन एवं प्रस्तावित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान विभिन्न भवन निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, कार्य पूर्ण होने की स्थिति, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, स्वीकृत योजनाओं तथा लंबित कार्यों की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने योजनावार प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी निर्माणधीन योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता का विशेष एप से पालन सुनिश्चित करने तथा कार्यों की नियमित स्थल जांच एवं अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी भवन एवं अन्य आधारभूत संरचनाओं का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय पर पूरा होना आवश्यक है, ताकि आमजनों एवं संबंधित विभागों को इसका लाभ समय पर मिल सके। लंबित एवं धीमी गति से चल रहे कार्यों में तेजी लाने तथा किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक बाधा का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया गया। बैठक में भवन निर्माण प्रमंडल एई अजीत कुमार दास एवं अन्य कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस की अंतिम तैयारियों का लिया जायजा, परेड का हुआ पूर्वाभ्यास

नवप्रदेश/लातेहार। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह जिला खेल स्टेडियम, लातेहार में पूर्ण गरिमा और उत्साह के साथ आयोजित किया जायेगा। इसी क्रम में उपायुक्त सह जिला डंडाधिकारी संदीप कुमार एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस के मौके पर होने वाले झंडोतोलन-राष्ट्रगान एवं परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया। इस दौरान सार्जेंट मेजर व सार्जेंट द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले प्रतिभागियों का नियमानुसार नेतृत्व किया गया। इस दौरान सभी का उत्साहवर्धन किया गया। पूर्वाभ्यास के दौरान उपायुक्त ने मुख्य समारोह स्थल के मैदान को सुसज्जित करने, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था, अग्निशमन एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था, विधि व्यवस्था संधारण एवं अन्य बिंदुओं के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि सभी देशभक्ति से ओत-प्रोत हो शांतिपूर्ण ढंग से इस राष्ट्रीय पर्व को मनाएं। विधि व्यवस्था बनाए रखने में जिला प्रशासन का सहयोग करें। पुलिस अधीक्षक ने परेड समेत अन्य तैयारियों को लेकर सभी प्लाटून को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विदित हो कि 15 अगस्त को प्रातः 09.05 बजे जिला खेल स्टेडियम, लातेहार में झंडोतोलन किया जाएगा।मौके पर उप विकास आयुक्त सैयद रिाज अहमद, जिला जनसर्क पदाधिकरी डॅ चंदन, जिला शिक्षा पदाधिकरी श्री गौतम कुमार साहू,जिला खेल पदाधिकरी अभिमन कुमार पितादी व अन्य पदाधिकरी उपस्थित थे।

जनसुनवाई रद्द नहीं हुई तो सड़क पर उतरेंगे ग्रामीण
नाथं धाघू कोल परियोजना के विरोध में धाघू खरटिया में बैठक, 27 अगस्त को प्रस्तावित पर्यावरणीय जनसुनवाई स्थगित करने की मांग
नवप्रदेश/बालूमाथ संवादादा। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के धाघू पंचायत स्थित खरटिया टोला में गुरुवार को ग्राम प्रधान विनयनाथ मुंडा की अध्यक्षता में ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में एनएलसी इंडिया लिमिटेड की नाथं धाघू कोल परियोजना को लेकर 27 अगस्त को प्रस्तावित पर्यावरणीय जनसुनवाई का ग्रामीणों ने विरोध किया। ग्रामीणों ने जनसुनवाई को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी।ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना से जुड़े किसी भी निर्णय से पहले स्थानीय लोगों की सहमति, उनके अधिकारों और हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उनकी आपत्तियों और मांगों की अनदेखी की जा रही है। उनका कहना है कि जनसुनवाई में प्रभावित ग्रामीणों को अपनी बात रखने का निष्पक्ष और पर्याप्त अवसर मिलना जरूरी है।ग्रामीण शंकर उरांव ने आरोप लगाया कि कंपनी और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से ग्रामीणों की जमीन एवं अधिकारों को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जनसुनवाई की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ग्रामीणों की मांगों पर गंभीरता से विचार किए बिना जनसुनवाई कराई गई तो उसका सामूहिक विरोध किया जाएगा।ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि 27 अगस्त की प्रस्तावित जनसुनवाई रद्द नहीं की गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। जरूरत पड़ने पर आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि परियोजना से संबंधित निर्णय स्थानीय लोगों के हितों और उनकी सहमति को ध्यान में रखकर ही लिया जाना चाहिए।बैठक में पंचायत की मुखिया कुसारी भगवती, महावीर उरांव, इमरान खान, सीमा देवी, पिकी देवी, देवनाथ उरांव, शिवनारायण गंडू, पवन उरांव, पीयूष गंडू, प्रदीप उरांव समेत बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण उपस्थित थे।

शिवगंगा में डूब रहे दो श्रद्धालुओं को एनडीआरएफ ने बचाया

नवप्रदेश/बासुकीनाथ। राजकीय श्रावणी मेला 2026 के दौरान शिवगंगा तालाब में स्नान करते समय दो श्रद्धालु गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। धनबाद निवासी 40 वर्षीय राजेश कुमार सिंह को डूबता देख 42 वर्षीय निशिकांत सिंह ने बचाव का प्रयास किया, लेकिन वे भी पानी में फंस गए। मौके पर तैनात एनडीआरएफ की टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। दोनों की स्थिति सामान्य बताई गई। टीम ने श्रद्धालुओं से निर्धारित क्षेत्र में ही स्नान करने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की।

मादक पदार्थों की तस्करी पर कसेगा शिकंजा, ड्रग नेटवर्क की होगी पहचान

नवप्रदेश/दुमका। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में मादक पदार्थों की तस्करी एवं दुरुपयोग की रोकथाम को लेकर जिला एनसीओआरडी समिति की बैठक हुई। बैठक में सक्रिय ड्रा नेटवर्क, तस्करी के स्रोत और वितरण चैनलों की पहचान कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों को अवैध अफीम की खेती की पहचान और विनष्टीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। शैक्षणिक संस्थानों के 500 मीटर दायरे को ड्रा-फ्री जोन बनाने, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता शिबिर और चिकित्सीय जांच कराने पर भी जोर दिया गया। होटल, रेस्टोरेंट, बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास, 14 प्लाटून लेंगी हिस्सा



नवप्रदेश/दुमका। स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 को लेकर पुलिस लाइन मैदान में फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन किया गया। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने पूर्वाभ्यास का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। 15 अगस्त को पुलिस लाइन मैदान में सुबह 9 बजे राज्यपाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके बाद मार्च पास्ट और परेड होगी, जिसमें कुल 14 प्लाटून शामिल होंगे। मौके पर एसपी पीताम्बर सिंह खेरवार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।



झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए ग़्रिजली विद्यालय की दो छात्राओं का चयन

अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन ने राज्य स्तर पर बढ़ाया विद्यालय का गौरव, 10 सितंबर से रांची खेलगांव में कैप में लेंगी हिस्सा

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग़्रिजली विद्यालय के लिए यह गौरव का क्षण है कि विद्यालय की दो प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का चयन झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ी 10 सितंबर से रांची के

खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय कैप में हिस्सा लेंगी। दोनों छात्राओं ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राज्य स्तरीय फुटबॉल टीम कैप के लिए उनका चयन विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को मिल रहे प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस उपलब्धि में विद्यालय की फुटबॉल प्रशिक्षक आशा कुमारी का विशेष योगदान रहा। राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी रहीं आशा कुमारी के कुशल प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रोत्साहन ने



दोनों छात्राओं को अपने खेल कौशल को निखारने और उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता

एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त संदेश में कहा, ह्अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए चयन पूरे विद्यालय परिवार के लिए एवं का विषय है। यह उपलब्धि उनकी प्रतिभा, निरंतर अभ्यास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। खेल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं अनुशासन विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। हमें विश्वास है कि दोनों छात्राएँ रांची खेलगांव में आयोजित कैप में भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय एवं झारखंड का गौरव बढ़ाएँगी। विद्यालय की इस उपलब्धि पर समन्वयक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी,

एक नजर

दिव्यांग बोर्ड शिविर में 21 मरीज पहुंचे, 10 को मिला दिव्यांग प्रमाण पत्र



नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। सदर अस्पताल कोडरमा में आयोजित दिव्यांग बोर्ड शिविर में कुल 21 मरीजों की उपस्थिति दर्ज की गई। जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद 10 व्यक्तियों का दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया गया। इनमें 9 अस्थि दिव्यांग तथा 1 गुंा-बहरा श्रेणी का मरीज शामिल हुए. गुंा. बहरा श्रेणी के 6 मरीजों को सुनने की क्षमता की जांच के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेजा गया। वहीं, मानसिक विकलांगता से संबंधित 3 मरीजों को क्यू असेसमेंट के लिए रिफास, कर्फे भेजा गया। शिविर के माध्यम से दिव्यांगजनों को आवश्यक चिकित्सकीय जांच एवं प्रमाण-पत्र की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. रमण कुमार, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेमनाथ सिंह, फिजियोथैरेपिस्ट राजीव साहू सहित कार्यालय सहायक अजीत कुमार, अनीश कुमार एवं कुणाल उपस्थित रहे। शिविर में पहुंचे मरीजों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सतगावां बीजेपी के द्वारा खुश्रा से नासरगंज तक निकली भव्य तिरंगा यात्रा, गुँजे भारत माता की जय के नारे



नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को सतगावां एवं बासोडीह मंडल के संयुक्त तत्वावधान में खुश्रा से नासरगंज तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर भाग लिया। इस दौरान छ्त्तारत माता की जयह्द के नारों से पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंग गया।तिरंगा यात्रा में सतगावां मंडल अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह, बासोडीह मंडल अध्यक्ष नरेश यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल यादव, मंडल उपाध्यक्ष ब्यूटी कुमारी, कंचन देवी, शिवराज सिंह, पिटू सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।यात्रा के समापन पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए बासोडीह मंडल अध्यक्ष नरेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर छ्त्तर घर तिरंगाह्द अभियान के माध्यम से तिरिे को प्रत्येक देशवासी के घर और हाथ तक पहुंचाने का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से राष्ट्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया।

सरदारोडीह से कांवरियों का जत्था हुआ रवाना

हर. हर महादेव के जयकारों से गुंजा क्षेत्र



नव प्रदेश संवाददाता/चंदवारा। चंदवारा प्रखंड के सरदारोडीह गांव से सावन के पावन महीने में कांवरियों का एक जत्था बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ। रवाना होने से पूर्व कांवरियों ने भगवान शिव की पुजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि और मंगलकामना की। कांवरियों के जत्थे के रवाना होते ही पूरा क्षेत्र ह्हर. हर महादेवह्द और ह्हबोल बमह्द के जयकारों से गुंज उठा। कांवरियों में काफी उत्साह और उमंग देखने को मिला। श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए यात्रा पर निकले। ग्रामीणों ने कांवरियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। कांवरियों में प्रकाश साव, शिव शंकर साव , भीम कुमार साव, महादेव साव, देवघर के लिए रवाना सहित कई अन्य रवाना हुए।मौके पर आरागारो पैक्स अध्यक्ष परमेश्वर साव, दीपक साव, उमेश साव, सीताराम साव, ने भी कांवरियों की मंगलमय यात्रा की कामना की।

घाघरा में लर्निंग लाइसेंस कैप का सफल आयोजन, अगला शिविर 17 को गुमला के आंजन में

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड सरकार के परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे पंचायत स्तरीय ड्राइविंग कैप के तहत घाघरा प्रखंड के आदर पंचायत में लर्निंग लाइसेंस हेतु जांच परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। ग्रामीण स्तर पर सरकारी सुविधाओं को सुलभ बनाने की इस पहल में स्थानीय लोगों ने भारी उत्साह दिखाया।आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, आदर पंचायत में आयोजित इस शिविर में कुल 190 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदकों ने कंप्यूटर आधारित यातायात नियम परीक्षा में हिस्सा लिया, जिसमें से 125 अभ्यर्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की और मौके पर ही अपनी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति (लर्निंग लाइसेंस) प्राप्त कर ली। वहीं, 65 अभ्यर्थी इस परीक्षा में असफल रहे, जिन्हें यातायात नियमों की बेहतर तैयारी के साथ अगली बार पुनः प्रयास करने की सलाह दी गई।
उपायुक्त और परिवहन पदाधिकारी ने दिया सड़क सुरक्षा का कड़ा संदेश अनुज्ञप्ति वितरण के साथ-साथ शिविर में सड़क सुरक्षा को लेकर एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान भी चलाया गया। गुमला के उपायुक्त दिलेश्वर महतो ने अपने कड़े संदेश में स्पष्ट किया है कि सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने हिदायत दी कि दौलिया वाहन चालक बिना हेलमेट के और कार सवार बिना सीट बेल्ट के सफर करते हुए पाए गए तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।जिला परिवहन पदाधिकारी सत्येन्द्र महतो ने इस अभियान की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में सीधे कैप लगाकर प्रशासन न केवल लोगों का समय और पैसा बचा रहा है, बल्कि पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी भी बना रहा है। शिविर में उपस्थित मोटरयान निरीक्षक ने सुरक्षित वाहन संचालन के तकनीकी पहलुओं पर जोर दिया। उन्होंने नए चालकों को ओवरस्पीडिंग से बचने, मोड़ या चौराहों पर गति धीमी रखने और ट्रैफिक संकेतों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया।। घाघरा के बाद, अगला कैप सोमवार, 17 अगस्त 2026 को गुमला प्रखंड के आंजन पंचायत में सुबह 11:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 18 अगस्त को कामडारा के टुरुनडु और 19 अगस्त को पालकोट के नाथपुर में भी शिविर लगाए जाएंगे।परिवहन विभाग ने अपील की है कि इच्छुक अभ्यर्थी कैप आयोजन की तिथि से पूर्व 'सारथी पोर्टल' पर जाकर अपना ऑनलाइन आवेदन तथा शुल्क जमा कर लें। निर्धारित तरीके को आवेदकों को अपने आवेदन की प्रति, शुल्क रसीद और सभी मूल दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होना अनिवार्य है।

अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन ने राज्य स्तर पर बढ़ाया विद्यालय का गौरव, 10 सितंबर से रांची खेलगांव में कैप में लेंगी हिस्सा

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग़्रिजली विद्यालय के लिए यह गौरव का क्षण है कि विद्यालय की दो प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का चयन झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप के लिए किया गया है। दोनों खिलाड़ी 10 सितंबर से रांची के

हल्द्वानी घटना के विरोध में गुमला कांग्रेस आज करेगी सत्याग्रह

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार हल्द्वानी की घटना के विरोध में गुमला जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गांधी प्रतिमा के समक्ष सत्याग्रह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ कांग्रेसजनों और विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी से प्राप्त निर्देश के आलोक में 14 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक गांधी वाटिका में सत्याग्रह किया जाएगा। सत्याग्रह के माध्यम से हल्द्वानी की घटना के विरोध में पार्टी अपनी आवाज बुलंद करेगी।उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटी के सभी सदस्यों, वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों से समय पर गांधी वाटिका पहुंचने और सत्याग्रह कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाने में योगदान देने का आग्रह किया है।कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों के तहत लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से जनहित के मुद्दों को उठाती रही है। इसी क्रम में हल्द्वानी की घटना के विरोध में सत्याग्रह आयोजित किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर परमवीर अल्वर्ट एवका स्टैडियम में फुल ड्रेस फाइनल रिवर्सल आयोजित



नवप्रदेश/गुमला: आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह की तैयारियों को लेकर आज परमवीर अल्वर्ट एवका स्टैडियम, गुमला में फुल ड्रेस फाइनल रिवर्सल आयोजित किया गया। उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महतो एवं पुलिस अधीक्षक गुमला हारिस बिन जमा ने संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास में भाग लिया तथा परेड को निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की।फाइनल रिवर्सल के दौरान पुलिस बल, सशस्त्र बल, होमगार्ड एवं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा पूरे अनुशासन एवं उत्साह के साथ कदमताल और मार्च पास्ट का अभ्यास किया गया। निर्धारित पदाधिकारियों के अनुरूप परेड की विभिन्न टुकड़ियों ने सलामी एवं मार्च पास्ट का पूर्वाभ्यास किया।उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने परेड में शामिल टुकड़ियों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने परेड के दौरान अनुशासन, कदमताल, वर्दी एवं निर्धारित प्रोटोकॉल का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करने को कहा। अधिकारियों ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमापूर्ण एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।इस दौरान मुख्य समारोह स्थल की साफ-सफाई, मंच, बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। संबंधित पदाधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने तथा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए गए।स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल के साथ-साथ अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। फुल ड्रेस फाइनल रिवर्सल के माध्यम से मुख्य समारोह के दौरान होने वाले कार्यक्रमों का सफल एवं अनुशासित संचालन सुनिश्चित करने का अभ्यास किया गया।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी का बैधनाथ जलन कॉलेज सिसई के परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन

नवप्रदेश/गुमला। शिविर में सैनिक शल्य चिकित्सा मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर शंभू नाथ चौधरी एवं ब्लाड बैंक के प्रभारी डॉक्टर सुनील कुमार अपने पूरे टीम के साथ रक्तदान में रक्त संग्रहित करने के लिए उपस्थित हुए। इस अवसर पर डॉक्टर शंभू नाथ चौधरी ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया एवं रक्तदान से होने वाले फायदे को उन्हें बतलाया। भारतीय रेड को सभितिक के सदस्य जिला कार्यक्रम समन्वयक टीवी डियार्टमेंट वियस कुमार गुप्ता ने सभी बच्चों को उत्साहित करने के लिए जो रक्तदान कर रहे थे उनके लिए विशेष एकोर्ट ताली के साथ उनका स्वागत रक्तदान स्थल पर किया गया।इसमें नेशनल किडेंट कोर के विद्यार्थी उपस्थित थे।विशेष रूप से इस अवसर पर हमारे भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सह सचिव शशि प्रिय बटी एवं अशोक कुमार जायसवाल ने बच्चों को बहुत ही बेहतर ढंग से रक्तदान के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर बैधनाथ कॉलेज के प्राचार्य श्री अमिताभ भारती ने सबों को सम्मानित किया।प्रधान सहायक सुरेश साहू डॉक्टर निखार अहमद डॉक्टर अरुण कुमार दास डॉक्टर बस्ती प्रोफेसर सोनिया कुमारी प्रोफेसर खुशवंत लकड़ा महताब अंसारी इस अवसर पर राकेश कुमार टेक्नीशियन मोनिका कुमारी तकनीशियन सुनील लुना क्लीनर सुप्रिया रानी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी कूलन करी एएनएम गुडिया कुमारी रीता साहू आईटी नितिन कुमार एवं डाटा एंटी ऑपरेटर अशोक कुमार की पूरे टीम दलबल के साथ इस रक्तदान शिविर में उपस्थित थे।इस रक्तदान शिविर का विशेष इस प्रकार रहा कि इसमें कॉलेज की छात्राओं ने अधिकांश संख्या में रक्तदान किया और अभी तक रक्तदान शिविर चल ही रहा है।समावार भेजने तक हमारे रक्त संग्रह कितना हुआ 15 15 युक्ति रक्त दान किया गया है अभी तक पांच पॉस्तिबद्ध है लगभग 25 की संभावना है

छात्रों की आवाज सुनना सता की जिम्मेदारी है एहसान नहीं-अधिवक्ता परवेज आलम

नवप्रदेश/गुमला। जब चुनाव आता है, तब यही छात्र, युवा और आम जनता सता के लिए खसरे महत्वपूर्ण हो जाती है। बड़े-बड़े नेता और मंत्री लाखों की भीड़ को संबोधित करते हैं, बड़े-बड़े वादे करते हैं और जनता से वोट मांगते हैं। लेकिन जब वही छात्र अपने अधिकार, रोजगार, शिक्षा और भविष्य की मांग लेकर सड़क पर उतरते हैं, अनशान होते हैं और अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं, तब सरकार के दरवाजे बंद क्यों हो जाते हैं ? प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री छात्रों से सीधे संवाद करने से क्यों बचते हैं ?वाहें दिल्ली का जंतर-मंतर हो या झारखंड की राजनीति रावी का जयपाल सिंह मुंडा स्टैडियम- जब छात्र अपनी मांगों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करते हैं, तब उनसे सीधे बात करने के बजाय प्रतिनिधियों और अधिकारियों के पीछे सरकार क्यों छिपती है ?यका सता में बैठने के बाद जनता की आवाज की कीमत कम हो जाती है ?एक लोकतांत्रिक सरकार की ताकत सिर्फ चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि विरोध की आवाज सुनने की क्षमता में होती है। आंदोलन कर रहे छात्र सरकार के दुश्मन नहीं हैं।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से स्वतंत्रता दिवस परेड पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों की संयुक्त ब्रीफिंग कर दिए आवश्यक दिशा. निर्देश

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा के बागीटाडू स्टैडियम मैदान में आगामी 15 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के क्रम में आज 13



अगस्त 2026 को फुल ड्रेस रिवर्सल का आयोजन किया गया। फुल ड्रेस रिवर्सल उपायुक्त श्री उर्कप्र गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुमार शिवाशीष की देखरेख में संपन्न हुआ। रिवर्सल के दौरान

नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के बैनर तले तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी मो. सेराज ने किया। यात्रा में महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। प्रशिक्षुओं ने फरेंदा, छोटकीबागी, बड़कीबागी, मरियमपुर सहित आसपास के गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम, वीर शहीद अमर रहें आदि देशभक्ति नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। प्रशिक्षुओं ने ग्रामीणों को राष्ट्रेम, राष्ट्रीय एकता और देश के प्रति जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक

सांसद सुखदेव भगत का कार्यक्रमताओं ने मनाया जन्मदिन, राजनील तिग्गा ने दी दीघायु की शुभकामना

नवप्रदेश/गुमला। लोहरदगा रोड स्थित सांसद सुखदेव भगत के कार्यालय में गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कैफे काफ़्कर सांसद का जन्मदिन मनाया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद सुखदेव भगत के स्वस्थ एवं दीघायु जीवन की कामना की और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि गुमला राजनील तिग्गा ने कहा कि सांसद सुखदेव भगत लंबे समय से जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व और जनसेवा के प्रति समर्पण से कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सांसद के स्वस्थ, सुखमय और दीघायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि वे इसी तरह जनता की आवाज बनकर क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करते रहें। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष रोहित उरांव, नगर अध्यक्ष जय सिंह, प्रशिक्षक अनिरुद्ध चौबे, प्रखंड अध्यक्ष गुलाम सरवर, रूपेश कुमार सन्नी, राजा रुद्रा, संगियस तिर्की, मिनहाज खान, अभिषेक सोरेन, मनोहर टोप्पा, राज कुंजर, अश्विष कुमार, रोहित राम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में केन्द्रीय विद्यालय गुमला की विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

नवप्रदेश/गुमला: केन्द्रीय विद्यालय

गुमला में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महतो की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक गतिविधियों तथा विद्यालय के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक के दौरान पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही विद्यालय की शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक उपलब्धियों, जेम पोर्टल के माध्यम से की जा रही खरीदारी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के अग्रणी कार्यक्रमों, अस्थायी एवं



निर्माणांधोन भवन से संबंधित रिपोर्ट तथा पुराने एवं अनुपयोगी सामग्रियों के नित्यमानुसार निस्तारण सहित अन्य विषयों पर चर्चा की गई।बैठक में विद्यालय की

गया।इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां, जिला लेखा पदाधिकाी प्रदीप टोप्पो, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के प्रतिनिधि डॉ. डी. सुबर्वाई, कार्तिक उरांव महाविद्यालय के प्राचार्य प्रतिनिधि सुश्री ईशा बेला होरो, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण के प्रतिनिधि सुरेश उरांव, क्षेत्रीय लोकग्रायक अभिमन्यु नायक, अभिभावक प्रतिनिधि अनीता मिंज एवं जियाउल हसन, केन्द्रीय विद्यालय गुमला की प्राचार्य शीला तिग्गा, शिक्षक जय प्रकाश जोशी, क्लेमेंट इंदवार, दिव्य ज्योति सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। सदर अस्पताल

कोडरमा। तिलैया डैम स्थित

ग़्रिजली विद्यालय के लिए यह गौरव

का क्षण है कि विद्यालय की दो

प्रतिभाशाली छात्राओं कुमारी

अप्सरा एवं सुप्रिया रंजन का चयन

झारखंड राज्य फुटबॉल टीम कैप

के लिए किया गया है। दोनों

खिलाड़ी 10 सितंबर से रांची के

खेलगांव में आयोजित राज्य स्तरीय

कैप में हिस्सा लेंगी। दोनों छात्राओं

ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत,

निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं

खेल के प्रति समर्पण के बल पर

यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की

है। राज्य स्तरीय फुटबॉल टीम कैप

के लिए उनका चयन विद्यालय में

खेल प्रतिभाओं को मिल रहे

प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन तथा

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के

प्रति विद्यालय की प्रतिबद्धता को

दर्शाता है। इस उपलब्धि में

विद्यालय की फुटबॉल प्रशिक्षक

आशा कुमारी का विशेष योगदान

रहा। राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी

रहीं आशा कुमारी के कुशल

प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन

एवं निरंतर प्रोत्साहन ने

नई दिल्ली में 17 अगस्त से बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप, तृप्ति मुरगुंडे बोली- यह टूनामेंट नई पीढ़ी में जोश भरेगा

नई दिल्ली, हैदराबाद में 17 साल पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुकीं भारत की पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी तृप्ति मुरगुंडे का मानना है कि प्रतिष्ठित टूनामेंट की भारत में वापसी पिछले एक दशक में देश के खेलों में हुई शानदार प्रगति का प्रतीक है। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 17-23 अगस्त के बीच इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेली जाएगी। भारत दूसरी बार इस बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है; इससे पहले 2009 में हैदराबाद इस प्रतियोगिता का वेन्चू था। मुरगुंडे ने साईं मीडिया से कहा, समूचे भारतीय खेल जगत के लिए काफी गर्व की बात है कि हमें 17 साल बाद फिर से इसकी मेजबानी मिली है। पिछले 8 से 10 वर्षों में भारतीय खेलों का प्रदर्शन शानदार रहा है। हमने कई तरह के इवेंट्स में बेहतरीन नतीजे देखे हैं और साथ ही इस तरह के इंटरनेशनल इवेंट्स की मेजबानी भी की है। यह अभी वाकई बहुत जरूरी और अहम है। मुरगुंडे के लिए इसका महत्व बैडमिंटन से कहीं बढ़कर है। उन्होंने अलग-अलग खेलों में बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को भारत लाने के बढ़ते प्रयासों की ओर इशारा करते हुए कहा कि बड़े इवेंट्स में बार-बार हिस्सा लेने से देश के खेल इकोसिस्टम पर गहरा असर पड़ता है। उन्होंने कहा, हहमने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया को भी यह कहते हुए सुना है कि हम सभी खेलों में इंटरनेशनल इवेंट्स के भारत आने का कितना बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 2009 के संस्करण में खेल चुकीं मुरगुंडे का मानना है कि घरेलू मैदान पर वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन भारतीय शटलर्स की मौजूदा पीढ़ी के लिए बहुत मायने रखता है। दिल्ली में अनुभवी खिलाड़ियों और नए खिलाड़ियों की मिली-जुली टीम उतारने की तैयारी के बीच, उनका मानना है कि युवा खिलाड़ियों को घरेलू मैदान पर खेलने से बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा, आने वाले खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बेहतरीन प्लेटफॉर्म है, क्योंकि उन्हें अपने होम ग्राउंड पर अपना हुनर और प्रदर्शन दिखाने का शानदार मौका मिल रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स 2006 की मेडलिस्ट ने कहा, जब आप अपने होम ग्राउंड पर खेलते हैं, तो माहौल बिल्कुल अलग होता है। हमने देखा है कि जब इंडिया ओपन या भारत में कोई और बड़ा इवेंट होता है, तो इससे हमेशा बहुत फर्क पड़ता है।

स्वतंत्र पीएसए चैलेंजर टूर: भारत को दोहरा झटका, सेमीफाइनल में तन्वी और सूरज की हार

एचसीएल स्वतंत्र पीएसए चैलेंजर टूर इवेंट के सेमीफाइनल में गुरुवार को भारत को दोहरा झटका लगा। महिलाओं की टॉप सीड तन्वी खन्ना और पुरुषों की चौथी सीड सूरज कुमार चंद खिताबी रेस से बाहर हो गए। तन्वी को मिश्र की तीसरी सीड सोहायका हजेम ने 11-6, 2-11, 7-11, 7-11 से मात दी, जबकि सूरज चंद को मिश्र के टॉप सीड मोहम्मद गोहर ने 11-8, 11-2, 11-7 से हराया। इससे पहले, हाल ही में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप का सिंगल्स खिताब जीतने वाले सूरज चंद ने सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हमवतन आठवीं सीड ओम सेमवाल को चार गेम में 11-4, 8-11, प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिश्र के हसन मेन्शावी को 11-13, 11-11, 11-2, 9-11, 11-8 से शिकस्त दी। पांच-गेम का यह मुकाबला 73 मिनट तक चला था। एक अन्य रोमांचक पांच-गेम वाले मुकाबले में, संदेश पलानीवेल रविकुमार ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए छठी सीड अयान वजीरल्ली को 6-11, 10-12, 11-5, 11-6, 11-7 से हराया और पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। महिलाओं के लिए तीसरे वरीयता प्राप्त सेफ रेफे से मुकाबला करेंगे। इस इवेंट में पुरुषों और महिलाओं के वर्ग के लिए 9,000 अमेरिकी डॉलर की समान इनामी राशि रखी गई है। एचसीएल स्वतंत्र पीएसए चैलेंजर टूर प्रोफेशनल स्वतंत्र एसोसिएशन (पीएसए) टूर का सेकंड टियर है। इस सर्किट के टूर्नामेंट दुनिया के प्रमुख देशों में आयोजित किए जाते हैं और यह खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, रैंकिंग अंक हासिल करने तथा उच्च स्तर के पीएसए टूरों में जगह बनाने का अवसर प्रदान करता है।

हार्दिक पांड्या आदर्श हैं, एपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दोइखो ने भारतीय ऑलराउंडर को अपनी सफलता का दिया श्रेय गुवाहाटी,

डिब्रूगढ़ वॉरियर्स के ऑलराउंडर दोइखो दास ने भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या को अपना आदर्श बताया है। उनका कहना है कि वह पहले असम प्रीमियर लीग (एपीएल) 2026 में अपनी छाप छोड़ते हुए इस शानदार ऑलराउंडर के आक्रामक अंदाज को अपनाकर अपना खेल बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। दास वॉरियर्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। वॉरियर्स छह मैचों में पांच जीत और 10 अंकों के साथ खूंट्रस टेबल में सबसे ऊपर है। इस तेज गेंदबाज ने 6 मैचों में 7.80 की इकॉनमी रेट से 13 विकेट लिए हैं, जिसमें चाराइवेद सनराइजर्स के खिलाफ 33 रन देकर 4 विकेट का शानदार प्रदर्शन भी शामिल है। उनका मानना है कि हार्दिक पांड्या के प्रति उनकी पसंद ने उनकी गेंदबाजी के तरीके, खासकर शॉर्ट बॉल के इस्तेमाल पर असर डाला है। दास ने कहा, हार्दिक पांड्या मेरे आदर्श हैं। मुझे उनका क्रिकेट खेलने का तरीका पसंद है और मैं उनके स्टाइल से सीखने की कोिशश करता हूं। मैं जोरदार तरीके से गेंद पटकने और आक्रामक होकर गेंदबाजी करने पर ध्यान देता हूं, खासकर शॉर्ट बॉल के मामले में। श-र्ट बॉल मेरी मुख्य गेंदबाजी शैली है। इससे मुझे सफलता मिली है और पिच से मिल रही मदद को देखते हुए मैं अपनी इसी ताकत का इस्तेमाल कर रहा हूं। हालांकि दास ने अब तक गेंदबाजी से ही सबसे ज्यादा प्रभाव डाला है, लेकिन वह खुद को ऑलराउंडर मानते हैं और बल्ले से योगदान देने के मौके का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्रमुझे अभी तक बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है, लेकिन जब भी मौका मिलेगा मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। जब भी मेरी टीम को जरूरत होगी मैं दोनों विभागों में योगदान देना चाहता हूं।

13 विकेट लेकर दोइखो दास टूर्नामेंत में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, लेकिन इस युवा खिलाड़ी का मानना है कि चीजों को सरल रखना ही उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा, हमेरी सोच साफ है। मैं बल्लेबाज पर ध्यान नहीं देता; मैं सिर्फ सही जगह पर गेंद डालने और अपनी योजना पर टिके रहने पर ध्यान देता हूं। इससे मुझे अनुशासित रहने और ध्यान न भटकने में मदद मिलती है।

अपने व्यक्तिगत आंकड़ों के बावजूद, दास का कहना है कि टीम की सफलता ही उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ह्रआगर टीम नहीं जीतती है, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन का उतना महत्व नहीं रह जाता। मैं अभी संतुष्ट नहीं हूं, क्योंकि मैं टीम को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए लगातार सुधार करना चाहता हूं।

25 से 30 ओवर के बाद गेंद नरम पड़ जाएगी, हमें इसके लिए तैयार रहना होगा: मोर्ने मोर्केल

गॉल,

भारत के गेंदबाज कोच मोर्ने मोर्केल ने टीम के तेज गेंदबाजों को श्रीलंका की गर्मी, उमस और कूकाबुरा गेंद के बदलते मिजाज के हिसाब से खुद को जल्द से जल्द ढालने की सलाह दी है।

उन्होंने जोर दिया कि शनिवार से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज में जोश बनाए रखना और दबाव बनाने के लिए नए तरीके खोजना बहुत जरूरी होगा। घुटने की चोट के कारण जसप्रीत बुमराह के सीरीज से बाहर होने से भारत के तेज गेंदबाजी विभाग को बड़ा झटका लगा है। अब मोहम्मद सि-राज तेज गेंदबाजी आक्रमण के सबसे अनुभवी सदस्य हैं, जबकि

कॉमनवेल्थ फेसिंग चैंपियनशिप: भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, मेडल टैली में टॉप कर जीती विल्किंसन स्पोर्ट्स ट्रॉफी



लागोस (नाइजीरिया),

भारतीय फेंसिंग टीम ने कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने चार दिन के शानदार अभियान में कुल 35 मेडल जीते। अंडर 23 और सीनियर दोनों कैटेगरी को मिलाकर देश की झोली में कुल 13 गोल्ड, 8 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल आए।यह ऐतिहासिक जीत सीनियर टीम इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन के साथ पूरी हुई। भारतीय फेंसर्स ने सभी इवेंट्स में अपना दबदबा बनाए रखा और टीम इवेंट्स के 6 मुकाबलों में से पांच में गोल्ड मेडल जीते। टीम इंडिया ने मेंस सेबर, विमेंस सेबर, मेंस एपी, विमेंस एपी और विमेंस फॉयल में टॉप स्थान हासिल किया, इसके साथ ही मेंस फॉयल में कड़े मुकाबले के बाद सिल्वर मेडल भी जीता। इस शानदार प्रदर्शन ने लीडरबोर्ड पर भारत की टॉप पोजिशन को पक्का किया और टीम प्रतिष्ठित विल्किंसन स्पोर्ट्स ट्र-फी को अपने नाम करने में सफल रही। यह ट्रॉफी 1982 से कॉमनवेल्थ फेंसिंग फेडरेशन द्वारा सबसे अच्छे ओवरऑल नतीजे वाले देश को दी जाती है। टीम की यह सफलता लागोस में पिछले तीन दिनों के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन के बाद मिली। अभियान की शुरुआत पहले दिन अंडर 23 व्यक्तिगत इवेंट्स में 17 मेडल (4 गोल्ड, 4 सिल्वर, 9 ब्रॉन्ज) जीतने के साथ हुई, जिसमें गोल्ड मेडलिस्ट निखिल वाघ की अगुवाई में मेंस सेबर में पॉडियम पर पूरी तरह भारत का कब्जा रहा, इसके साथ ही जॉइस अशिता (विमेंस फॉयल), प्राची लोहान (विमेंस एपी) और जेफरलिन (विमेंस सेबर) ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीते। दूसरे दिन टीम इंडिया ने सीनियर व्यक्तिगत इवेंट्स में हिस्सा लिया और 7 मेडल (1 गोल्ड, 2 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज) जीते, जिसमें सीनियर विमेंस एपी में तनिष्का खत्री और खुशी दाभाड़े का गोल्ड-सिल्वर जीतना मुख्य आकर्षण रहा। तीसरे दिन, भारतीय फेंसर्स ने 5 और मेडल (3 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज) जीते, जिसमें कनागलक्ष्मी (सीनियर विमेंस फॉयल), राजेंद्रन शांतिमोली शेरजिन (सीनियर मेंस एपी) और सिंह करण सिंह (सीनियर मेंस सेबर) ने शानदार तरीके से गोल्ड मेडल जीते। खिलाड़ियों की इस जीत के पीछे कोच भरतजी ठाकोर, श्रीहरि पिसे और शंकर नारायणन, फिजियोथेरेपिस्ट अमृता बालकावाड़े और टीम मैनेजर मनु त्यागी की अगुवाई वाला एक समर्पित सपोर्ट सिस्टम था।। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में उनकी रणनीतिक सलाह, फिजिकल कंडीशनिंग और इवेंट मैनेजमेंट बहुत अहम साबित हुए। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व जताते हुए फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल राजीव मेहता ने कहा, ह्रमुझे अपनी पूरी टीम झ हार एक खिलाड़ी, कोच और सपोर्ट स्टाफ मेंबर पर बहुत गर्व है, जिनकी कड़ी मेहनत से यह ऐतिहासि-क जीत मुमकिन हो पाई। पहली बार कॉमनवेल्थ और ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब जीतना भारतीय फेंसिंग में मौजूद टैलेंट, अनु-शासन और कड़ी मेहनत का सबूत है।

बल्लेबाजों के घूरने से गेंदबाज को परेशान नहीं होना चाहिए: हरप्रीत बरार

नई दिल्ली,

पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बरार मैदान पर विराट कोहली के साथ हुई नोक-झोंक की चचाओं को ज्यादा तवज्जो नहीं देते। इस खिलाड़ी का मानना है कि दोनों के बीच कोई दुश्मनी नहीं है और एक गेंदबाज का ध्यान पूरी तरह से अपने काम पर होना चाहिए, चाहे दूसरी तरफ कोई भी बल्लेबाजी कर रहा हो। हरप्रीत बरार ने पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोहली को आउट किया है, उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के बीच दिखने वाली आक्रामकता फ्रेंचाइजी क्रिकेट की प्रतिस्पर्धी प्र-वृत्ति का हिस्सा है, न कि कोई निजी मुकाबला। बरार ने गुरुवार को आईएनएस के साथ एक खास बातचीत में कहा, ऐसा नहीं है। यह टीम के लिए अच्छा है। राइवलरीजैसी कोई बात नहीं है। यह सब सोशल मीडिया का एक हथकंडा है जो वहीं शुरू होता है और वहीं खत्म हो जाता है। मैं



पंजाब किंग्स के लिए खेलता हूं, वह आरसीबी के लिए खेलते हैं। मैंने उनके साथ सिर्फ फ्रेंचाइजी कि-केट खेला है। हम दोनों टीम के लिए अच्छा करना चाहते हैं। बरार का मानना है कि कोहली का हमेशा बना रहने वाला प्रतिस्पर्धी स्वभाव दोनो एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, कोहली इस खेल के लीजेंड हैं। वह लीजेंड्स में से एक हैं। मैदान के अंदर और बाहर उनके लिए सम्मान एक जैसा ही है।बरार का मानना है कि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में खेल शुरू होने



तेज गेंदबाज हैं और छोटे स्पेल में गेंदबाजी करने जा रहे हैं, तो गेंद में जो ऊर्जा आप लगाते हैं और उसे सही जगह पर डालते हैं, तो इससे आपको हमेशा मौका मिलेगा।

मोर्केल की चाहत है कि भारत के तेज गेंदबाज अपने स्पेल के श-रुआती दौर का पूरा फायदा उठाएं और फिर गेंद पुरानी होने पर मौके बनाने के लिए दूसरे तरीके अपनाएं।

डीपीएल 2026: आउटर दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हराया, शिवम शर्मा बने जीत के नायक

नई दिल्ली,

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 25वें मैच में आउटर दिल्ली वॉरियर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हराया। आउटर दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली लायंस से मिले 179 रनों के लक्ष्य को 19.1 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल किया। 179 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आउटर दिल्ली को प्रियांश आर्या और यजस शर्मा ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। प्रियांश 12 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए, जबकि यजस को 25 रनों के स्कोर पर कुलवंत खेज्रोलिया का शिकार बने। ध्रुव



सिंह अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 12 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद आउट हुए। 88 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाकर मुश्किल में दिख रही टीम की पारी को मोहित पंवार और अक्षय सैनी ने संभाला। मोहित 31 रन बनाकर रिटायर हर्ट

पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार कर्नाटक की सीनियर पुरुष टीम के हेड कोच नियुक्त

बेंगलुरु,

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज विनय कुमार को आगामी 2026-27 घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक सीनियर पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने गुरुवार को यह घोषणा की। 42 वर्षीय विनय, येरे गौड की जगह यह जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं, जो बेंगलुरु में बोसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सलेंस (सीईओ) में बल्लेबाजी कोच के तौर पर शामिल हुए हैं। कर्नाटक के पूर्व बल्लेबाज दीपक चौगुले, विनय कुमार के सपोर्ट स्टाफ में बतौर फील्डिंग कोच शामिल हुए हैं। यह कर्नाटक के हेड कोच के तौर पर विनय का पहला कार्यकाल होगा। इससे पहले, विनय कुमार ने ह्यमहाराजा टी20 ट्रॉफीह्र में हुबली टाइगर्स को कोचिंग दी थी। वह आईएलटी20 में एमआई एमिरेट्स के लिए बॉलिंग कोच के

उन्होंने कहा, जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, उम्मीद है कि गेंद का उछाल थोड़ा असमान हो जाएगा। बात यह है कि हम कैसे जोश के साथ लगातार ओवर फेंक सकते हैं और दबाव बना सकते हैं, क्योंकि हमने पिछले कुछ महीनों में ज्यादा लाल-गेंद क्रिकेट नहीं खेला है; इसलिए उसमें वापस लौटना भी एक चुनौती होगी। साथथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि जोरदार तरीके से गेंद पटकना और अनुशासित लेंथ बनाए रखना श्रीलंका के हालात में भी बल्लेबाजों को परेशान कर सकता है। फिर भी, जब कूकाबुरा गेंद अपनी सख्ती खो देगी, तो गेंदबाजों को और ज्यादा नए तरीके आजमाने होंगे। मोर्केल ने कहा, हमारे खेलने

के दिनों में भी मुझे लगता था कि अगर आप यहां जोर से गेंद पटकते हैं और ह्रगुड लेंथह्र पर लगातार गेंदबाजी करते हैं तो आप बल्लेबाज से कई तरह के सवाल पूछते हैं, तो आपके पास अच्छे नतीजे पाने का मौका हमेशा रहता है। उन्होंने आगे कहा, जब गेंद पुरानी और नरम हो जाती है, तो हमारा अगला कदम क्या होना चाि-हए? हमें यह तय करने में समझदा-री दिखानी होगी कि हम क्रीज का इस्तेमाल कैसे करें या शॉर्ट बॉल का इस्तेमाल कैसे करें। हमें ये चीजें काफी तेजी से करने की जरूरत है। भारत और श्रीलंका के बीच सीरीज का पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

डीपीएल 2026: आउटर दिल्ली ने वेस्ट दिल्ली लायंस को 5 विकेट से हराया, शिवम शर्मा बने जीत के नायक

हुए, जबकि अक्षय ने 32 गेंदों में 5 चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए। अंत के ओवरों में शिवम शर्मा ने 5 गेंदों में नाबाद 13 और हर्ष त्यागी ने 6 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अंकित राजेश कुमार बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, कृष यादव सिर्फ 12 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश राणा ने कुछ अच्छे शां-ट्स लगाए और 17 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 35 रन बनाए। हालांकि,वह बढ़िया शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। जितेश

सिंह 12 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 13 रन ही बना सके। कप्तान आयुष दोसेजा ने अपनी शानदार फॉर्म को इस मुकाबले में भी जारी रखा और उन्होंने 33 गेंदों में 59 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान आयुष ने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। हितेन दलाल ने 17 रनों का योगदान दिया, जबकि मयंक गुप्तेन ने 6 रन बनाए। अंत के ओवरों में अजय राणा ने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रनों की अहम पारी खेलते हुए टीम को 20 ओवर में 178 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। गेंदबाजी में आउटर दिल्ली वॉरियर्स की ओर से शिवम शर्मा ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए, जबकि नवदीप सैनी, हर्ष त्यागी और शौर्य मलिक ने दो-दो विकेट झटकें।



हुए कर्नाटक को 2013/14 और 2014/15 सीजन में लगातार रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और इरानी कप जीतकर अभूतपूर्व ह्रडबल-ट्रैबलह्र हासिल करने में मदद की। कर्नाटक की टीम पिछले सीजन रणजी ट्रॉफी की उपविजेता रही थी। यह टीम 11 अक्टूबर को आंध्र के विरुद्ध अपने 2026/27 सीजन की शुरुआत करने के लिए

तैयार है। कर्नाटक और विदर्भ के पूर्व बल्लेबाज गणेश सतीश को अंडर-23 पुरुष टीम का कोच नियुक्त किया गया है। पूर्व खिलाड़ी कुणाल कपूर अंडर-19 पुरुष टीम के कोच होंगे, और एसएन अमीत सीनियर महिला और अंडर-23 टीम के हेड कोच के तौर पर कार्यभार संभालेंगे।





शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां करना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके।

ऐसे बने घर में अपने बच्चों के टीचर

ग्लोबल टीचर प्राइज जीतने वाली ब्रिटेन की शिक्षिका एंड्रिया जाफिरकाऊ कहती हैं कि आभासी तरीके से बच्चों को पढ़ाना कठिन है क्योंकि कक्षा का माहौल बच्चों को एकाग्र बनाता है। वह कहती हैं कि इस वक्त शिक्षकों को यह बात दिमाग में रखकर काम करना चाहिए कि बच्चों के पास कौन से संसाधन उपलब्ध होंगे। उसके हिसाब से ही बच्चों को काम दें। साथ ही शिक्षकों की प्राथमिकता ऐसी रचनात्मक गतिविधियां करना होना चाहिए कि बच्चों का स्क्रीन टाइम घट सके। वे घर में रंग, कागज, कलम और रोचक खेल खेलते हुए समय बिताएं। कोरोना वायरस की इस लड़ाई ने मासूम बच्चों को उनके स्कूल, टीचर और दोस्तों से दूर कर दिया है। पर बच्चों के लिए सबसे जरूरी उनकी पढ़ाई है इसलिए कोविड-19 से लड़ रहे देशों में ई-लर्निंग को वैकल्पिक माध्यम बनाया जा रहा है। इस तकनीक के बावजूद अभिभावकों के लिए यह समय चुनौतीभरा है क्योंकि बच्चों को पढ़ाने का दायरेमदार पूरी तरह उन पर आ गया है। आइए आज जानते हैं कि अभिभावक घर में रहकर अपने बच्चों को ई माध्यमों से पढ़ाई के लिए किस तरह प्रोत्साहित कर सकते हैं और

शिक्षक की भूमिका निभा सकते हैं। अरब दुनिया के बच्चे स्कूल से हैं दूर- विश्व आर्थिक मंच ने संस्कृति व शिक्षा से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ कोरोना वायरस के दौर की चुनौतियों पर चर्चा की। इस दौरान वहां मौजूद शिक्षकों ने माना कि अपने बच्चे को पढ़ाना दुनिया में सबसे ज्यादा कठिन काम है क्योंकि वह अभिभावक की जगह शिक्षक से पढ़ने का आदी होता है। ऐसे में अभिभावकों की चुनौतियां बहुत अधिक हैं, इन विशेषज्ञों ने अभिभावकों के लिए ये सुझाव दिए हैं। सवाल पूछने दें - रचनात्मकता सवालों से पैदा होती है, बच्चों के हर सवाल को धैर्य से सुने और उसका हल खोजने में उनकी मदद करें। लक्ष्य तय करें - हर दिन के लिए एक लक्ष्य या चुनौती तय करें, जिससे बच्चों के साथ मिलकर पूरा करने में लग जाएं। उन्हें पूरा समय दें। री-ट्रिखाएं - घर में पड़े इस्तेमाल न होने वाले सामान को निकालकर बच्चों संग उससे

कुछ रचनात्मक बनाएं इससे बच्चों में पुरानी चीजों के दोबारा इस्तेमाल की आदत बनेगी। ऑनलाइन मदद - पढ़ाई या कुछ रचनात्मक बनाने समय ऑनलाइन माध्यमों की मदद लेने से न झिझकें, हर वक्त बच्चों के सामने परफेक्ट दिखने सही नहीं। अलग सोचे - बच्चों की आर्ट, क्राफ्ट से बाहर की रचनात्मक दुनिया से पहचान करवाएं। कपड़े कैसे तय करें, कमरे की सफाई, किचन आदि काम सिखाएं। स्कूल वापसी - इस बात को सुनिश्चित करें कि बच्चे अपने शिक्षक और दोस्तों के संपर्क में बने रहे क्योंकि तब ही उनके मन में स्कूल वापस लौटने का ख्याल बना रहेगा। तकनीक सीखें - ई-लर्निंग के जरिए अगर बच्चा पढ़ रहा है तो इस दौरान उसे तकनीक संबंधी समस्या आ सकती है इसलिए बच्चे के साथ मिलकर इन तकनीकों को सीखें।



नमक, स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी उपयोगी है। मगर, हर चीज की एक तय सीमा होती है। इसी तरह नमक से ज्यादा प्यार भी आपकी सेहत के लिए हजारां खतरे पैदा कर सकता है। बेशक आपको नमक इतना पसंद है कि आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

खाने में ज्यादा नमक का सेवन करने लगते हैं। यह मात्रा कई बार रोजाना नौ से दस ग्राम नमक के सेवन तक पहुंच जाती है। रोजाना की डाइट में नमक की मात्रा पांच ग्राम तक ही सीमित रखें। हमेशा याद रखें कि बिना डॉक्टर की सलाह के कभी भी नमक का सेवन पूरी तरह से बंद नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से भी आपको सेहत से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।

विकल्प हैं बेहतर

अगर आपको ज्यादा नमक खाने की आदत है, तो इससे निजात पाने के लिए नमक के अन्य विकल्पों पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसके लिए आप नींबू और सिरका की मदद ले सकती हैं। स्वाद के लिहाज से नमक की कमी को यह काफी हद तक पूरा करते हैं। अदरक, लहसुन और कुछ सूखे मसाले भी इसमें मददगार साबित हो सकते हैं। बेशक ये नमक का विकल्प नहीं बन सकते हैं, लेकिन नमक की ज्यादा खाने की जो तल है, उसे कम करने में ये चीजें काफी मददगार साबित हो सकती हैं।

बदलें खाना पकाने का तरीका कुछ सब्जियां और व्यंजन ऐसे होते हैं, जो लोगों को कम ही पसंद आते हैं। कई बार उनका स्वाद बढ़ाने के लिए हम उसमें नमक ज्यादा मात्रा में डालने लगते हैं। सलाद में ज्यादा मात्रा में नमक डालना, खाने के साथ सब्जी की तरह ढेर सारा अचार खाना आदि पहली नजर में बेहद सहज लगता है, पर धीरे-धीरे खानपान से जुड़ी ये आदतें हमारे शरीर में प्रतिदिन पांच ग्राम से ज्यादा नमक पहुंचाने लगती हैं। इसका असर सेहत पर ढेर-सबेर

नजर आने लगता है। ऐसे में जरूरत है खाना पकाने का तरीका बदलने की। आपके परिवार के सदस्य जिन सब्जियों का नाम सुनकर ही मुंह बनाने लगते हैं, उन्हें अब दूसरे तरीके से पकाकर देखिए। सादा तरीके से उन सब्जियों को बनाने की जगह उन्हें रोस्ट या ग्रिल करके पकाएं। इससे खाना स्वादिष्ट भी लगेगा और नमक पर भी नियंत्रण बना रहेगा।

प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

रेडी-टू-ईट फूड और तरह-तरह के प्रोसेस्ड फूड को अपनी डाइट में कम-से-कम मात्रा में शामिल करें। इनमें नमक और चीनी दोनों की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसकी जगह घर में बने ताजा खाने को तरजीह दें। सही मात्रा में नमक के सेवन का यह सबसे अच्छा तरीका है। आप अपनी डाइट में सेहतमंद खाद्य पदार्थों को जितनी ज्यादा मात्रा में शामिल करेंगी, नमक की मात्रा उसी अनुपात में संतुलित होती जाएगी।

न करें यह गलती

फल खा रहे हों या सलाद या फिर सामान्य तौर पर खाना। नमक कम लगने पर हम ऊपर से नमक डालने लगते हैं। यह सेहत के लिए ठीक नहीं है। एक तो नमक ज्यादा मात्रा में शरीर में पहुंचता है, वहीं सलाद और फल के पोषक तत्व भी कम होने लगते हैं। सीमित मात्रा में नमक का सेवन ही काफी नहीं है, उसे किस तरीके से खाया जाना चाहिए, यह तरीका जानना भी उतना ही जरूरी है।



सुकून चाहती हैं तो वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित करें

अपने प्रोफेशनल जीवन में आप आगे बढ़ना चाहती हैं, नए मुकाम हासिल करना चाहती हैं। लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना जरूरी है कि आपकी महत्वाकांक्षाएं कहीं आपके जीवन को प्रभावित तो नहीं कर रही। प्रोफेशनल लाइफ में आगे बढ़ने के साथ जिंदगी

खुशगवार बनाए रखना बेहद जरूरी है, तभी आप वर्क-लाइफ बैलेंस स्थापित कर सकती हैं। कुछ बातें इस काम में आपकी मदद करेंगी

स्मार्ट तरीके से काम करें

अगर आप अपनी नींद के घंटे घटाकर काम कर रही हैं तो कोई उसकी हिमायत नहीं करेगा। अमेरिकी अकादमी से संबद्ध मेट माइट अपने ब्लॉग वर्कलाइफ बैलेंस में कहते हैं, 'आजकल लोग अपने दिमाग को ज्यादा काम करने और कम सोने के लिए अडैप्ट बना रहे हैं, लेकिन यह चलन सही नहीं है। आपके लिए काम के घंटे जितने महत्वपूर्ण हैं, काम के बाद का समय उतना ही मूल्यवान है।' मेटल हेल्थ फाउंडेशन का सुझाव है कि काम ज्यादा नहीं, स्मार्ट होना चाहिए। इसके लिए वरीयता स्पष्ट होनी चाहिए और हर काम के लिए समय तय होना चाहिए। गैर

जरूरी चीजों में नहीं उलझना चाहिए।

काम को घर न लाएं

ऑफिस से बाहर निकलने से पहले उन कामों की सूची बना लें, जो पूरे नहीं हो पाए। लेकिन काम की लिस्ट बनाने के बाद खुद को पूरी तरह ऑफिस के काम से आजाद कर लें। यही सोचें कि आप शाम को घर पर परिवार के साथ क्या करने जा रही हैं। अगर आप मानसिक तौर पर ऑफिस में ही फंसी हुई हैं तो एक गहरी सांस लें और इस बात का अहसास करें कि आप ऑफिस से बाहर आ गई हैं। इससे आपका मन शांत और स्थिर रहेगा।

ना कहना सीखें

अगर आप काम के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेंगी, तो स्वाइटाविक रूप से आप पर काम का बोझ बढ़ जाएगा। अगर आप आदतन काम के लिए हां कह देती हैं तो कुछ अतिरिक्त काम मिलने

पर तुरंत हां कहने से पहले थोड़ा ठहर जाएं। आप कुछ देर बाद उस पर जवाब देने के लिए कह सकती हैं और इस दौरान इस बात पर विचार कर सकती हैं कि आपको हां कहना चाहिए या नहीं। अगर हां कहना चाहती हैं, तो अच्छी बात है लेकिन अगर ना कहने की इच्छा है, तो ना ही कहें और अपनी प्रतिक्रिया देने से पहले स्वयं कई बार ना

बोलने का अड्टयास करें। काम के लिए 'शहीद' होने की जरूरत नहीं

कुछ महिलाओं में यह प्रवृत्ति होती है कि वे सब काम खुद ही कर लेना चाहती हैं। उन्हें इस भाव में जीना अच्छा लगता है कि वे व्यस्त हैं और उनके बारे में ज्यादा चर्चा होती है। इस बात को गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि इससे दूसरे लोगों पर क्या प्रभाव पड़ रहा होगा। ज्यादातर लोग अत्यधिक काम यह सोचकर ले लेते हैं कि इससे दूसरों की नजर में उनका सम्मान बढ़ जाएगा। इस प्रवृत्ति के साथ आपके सिर कितना बोझ बढ़ जाएगा, अगर आप इस बात पर विचार करें तो शायद आप ऐसा व्यवहार नहीं करेंगी।

हर वक्त आपाधापी अच्छी नहीं

चाहे ऑफिस हो, जिन हो या कोई पार्टी हो, क्या आप हर जगह दौड़ते-डटागते पहुंचती हैं आपको इस बात पर निगरानी रखने की जरूरत है। आपको खुद से यह पूछने की जरूरत है कि आपकी जिंदगी कैसी चल रही है। असल में जल्दबाजी करने वाले लोग एक चीज खत्म होने पर दूसरी चीज के लिए हड़बड़ी करने लगते हैं। लेकिन ऐसी स्थिति में आप अपने दोस्तों और अपने परिवार वालों के लिए समय कैसे निकालेंगी आपाधापी में थकान होना डट्टी स्वाइटाविक है, इसीलिए हर वक्त भागमभाग से बचें।

रिटायरमेंट के बारे में सोचें

कुछ महिलाएं काम में इस कदर डूब जाती हैं कि उन्हें उसी में आनंद मिलता है। अगर आप पूरा वक्त काम में ही दे देगी तो किसी बुरे हालात में फंस जाने मसलन, जॉब न कर पाने की स्थिति खड़ी हो जाने, जॉब छूटने या व्यवसाय नहीं चल पाने पर आप खुद को कैसे संभालेंगी और इनसे इतर रिटायरमेंट के बाद आप समय किस तरह बिताएंगी, क्या आपने इस बारे में सोचा है अगर रिटायरमेंट के बाद भी आप थोड़ा-बहुत काम करें तो आपके लिए अच्छा है, लेकिन आपको अपने कुछ और शौकों को पूरा करने के बारे में भी सोचना चाहिए ताकि रिटायरमेंट के बाद भी आप सक्रिय रह सकें।



सब्जी में ऊपर से नमक डालना हो सकता है खतरनाक

खाना बनाते वक्त नमक सबसे पहले याद आता है। आप चाहे जितने भी अच्छे और खुशबूदार मसाले डाल लें, लेकिन अगर खाने में नमक नहीं है, तो सारा खाना बेस्वाद हो जाता है। बेशक आप सब्जी में ऊपर से नमक डालने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन इस आदत के जरिए आप अनजाने ही कई बीमारियों को न्योता दे रही होती हैं।

नमक और आपकी सेहत

नई दिल्ली के सफदरजंग हॉस्पिटल में प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर कहते हैं, 'नमक हमारे शरीर की इलेक्ट्रोलाइट संबंधी जरूरतों को पूरा करता है यानी इससे हमें सोडियम, पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है। इसके अलावा इससे आयोडीन भी मिलता है। लेकिन, खाने में नमक ज्यादा हो जाए तो भी दिक्कत है और कम हो तो भी दिक्कत है। रोजाना की खुराक में नमक यानी सोडियम क्लोराइड की मात्रा पांच ग्राम से कम होनी चाहिए। अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि नमक ज्यादा खाने की आदत के साथ रक्तचाप संबंधी समस्या भी बढ़ने लगती है। जितनी भी दिल से जुड़ी बीमारियां हैं, वे रक्तचाप के कारण ही होती हैं। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से किडनी पर भी दबाव पड़ता है। उच्च रक्तचाप का मस्तिष्क पर भी असर पड़ता है। यानी शरीर के जो मुख्य अंग हैं, वे ज्यादा नमक के सेवन से प्रभावित होने लगते हैं। यही वजह है कि नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करने की सलाह दी जाती है। एक और बात को

ध्यान में रखने की जरूरत है, रोटी, चावल, दलिया आदि खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक तौर पर सोडियम मौजूद होता है। ऐसे में इनमें नमक न भी डाला जाए तो भी सोडियम की पूर्ति हो जाती है। उच्च रक्तचाप के मरीज को भी चार से पांच ग्राम नमक ही दिन भर में खाना चाहिए। सेहतमंद रहने के लिए किसी भी डिश में ऊपर से नमक डालकर खाने की आदत को भी बदलना जरूरी है।

मात्रा तय करें

खाना बनाते वक्त आप उसमें कितना नमक डाल रही हैं, उसकी मात्रा को देखना एक अच्छा आइडिया है। कितने लोगों के लिए सब्जी पकाई जा रही है, उसे किस तरह से पकाया जा रहा है, नमक डालते वक्त इन सब बातों को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपके परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने की आदत है तो धीरे-धीरे खाने में नमक की मात्रा कम करती जाएं। संभव है कि शुरुआत में उन्हें परेशानी हो, पर जल्द ही उन्हें कम नमक वाला खाना भी पसंद आने लगेगा। मसाले, टमाटर और धनिया व पुदीना आदि भी खाने में नमक की कम मात्रा को संतुलित करने में आपकी मदद करेंगे। इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर में सीनियर डाइटिशियन डॉ. हिमांशी शर्मा के मुताबिक, 'इसमें कोई दोराय नहीं है कि आयोडीन युक्त नमक हमारी सेहत के लिए जरूरी है। गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ होने वाले शिशु की सेहत पर भी इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इससे दिमाग चुस्त-दुरुस्त रहता है और याददाश्त मजबूत बनी रहती है। लेकिन कुछ लोग रोजाना के

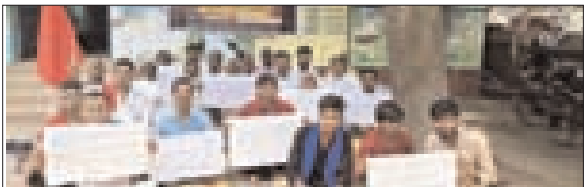
सूर्यपुरा में खेग्रामस का 24 घंटे का अनशन सत्याग्रह शुरू

बुलडोजर कार्रवाई रोकने की मांग, भूमिहीनों को पांच डिसमिल जमीन व बासगीत पर्चा देने की मांग

नवप्रदेश प्रतिनिधि, सूर्यपुरा। प्रखंड कार्यालय परिसर में मुख्य गेट के समीप भाकपा माले के खेग्रामस (अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा) के बैनर तले गुरुवार से 24 घंटे का अनशन सत्याग्रह शुरू हुआ। सत्याग्रह में गरीबों,

भूमिहीनों और ग्रामीण मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर आवाज उठाई गई। इसका नेतृत्व सूर्यपुरा-दावथ भाकपा माले एरिया कमटी के सचिव अश्वय लाल पासवान ने किया।

प्रदर्शनकारियों ने गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। वर्षों से बसे गरीब परिवारों को बासगीत पर्चा देने तथा सभी भूमिहीन परिवारों को पांच डिसमिल जमीन



उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। पंचायत स्तर पर भूमिहीनों के लिए आवासीय कॉलोनी बनाने और इंदिरा आवास योजना की राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपए करने की मांग की गई।

अध्यापक से अधिकारी बने प्रशांत सागर-पं भरत उपाध्याय

नवप्रदेश/मधुबनी। स्थानीय पीएम राजकीय कृत हरदेव प्रसाद इंटरमीडिएट कॉलेज के पूर्व प्राचार्य पं.भरत उपाध्याय ने बताया कि इस कालेज के कामर्स प्रवक्ता प्रशांत सागर गुप्त उत्तर प्रदेश सेवा चयन बोर्ड से सहायक लेखाकार के पद पर चयनित हुए हैं। उनके इस उपलब्धि पर हमें गर्व है। प्रशांत सागर के अध्यापक से अधिकारी बनने पर विद्यालय परिवार की ओर से माला पहनाकर, मिठाई की खिलाकर तालियों की गूगड़गूहट के साथ शुभकामना निवेदित किया गया।इस अवसर पर अपने भावपूर्ण संबोधन में संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती, परिश्रम का फल अवश्य मिलता है शिक्षक हमारे लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं। अतः प्रशांत जी से हमें सीख लेनी चाहिए। हम सभी मेहनत से ऐसे पदों को प्राप्त कर सकते हैं।

नवप्रदेश/ बगहा संवाददाता। SSB कमांडेंट तपेश्वर सखित राउत के मार्गदर्शन एवं बगहा पुलिस पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार IPS की सक्रिय सहभागिता से राष्ट्रीय एकता एवं देश भक्ति का संदेश देते हुए एक भव्य साइकिल रैली का आयोजन किया गया।इस रैली में ररइ 21वीं वाहिनी के समस्त अधिकारी एवं बलकर्मी तथा बगहा पुलिस के जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी,भीष्म साहनी, पूर्व टछउ तथा अन्य प्रतिष्ठित एवं गणमान्य व्यक्ति भी इस रैली में सम्मिलित हुए।रैली का शुभारंभ रइ, 21वीं वाहिनी मुख्यालय, बगहा से हुआ और यह रैली अनुमंडल कार्यालय एवं सदर अस्पताल होते हुए “चंडी स्थान, बगहा-1 तक पहुंची। चंडी स्थान मंदिर परिसर में रैली के समापन के पश्चात वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस पुनीत कार्य में स्थानीय नागरिकों, ररइ जवानों एवं बगहा पुलिस ने सामूहिक रूप से भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर दोमाठ में मेराशन दौड़, 55 बच्चों ने लिया हिस्सा



नवप्रदेश/गौनाहा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को गौनाहा प्रखंड के दोमाठ गांव के समीप सीमा सड़क पर मेराशन दौड़ का आयोजन किया गया। 44वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), नरकटियागंज के बलबल एसएसबी द्वारा आयोजित इस दौड़ में आसपास के विभिन्न गांवों के करीब 55 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।मेराथन में दोमाठ, विशुनपुरवा, दुमरिया, रतनपुरवा, कैरी, धर्मपुर और महायोगी समेत कई गांवों के बच्चे शामिल हुए। एसएसबी जवानों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के महत्व के प्रति जागरूक किया। एसएसबी की ओर से अखिल आने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने की घोषणा भी की गई।अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की भावना विकसित करने में सहायक होते हैं। मौके पर एसएसआई जीडी लोपेद्र देवमारी, मुख्य आरक्षी अमित कुमार पांडे, एमडी इम्होजन, सदीप कुमार, रुखम गणेश, रीना कुमारी, मतीमा कुमारी, सुमन कुमारी, अनीता कुमारी, आस्था कुमारी, कुलदीप कुमार, देवकृष्ण कुमार, आदित्य कुमार, विकास कुमार, सदीप कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

मेनाटांड-सिकटा में भाकपा की पदयात्रा



नवप्रदेश/मेनाटांड/सिकटा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की राष्ट्रव्यापी पदयात्रा के आठवें दिन गुरुवार को पश्चिम चंपारण के मेनाटांड और सिकटा प्रखंड में पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकाली। झझरी, पीडारी, इनरवा, मेनाटांड, बलथर और वैशखवा में निकली पदयात्रा के दौरान कार्यकर्ताओं ने आम लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया और हाह्दलाव जरूरी हैह्क का संदेश दिया।पदयात्रा के दौरान किसानों की कर्जमफी, फसलों का लाभकारी मूल्य, चारों लेबर कोड वापस लेने, पेपर लीक पर रोक, गरीबों को उजाड़ने की कार्रवाई पर रोक और खद की कालाबाजारी बंद करने की मांग उठाई गई। इसके अलावा भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अपराध और महंगाई पर प्रभावी रोक लगाने की भी मांग की गई।

बीजेपी विधायक राजू सिंह को फिलहाल जेल में ही रहना होगा, दिल्ली हाईकोर्ट में 19 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

निरंकर भास्कर
मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के साहेबनगर से भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को फिलहाल जेल से राहत नहीं मिली है। राजज एवेन्यू कोर्ट से मिली सजा पर रोक लगाने की उनकी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को सुनवाई अधूरी रही। अब मामले में अगली सुनवाई 19 अगस्त को होगी। हाईकोर्ट के अगले आदेश तक विधायक को जेल में ही रहना पड़ेगा। राजू सिंह के अधिवक्ता विनोद कुमार सिंह के अनुसार, याचिका पर सुनवाई अभी पूरी नहीं हुई है। अगली तारीख पर सुनवाई के बाद



हाईकोर्ट इस मामले में अपना आदेश जारी कर सकता है। इसके बाद ही यह स्पष्ट होगा कि राजू सिंह को जेल से कब रिहाई मिलेगी।27 जुलाई को मिली थी जमानत, सजा पर लगाई गई थी रोक।राजू सिंह की

अपील याचिका पर 27 जुलाई को सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने उनकी सजा को निर्लिखित करते हुए जमानत दे दी थी। हालांकि, उनकी रिहाई की प्रक्रिया को लेकर अब हाईकोर्ट में आगे की सुनवाई

बाकी है।इस फैसले के बाद राजू सिंह के पैतृक गांव में समर्थकों ने जश्न मनाया था। इस दौरान विवाद हुए जमानत दे दी थी। हालांकि, उनकी रिहाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।2018 के हर्ष फायरिंग

गरीबों को राशन कार्ड देने, राशन सूची से नाम काटने के आदेश को वापस लेने, अकुशल मजदूरों के लिए 700 रुपए प्रतिदिन न्यूनतम मजदूरी तय करने तथा प्रवासी मजदूरों को रोजगार और सुरक्षा की गारंटी देने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने वृद्ध, दिव्यांग और विधवा पेंशन की राशि बढ़ाकर तीन हजार रुपए प्रतिमाह करने की मांग की। शिक्षा के निजीकरण पर रोक लगाने तथा अति पिछड़ी जातियों

पीएम सूर्य घर मुप्त बिजली योजना के तहत राज्य सरकार की अतिरिक्त सहायता से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत



प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि 1 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करने वाले उपभोक्ता को केंद्र सरकार की ओर से 30000 तथा राज्य सरकार की ओर से 10000 की सहायता मिलेगी। इस प्रकार उपभोक्ता को कुल 40000 रुपए की सहायता प्राप्त होगी। इसी प्रकार 2 किलोवाट क्षमता का सोलर संयंत्र लगाने पर केंद्र सरकार की ओर से 60000 और राज्य सरकार की ओर से 20000 की सहायता दी जाएगी। इस तरह उपभोक्ता को कुल 80000 रुपए की सहायता प्राप्त होगी। वहीं 3 किलोवाट या इससे अधिक क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र पर उपभोक्ताओं को कुल

की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने की मांग भी की गई। अनशन सत्याग्रह में अश्वय लाल पासवान के अलावा तिलक राम, अरविंद कुमार, अनुज चौधरी, दयानंद राम, लालजी राम, श्री राम, मुन्ना राम, अच्छेलाल राम, सूरज राम, संजय राम, गोपाली राम, बबन साह, ललन राम, सुरेश राम, सुदामा राम, भुअर राम और नागेंद्र राम समेत कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

98000 रुपए तक की सहायता मिलेगी। इससे अधिक क्षमता के सोलर संयंत्र लगाने के इच्छुक उपभोक्ताओं को भी योजना का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की इस अतिरिक्त सहायता से अधिक से अधिक परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। रूफटॉप सोलर लगाने से उपभोक्ता अपनी बिजली की जरूरतों को सौर ऊर्जा के माध्यम से पूरा कर सकेंगे तथा बिजली बिल में भी कमी ला सकेंगे। साथ ही, सौर ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जानकारी प्राप्त कर पात्रता के अनुसार इसका लाभ उठाएं और अपने घरों पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दें।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सीएन सक्का चौधरी का बड़ा ऐलान, परिवार को आर्थिक मदद और सरकारी नौकरी

नवप्रदेश/निरंकर भास्कर
पटना। बिहार के मुख्यमंत्री स्म्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि न्यायिक जांच आयोग की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर दिवंगत भरत तिवारी के परिवार को बिहार सरकार की ओर से आर्थिक सहायता दी जाएगी। साथ ही परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी प्रदान की जाएगी।मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि न्यायिक जांच की

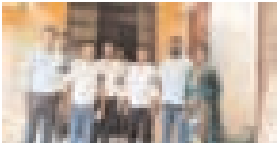


अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर सरकार परिवार को आर्थिक सहायता और एक परिजन को सरकारी नौकरी देगी।

नौ माह से मानदेय नहीं मिलने पर आवास सहायकों ने किया कार्य बहिष्कार

दो दिनों तक काली पट्टी बांधकर जताया विरोध, आवास योजना से जुड़े कार्य रहे ठप

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, सूर्यपुरा/दावथ दावथ एवं सूर्यपुरा प्रखंड के आवास सहायकों व लेखापालों ने नौ माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने के विरोध में बुधवार और गुरुवार को काली पट्टी बांधकर कार्य बहिष्कार किया. कर्मियों के कार्य बहिष्कार के कारण दोनों प्रखंडों में प्रधानमंत्री आवास योजना समेत ग्रामीण विकास से जुड़े कार्य प्रभावित रहे. प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रखंड अध्यक्ष मनीष राज ने बताया कि पिछले नौ माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने के कारण आवास सहायकों के समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है. कई कर्मियों के परिवारों में भूखमरी की स्थिति बनी हुई है. उनके बच्चों



का रोजमरा की सामग्री तथा स्कूल की पढ़ाई भी ठप हो गया है.उन्होंने कहा कि संघ के आह्वान पर लॉचर नौ माह के मानदेय का भुगतान, सम्मानजनक मानदेय वृद्धि समेत अन्य मांगों को लेकर सरकार एवं विभाग का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए दो दिवसीय कार्य बहिष्कार किया गया है. उन्होंने बताया कि कार्य बहिष्कार के दौरान दोनों प्रखंडों में प्रधानमंत्री आवास योजना और ग्रामीण विकास से संबंधित कार्य पूरी तरह ठप रहे. कर्मियों ने कहा कि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं होने पर आंदोलन को आगे भी जारी रखने पर विचार किया जाएगा.

पटना का नाम फिर से पाटलिपुत्र करने की मांग, राज्यसभा में उपेंद्र कुशवाहा ने उठाया मुद्दा

नवप्रदेश/पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के सुप्रिमी और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशीआ ने बिहार की राजधानी पटना का नाम बदलकर फिर से पाटलिपुत्र किए जाने की मांग उठाई है। उन्होंने राज्यसभा में अपने वक्तव्य के दौरान कहा कि बिहार का इतिहास भारत के गौरवशाली इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है और प्राचीन काल में पाटलिपुत्र भारत की राजधानी हुआ करता था।उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इससे इतिहास के स्वर्णिम काल में बिहार की धरती से बर्मा से लेकर अफगानिस्तान तक शासन संचालित होता था। उन्होंने



कहा कि बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है और आज जब देश के कई शहरों के नाम बदले जा रहे हैं, ऐसे में पटना का नाम भी फिर से पाटलिपुत्र किया जाना चाहिए।इन्होंने कहा कि इससे बिहार के लोगों को प्रसन्नता होगी और शहर को उसके प्राचीन नाम से पहचान मिलेगी। कुशवाहा ने सदन से इस

प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। उपेंद्र कुशवाहा ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पटना से धराने रिश्ते का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि नड्डा का पटना से गहरा नाता रहा है और उन्होंने यहां काफी समय बिताया है। कुशवाहा ने कहा कि बिहार के गौरवशाली इतिहास की चर्चा होने पर नड्डा को भी खुशी होगी। बोले- नाम बदलने का यह उचित समझकुशवाहा ने कहा कि पटना का नाम पाटलिपुत्र करने के लिए यह उचित समय है, क्योंकि केंद्र और बिहार दोनों जगह एनडीए की

सरकार है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस दिशा में सार्थक पहल करने का आग्रह किया।इन्होंने कहा कि पटना को फिर से पाटलिपुत्र नाम दिए जाने से बिहार के गौरवशाली इतिहास को सम्मान मिलेगा और लोगों की भावनाओं को भीसंतुष्टिहोगी।मानसूनसत्रहूआंतिमक्षितकाल के लिए स्पष्टतुरवार को संसद के मानसून सत्र का अंतिम दिन था। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। इस बार मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में कई मुद्दों को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया।

एक नजर

मोतिहारी में MLC सौरव कुमार की सजा पर रोक, सदस्यता बहाल रहने की उम्मीद
नवप्रदेश/मोतिहारी। बेतिया के एमएलसी सौरव कुमार को बड़ी राहत मिली है। मोतिहारी न्यायालय के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-3) ने निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा के दोषसिद्धि आदेश पर रोक लगा दी है। बताया कि वरीय अधिवक्ता शिवपूजन प्रसाद ठाकुर के पुत्र अधिवक्ता संतोष कुमार की मजबूत दलीलों को सुनने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। फैसले के बाद अधिवक्ता साथियों ने सतोष कुमार को बचाई दी।

ऐतिहासिक किशुन बाग मंदिर परिसर का होगा कायाकल्प, 11.34 लाख की निविदा जारी

नवप्रदेश/बेतिया। ऐतिहासिक किशुन बाग मंदिर परिसर के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में नगर निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। महापौर गरिमा देवी सिकारण जी ने बताया कि नगर निगम बोर्ड से स्वीकृत योजना के तहत मंदिर परिसर की चारदीवारी निर्माण के साथ पेबर ब्लॉक्स और टाइल्स लगाए जाएंगे। योजना की अनुमानित लागत 11 लाख 34 हजार 565 रुपये निर्धारित की गई है। कार्य पूरा होने के बाद मंदिर परिसर अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित होगा तथा श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत बैरिया में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

नवप्रदेश/बेतिया। स्वतंत्रता दिवस–2026 और वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को बैरिया प्रखंड के मियापुर दुर्बोलिया पंचायत में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिला पदाधिकारी तनजोत सिंह के नेतृत्व में पंचायत सरकार भवन से उच्च विद्यालय बरना तक निकली यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जीविका दीदीयों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकर्ताओं, छात्र–छात्राओं और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

ठेकेदार की गोली मारकर हत्या, कैमरे में कैद हुई वारदात

नवप्रदेश/हाजीपुर। सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी नया टोला में गुरुवार सुबह अपराधियों ने निर्माण कार्य के ठेकेदार राम नरेश राय की गोली मारकर हत्या कर दी। रोज की तरह सुबह टहलने निकले राम नरेश राय को अपराधियों ने पांच गोलियां मारी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना से पहले का कैमरे का फुटेज सामने आया है। इसमें दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार अपराधी ठेकेदार से बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद राम नरेश राय वहां से भागने की कोशिश करते हैं। दो अपराधी उनका पीछ करते हुए पास के जंगल की ओर जाते हैं, जहां उन्हें गोली मार दी गई। वारदात के बाद सभी अपराधी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। कैमरे के फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। हत्या के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है।

धूप व उमस से लोग काफी परेशान

नवप्रदेश प्रतिनिधि **संझौली**, प्रखंड सहित पूरे क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से निकल रही कड़ाके की धूप व उमस से लोग काफी परेशान हैं. सुबह सात बजे से ही तेज धूप निकल जा रही है, जो शाम पांच बजे तक लोगों को सता रही है. तेज धूप के साथ उमस से राहत के लिए लोग घर से बाहर निकल कर गांव या गांव के बाहर पीपल, नीम, बरगद एवं पाकड़ पेड़ के नीचे शरण लेने को मजबूर देखे जा रहे हैं. ग्रामीण रविकांत कुमार, संजय मेहता, अजय प्रताप सिंह, अजीत कुमार सहित कई लोगों ने बताया कि बिजली संचालित पंखा, कुलर, एसी सब के सब दोपहर में जवाब देने लगते हैं. जब बिजली आपूर्ति बंद होती है, तो अपने घर में इन्वर्टर लगाए लोगों को कुछ राहत मिलती है. लेकिन जिनके घर में इन्वर्टर नहीं है, वैसे लोग घर बाहर या पेड़ के छाया में शरण लेते है. अगर रात को सोते समय बिजली गुल हुई तो, लोग छत पर बैठ कर हाथ की पंखा हिलाकर राहत लेते देखे जा रहे हैं.

रोहतासगढ़ तुतला भवानी और दुर्गावती जलाशय में होम स्टे योजना शुरू करने की मांग

नवप्रदेश/सासाराम रोहतास जिला के प्रमुख स्थल रोहतास गढ़ किला पुतला भवानी धाम और दुर्गावती जलाशय योजना क्षेत्र में मुख्यमंत्री स्टे होम योजना लागू करने की मांग को लेकर शाहाबाद महात्त्वय आयोगन समिति का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के पर्यटन निदेशक से मिला। आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश कुमार के नेतृत्व में एक झण्डन भी दिया गया जिसमें कहा गया है कि इन तीनों पर्यटक स्थलों पर मुख्यमंत्री होम स्टे योजना लागू होने के बाद योजना को धरातल पर उतरने में यह स्थल सहायक सिद्ध होंगे। विदित हो कि पूर्व में रोहतास जिले के माझर कुंड, घुआ कुंड तथा शेरशहा मकदरा को शामिल किया गया है। जिसमें माझरकुंड तथा घुआ कुंड एक ही जगह अवस्थित है और आस-पास कोई गांव नहीं है। जबकि शेरशहा सूर्य मकबरा शहर के बीच में होने के कारण इसके मूल उद्देश्य की पूर्ति संभव नहीं है। वहीं ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटकीय दृष्टिकोण से रोहतास गढ़ किला, तुतला भवानी धाम और दुर्गावती जलाशय इस योजना के अनुरूप महत्वपूर्ण स्थान है। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक राजेश रोशन ने इस मांग पर सहमति जताई तथा धरातल पर उतारने के लिए अग्रसर कारवाई का भरोसा दिया। प्रतिनिधि मंडल में शैलेश पटेल अंकित कुमार आदि भी शामिल थे।

चरपोखरी प्रखंड मुख्यालय से लेकर पचायत मे भी निकला तिरंगा यात्रा

नवप्रदेश/चरपोखरी भोजपुर प्रखंड मुख्यालय चरपोखरी में अर्धोआव विधायक महेशपासवान प्रखंड विकास पदाधिकारी चपोखरी एवं थानाध्यक्ष रविशंकर सिंह एहसान अहमद कानिय अभियान चरपोखरी के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा आरा सासाराम स्टेट हाईवे पर निकाला गया।तिरंगा यात्रा में जीविका दीदी आशा कार्यकर्ता समाजिककार्यकर्ता शामिल हुए। वहीं प्रखंड मुख्यालय स्थित पसीर पंचायत मे मुखिया पुष्प कुमार साह के नेतृत्व मे हजारों की संख्या मे विद्यालय के छात्र छात्राओं शिक्षक समाजिक कार्यकर्ताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली।मुकुंदपुर पंचायत मे मुखिया प्रवीण कुमार सिंह के नेतृत्व मे तिरंगा यात्रा निकाला।प्रशासन द्वारा बताया गया कि अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से जनभागीदारी को व्यापक स्वरूप दिया जा रहा है। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय कर्तव्यों एवं देश की एकता-अखंडता के प्रति जागरूकता की भावना को और मजबूत करना है।

श्री त्रिदंडी स्वामी मानस कॉलेज के प्रथम प्राचार्य की मनी पुण्यतिथि

नवप्रदेश/तराी. श्री त्रिदंडी स्वामी मानस महाविद्यालय के संस्थापक सह प्रथम प्राचार्य की 23 वीं पुण्यतिथि मनायी गयी. सर्वप्रथम सभी शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मियों ने दो मिमिट की मौन रखा. इस से प्रारंभ हो कर प्राचार्य डॉ दयानिधी सिंह और इंटर खण्ड पूर्व अध्यक्ष कौशल कुमार सिंह सहित शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मियों ने श्रद्धांजलि दी. इस मौके पर डॉ दयानिधि सिंह ने कहा कि स्व विद्ययाध्याय सिंह प्रखंड के पिछड़ेपन को दूर करने व समाज में शिक्षा की अलख जगाने के लिए महाविद्यालय की स्थापना किया था, जिसमें वे सफल रहे. वहसंस्थापक, प्रबंधक के अलावा प्रधानाचार्य रहे. इस मौके पर महाविद्यालय परिसर में परिजन, शिक्षक और ग्रामीणों से पौधारोपण कराया गया. इसमें पूर्व अध्यक्ष कौशल किशोर सिंह, कमलेश सिंह, डॉ पांचायत पनवारी पैसव अध्यक्ष हरेंद्र सिंह, समिति सदस्य हरेंद्र सिंह, कुमकुम, डॉ माया, राज रंजन सिंह, शिवजी सिंह, उमेश कुमार सिंह, आशा सिंह, डॉ अजित सिंह आदि शामिल थे.

पीरो के ग्रामीण क्षेत्रों में भी निकली तिरंगा यात्रा, गूँजा वंदेमातरम

नवप्रदेश/पीरो। हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को पीरो अनुमंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने तिरंगा यात्रा निकालकर एकता व अखंडता का संदेश दिया। पीरो प्रखंड के रजेया गांव स्थित राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर से मुखिया प्रियका देवी के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा की भव्यता देखते बन रही थी। तिरंगा यात्रा में छात्र-छात्राओं के अलावे बड़ी तादाद में ग्रामीणों ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान लोगों का जोश परवान पर दिखा। अरुणआ में अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय की मौजूदगी में मुखिया विद्या देवी सहित सैकड़ों महिलाओं व स्कूली बच्चों ने तिरंगा यात्रा में अपनी भागेदारी निभाई। यहां अपने संबोधन में अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि तिरंगा हमारी आन-बान-शान व पहचान है। हाथ में तिरंगा लेकर चलना गर्व का एहसास कराता है। यह पवन हम सबके लिए खास है। अगिआव बाजार में अपनी भागेदारी निभाई। यहां अपने आप में बेमिसाल थी। यहां पंचायत प्रतिनिधियों के अलावे, स्कूली बच्चों व स्थानीय ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा में भागेदारी दर्ज कराई। पीरो प्रखंड के जितनी जंगल महाल पंचायत, छ्वरही जंगल महाल पंचायत सहित कई अन्य पंचायतों में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान भारत माता की जय, हिन्दुस्तान जिंदाबाद व वंदेमातरम के नारे गुंजते रहे। दूसरी तरफ अनुमंडल के सभी सरकारी व निजी विद्यालयों की ओर से जगह-जगह तिरंगा यात्रा आयोजित की गई। जिसमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों व स्थानीय ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागेदारी रही।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बी बनाने की योजना, प्योंगयांग ने दिखाई आंख सोल,

दक्षिण कोरिया ने हाल ही में ऐलान किया कि उसकी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां बनाने की योजना है। इस पर पहली बार उत्तर कोरिया ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रथम उपमंत्री जोंग कुम-चोल ने कहा कि सोल का यह कदम परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में बढ़ता कदम है। उन्होंने अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच पनडुब्बी सहयोग को कोरियाई प्रायद्वीप की स्थिरता के लिए खतरा बताया। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि दक्षिण कोरियाई एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि, यह उत्तर कोरिया की ओर से इस मुद्दे पर पहला आधिकारिक बयान है। प्योंगयांग की प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब वह जापान की परमाणु नीति और दक्षिण कोरिया-अमेरिका-जापान के बढ़ते सुरक्षा सहयोग की भी आलोचना कर रहा है। सोल और वाशिंगटन के इस सहयोग को उत्तर कोरिया अपनी सु-रक्षा के लिए चुनौती के रूप में देख रहा है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बुधवार को एक बयान जारी किया। बताया कि उत्तर कोरिया ने अपने लिए ऐसी सैन्य क्षमता विकसित करने का दावा किया है जो मौजूदा और भविष्य के संभावित खतरों को निष्प्रभावी करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का मानना ​​है कि इस बयान में रूस और चीन के सुरक्षा दृष्टिकोण के साथ प्योंगयांग की बढ़ती समानता भी दिखाई देती है। वहीं, दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियों का विकास बदलते सुरक्षा माहौल के जवाब में रक्षात्मक कदम है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पार्क दू-सून ने कहा कि प्रस्तावित पनडुब्बियां परंपरागत हथियारों से लैस होंगी, परमाणु हथियारों से नहीं, और यह कार्यक्रम परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के अनुरूप है। सोल ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएएफ) के साथ पारदर्शी परामर्श जारी रखने की भी बात कही है। दक्षिण कोरिया की परमाणु-संचालित पनडुब्बी योजना अब केवल रक्षा आधुनिकीकरण का मुद्दा नहीं रह गई है। उत्तर कोरिया इसे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बदलाव और संभावित परमाणुकरण की दिशा में कदम मान रहा है। एक सूत्र के मुताबिक इससे कोरियाई प्रायद्वीप में उत्तर कोरिया-रूस-चीन के बीच बढ़ते रणनीतिक तनाव का एक और आयाम सामने आया है।

कीर्तिवर्धन सिंह का कोट दआइवोर दौरा सफल, द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगी नई गति: विदेश मंत्रालय नई दिल्ली,

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को कहा कि विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह की हालिया कोट दआइवोर यात्रा से पश्चिम अफ्रीकी देश के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है। यह यात्रा अफ्रीका के साथ भारत के व्यापक जुड़ाव का हिस्सा रही। कीर्तिवर्धन सिंह ने कोट दआइवोर सरकार के निर्मात्रण पर 6 से 8 अगस्त तक आबिदजान की आधिकारिक यात्रा की थी। उन्होंने पश्चिम अफ्रीकी देश के 66वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यात्रा ने भारत और कोट दआइवोर के बीच संबंधों को मजबूत करने का हूमहत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। समारोह के दौरान विदेश राज्य मंत्री और उनके साथ गए भारतीय सशस्त्र बलों के दल का स्वागत दोनों देशों के बीच मौजूद मित्रता और सद्भावना को दर्शाता है। सिंह ने राष्ट्रीय दिवस समारोह में हिस्सा लेने के साथ-साथ राष्ट्रीय दिवस परेड में शामिल भारतीय सशस्त्र बलों के मार्चिंग टुकड़ी की भागीदारी भी देखी। यात्रा के दौरान उन्होंने कोट दआइवोर की विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री नियाले काबा के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने राष्ट्रपति अलासाने ओत्तारा से भी मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बातचीत में दोनों देशों के संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इनमें आर्थिक और विकास साझेदारी, रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क प्रमुख रहे। दोनों पक्षों ने भारत-कोट दआइवोर बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू आबिदजान में भारतीय समुदाय के साथ विदेश राज्य मंत्री की मुलाकात भी रही। मंत्रालय के अनुसार, सिंह ने भारत और कोट दआइवोर के दोस्ताना संबंधों को मजबूत करने में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा, कल्याण और हितों को लेकर भारत सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता भी दोहराई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कीर्तिवर्धन सिंह की यात्रा ने भारत और कोट दआइवोर के बीच पहले से मजबूत होतें संबंधों को और विस्तार देने के लिए सकारात्मक आधार तैयार किया है।

ईरान संघर्ष के दौरान दक्षिण कोरियाई इंचियोन रहा दुनिया का सबसे व्यस्त अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

सोल,

दक्षिण कोरिया की राजधानी का प्रवेश द्वार कहा जाने वाला इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट 2026 की पहली छमाही में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या के मामले में दुनिया का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा बन गया है। इसकी एक बड़ी वजह मध्य पूर्व में जारी ईरान युद्ध के कारण ह-वाई यातायात का रूट बदलना है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, एयरपोर्ट ने जनवरी से जून 2026 के बीच 3.839 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभाला। इसके साथ ही इंचियोन ने लंबे समय से शीर्ष पर रहने वाले लंदन के हीथ्रो और सिंगापुर के चांगी को पीछे छोड़ दिया। हीथ्रो में 3.779 करोड़ और चांगी में 3.453 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का आवागमन हुआ। 2001 में शुरू हुए इंचियोन के इतिहास में यह पहली बार है जब उसने अंतरराष्ट्रीय यातायात की वैश्विक रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया है। 2002 में वह 10वें स्थान पर था, 2018 में पांचवें और 2024 और 2025 में तीसरे स्थान पर पहुंचा था। इंचियोन की इस छलांग में मध्य पूर्व का संकट महत्वपूर्ण कारक रहा। अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण दुबई जैसे मध्य पूर्वी एयर हब की भूमिका कमजोर हुई और ट्रांजिट यात्रियों का एक हिस्सा पूर्वी एशिया के वैकल्पिक मार्गों की ओर मुड़ गया। इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट कॉरपोरेशन ने भी यातायात बढ़ने में इस बदलाव को एक कारण बताया है। इंचियोन का अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात सालाना आधार पर 6.3 प्रतिशत बढ़ा। चीन और जापान से आने वाले यात्रियों में वृद्धि ने भी इसमें योगदान दिया। पहली छमाही में एयरपोर्ट के कुल यात्रियों में विदेशी नागरिकों की हिस्सेदारी 39.3 प्रतिशत रही, जबकि 2026 की दूसरी तिमाही में यह रिकॉर्ड 44.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। इंचियोन फिलहाल 101 एयरलाइनों के जरिए 183 शहरों से जुड़ा है, जिनमें 158 अंतरराष्ट्रीय यात्री गंतव्य हैं। 2024 के अंत में पूरा हुआ चार चरणों वाला विस्तार इसकी वार्षिक क्षमता को बढ़ाकर 10.6 करोड़ यात्रियों तक ले गया है।

फिलिस्तीन में स्वास्थ्य प्रणाली खत्म होने की कगार पर, गाजा में रोजाना हो रहे हमले : फिलीस्तीनी राजदूत

नई दिल्ली,

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शवेश ने भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस को सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि फिलिस्तीनियों के लिए भी बड़ा दिन बताया। राजदूत ने गाजा और वेस्ट बैक में बिगड़ती मानवीय स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि फिलिस्तीन की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त होने की कगार पर है और इजरायली हमलों में सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला एम. अबू शवेश ने कहा, भारत का स्वतंत्रता दिवस एक बड़ा दिन है, न सिर्फ भारतीय लोगों के लिए बल्कि हम फिलिस्तीनियों के लिए भी। फिलिस्तीनी लोग बहुत पहले भारत के स्वतंत्रता संघर्ष से



प्रेरित थे। हम जवाहरलाल नेहरू, महान नेता महात्मा गांधी और बेस-क, महान शहीद भगत सिंह से प्रेरित थे। एक दिन हम भी भारत की तरह ही आजादी हासिल करेंगे। उन्होंने कहा,फिलिस्तीन में स्वास्थ्य

स्थिति बहुत खराब है। फिलिस्तीन में पूरी स्वास्थ्य प्रणाली खत्म होने की कगार पर है। हजारों सर्जरी टाल दी गई हैं और हमें सैकड़ों तरह की दवाओं और मेडिकल सप्लाई की भारी कमी का सामना करना पड़

मेक्सिको में गांधी-मंडेला पब्लिक लाइब्रेरी को भारतीय दूतावास ने भेंट की 15 पुस्तकें

मेक्सिको सिटी, भारतीय दूतावास ने गुरुवार को मेक्सिको की गांधी-मंडेला लाइब्रेरी को 15 किताबें भेंट की हैं। ये सभी किताबें महात्मा गांधी से संबंधित हैं। दूतावास ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए इसकी जानकारी दी।

एक्स पर साझा किए बयान के अनुसार, मेक्सिको के सैन लोरेंजो नेनामिकोयान स्थित गांधी-मंडेला पब्लिक लाइब्रेरी में महात्मा गांधी के जीवन और दर्शन पर आधारित 15 पुस्तकें भेंट करने का मौका मिला। 8 अगस्त 2026 को पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया। इसका ध्येय

गांधी और मंडेला के मूल्यों और विचारों को बढ़ावा देना है। एक अच्छी पहल है जिससे शांति, बराबरी और सामाजिक न्याय की उनकी साझा विरासत के बारे में जागरूकता बढ़ेगी। इसमें आगे कहा गया कि मेक्सिको में नई पीढ़ियों तक गांधी के शांति और अहिंसा के संदेश को जिंदा रखने और उन्हें समझने में मदद करने के लिए यह एक छोटा सा योगदान है। गांधी-मंडेला पब्लिक लाइब्रेरी, गांधी मंडेला फाउंडेशन के एक इंटरनेशनल कम्युनिटी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। जिसका उद्देश्य शांति, समानता, अहिंसा और सामाजिक न्याय के साझा विरासत और विचारों का प्रचार

करना है। स्थानीय स्तर पर कॉर्पोरेट सहयोग से इस पुस्तकालय के लिए बुक रैक और शेविंग सिस्टम उपलब्ध कराए गए हैं। गांधी मंडेला फाउंडेशन और उसकी अकादमी से जुड़े सदस्यों, क्षेत्रीय उपाध्यक्षों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने 29 जुलाई 2026 को आयोजित वैश्विक वचुंअल बैठक में शिक्षा, मानवाधिकार, स्वास्थ्य, जलवायु कार्रवाई और जमीनी स्तर की सामाजिक पहलों को लेकर व्यापक चर्चा की थी। बैठक में अलग-अलग देशों में चल रहे प्रभावकारी प्रोजेक्ट्स की समीक्षा के साथ-साथ नई साझेदारियों और मानवीय सहायता से जुड़ी

योजनाओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। इसी दौरान पुस्तकालय को लेकर भी अहम विमर्श हुआ था। फाउंडेशन का मानना ​​है कि यह पहल स्थानीय समुदाय में पढ़ने की संस्कृति और ज्ञान तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है। महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला विश्व इतिहास के महान स्तंभ माने जाते हैं। दोनों ने अपने देशों में नस्लीय भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। गांधी को भारत का और मंडेला को दक्षिण अफ्रीका का राष्ट्रपिता माना जाता है। दोनों ने अहिंसा और सत्याग्रह की शक्ति से पूरी दुनिया को प्रभावित किया।

अमेरकी खुफिया जानकारी को अराघची ने बताया फर्जी, बोले-पहले गलती की तो शुरू हुआ युद्ध

नई दिल्ली,

ईरान के वदिश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने एक बार फिर अमेरिका प्रशासन पर निशाना साधते हुए अमेरिका की खुफिया जानकारी पर सवाल खड़े किए। मौजूदा हालातों के लिए अराघची ने अमेरिका की खुफिया जानकारी की गलतियों को ज़िम्मेदार ठहराया।अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में लिखा, अमेरिका लंबे समय से खुफिया जानकारी से जुड़ी गलतियों के कारण गलत आकलन करता रहा है। इसका एक उदाहरण ईरान के खिलाफ युद्ध है। अब होर्मुज स्ट्रेट को लेकर उससे भी बड़ी गलत गणना की जा रही है। फर्जी खबरों से भी ज्यादा खतरनाक चीज फर्जी खुफिया जानकारी होती है। सावधान रहें। अल्ललाह महान है, और धरती की किसी भी ताकत से बड़ा है। हमें अल्ललाह पर भरोसा है। कहा जा सकता है किअराघची



ने यह बात होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका के नयंत्रण वाले दावे को लेकर कही है। अमेरिका लगातार होर्मुज स्ट्रेट में में अपने दावे की बात कर रहा है, जबकिईरान हर बार उसके इस दावे को नकार देता है। बुधवार को भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका के लिए कुछ नहीं कर सकता। पूरा नियंत्रण का दावा किया। अमेरि-रकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी पक-

ड़ बनाए रखना चाहता है। ट्रंप ने टूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। मुझे लगता है कि हम इसे बनाए रखेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने नौसैनिक घेराबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान इसे चुनौती देने के लिए कुछ नहीं कर सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक, हर कोई हमारी नौसैनिक घेराबंदी को स्टील की दीवार कह रहा है और ईरान इसके बारे में कुछ

नहीं कर सकता। इससे पहले भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और बड़े स्तर तक बढ़ाने की संभावना अभी भी मौजूद है। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट खुला हुआ है, लेकिन उनका दावा था कि इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर अमेरिकी नौसेना का नियंत्रण है। उन्होंने कहा कड़िस समय होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण रखने वाला एकमात्र पक्ष अमेरिकी नौसेना है। हमारी नाकाबंदी पूरी तरह प्रभावी रही है।

यह एक मजबूत स्टील की दीवार की तरह है। हम उन्हीं लोगों को अंदर आने देते हैं जिन्हें हम आने देना चाहते हैं, और वही लोग अंदर आते हैं और बाहर जाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी जा रही है, लेकिन उन्हें ईरान जाने की इजाजत नहीं है।

पीएम मोदी ने भारत की विदेश नीति में राष्ट्रीय हित पर जोर दिया : स्कॉट मॉरिसन

कैनबरा,

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व पीएम स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि वह भारत की विदेश नीति में मजबूत राष्ट्रीय हित और एक व्यवहारिक नजरिया लेकर आए हैं। उन्होंने पीएम मोदी के विजन को आगे बढ़ाने में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की अहम भूमिका की भी सराहना की। इटालियन-भारतीय उद्यमी और विशेषक वास शेनॉय के साथ एक साक्षात्कार के दौरान मॉरिसन ने भारत की विदेश नीति के सफर पर विचार साझा किए। यह बातचीत ऐसे समय हुई है, जब नई दिल्ली शनिवार को अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भारत अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर संभावनाओं को साकार करने पर तेजी से ध्यान



तकनीक हो या अंतरिक्ष, आगे बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। मुझे लगता है कि अगले 20-30 सालों में जब भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था परिपक्व होगी, तो भारत एक अंति-रक्ष महाशक्ति बनकर उभरेगा। मॉरिसन ने जोर देकर कहा कि

भारत की सक्रिय भागीदारी क्वाड के महत्व के लिए केंद्र बनी हुई है। उन्होंने इस समूह की सफलता के लिए नई दिल्ली की भागीदारी को जरूरी फैक्टर बताया। उन्होंने पूरे हिंद-प्रशांत में समुद्री सुरक्षा पर बढ़ते जोर का भी जिक्र किया और कहा

कि क्वाड के एजेंडा में हिंद-प्रशांत में हिंद को ज्यादा अहमियत देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समूह के सुरक्षा पहलू पर अमेरिकी सरकार के तहत नए सिरि से ध्यान दिया गया और विदेश मंत्रियों ने लगातार बढ़ोतरी की है। इंडो-मे-

ने दो दिन पहले अपनी ब्रीफिंग में क्या चेतावनी दी थी, तो अब्दुल्ला अबू शवेश ने कहा, उन्होंने एक बहुत जरूरी मुद्दे का जिक्र किया। वह इस बारे में बात कर सकते हैं कि फिलिस्तीन में क्या हुआ और क्या हो सकता है, खासकर वेस्ट बैक में क्या हो रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत को बदलने के लिए, राजनीतिक कार्रवाई की जरूरत है। जब पूछा गया कि 2026 में अब तक कितने फिलिस्तीनी इजरायली सेना या बसने वालों ने मारे हैं, तो उन्होंने कहा, सैकड़ों फिलिस्तीनी मारे गए हैं, चाहे गाजा में हो या वेस्ट बैक में। यह एक से ज्यादा आंकड़े हैं, लेकिन मैं आपको यकीन दिला सकता हूं कि सैकड़ों फिलिस्तीनी यहूदी और इजरायली सेना के हाथों मारे गए हैं। राजदूत ने कहा, मैं

आपको यकीन दिला सकता हूं कि फिलिस्तीन में जो हुआ है, उसे पूरी तरह से कवर करने में हमें दस से भी ज्यादा घंटे लगेंगे। लेकिन, लंबी कहानी को छोटा करते हुए, भले ही गाजा में सीजफायर होना चाहिए, लेकिन हालात बहुत मुश्किल बने हुए हैं। वेस्ट बैक में, फिलिस्तीनी लोग हर दिन यहूदियों के दर्जनों हमले झेल रहे हैं। जब हम आतंकी हमला कहते हैं, तो यह वही शब्द है जिसका इस्तेमाल इजरायल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी ने भी किया है। इसलिए, वेस्ट बैक में भी, जहां कोई हमास नहीं है और कोई जंग नहीं है, हम कट्टरपंथी यहूदियों और इजरायली सेना के हाथों रोजाना हमले का सामना कर रहे हैं। गाजा पट्टी में, कोई असली सीजफायर नहीं है। कई बच्चे मारे गए हैं।

श्रीलंका की नौसेना ने तमिलनाडु के 10 मछुआरों को किया गिरफ्तार, नाव भी जळ



रामेश्वरम,

तमिलनाडु के दस मछुआरों को श्रीलंका की नौसेना ने कच्चाथीवू के पास गिरफ्तार कर लिया। रामेश्वरम और अन्य जिलों के रहने वाले इन मछुआरों पर समुद्री सीमा पार कर श्रीलंकाई इलाके में मछली पकड़ने का आरोप है।तमिलनाडु मत्स्य पालन विभाग ने बताया कि, बुधवार सुबह जरूरी टोकन लेने के बाद 297 मैकेनाइज्ड ट्रॉलर (गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाली नाव) रामेश्वरम फिशिंग जेट्टी से समुद्र में उतरे थे। देर रात, थंगाचिमदम के राजन नगर के रहने वाले वेलिंगटन की एक मैकेनाइज्ड नाव को श्रीलंकाई नेवी की सर्विलांस टीम ने कच्चाथीवू के पास रोक लिया।शुरुआती जांच के बाद, नाव और उर-विके 10 सदस्यों को कस्टडी में ले लिया। मछुआरों में 45 साल के जनथन; 38 साल के एंटनी पिचाई; 43 साल के प्रभु; 55 साल के डॉन बॉस्को; 31 साल के अरोकिया डेविन; 51 साल के वेलुचामी; 52 साल के सुब्बैया; 25 साल के अरोकिया जेनिस्तन; और 30 साल के स्टीविन शामिल थे। दसवें मछुआरे की पहचान तुरंत पता नहीं चल पाई।वे रामेश्वरम, पंबन, विरुधुनगर और थंगाचिमदम के रहने वाले हैं।

मत्स्य पालन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि मछुआरों को पूछताछ के लिए तलाईमन्नार बंदरगाह ले जाया गया। उम्मीद है कि उन्हें गुरुवार को बाद में श्रीलंका की एक कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जब्त किए गए ट्रॉलर के बारे में और जानकारी का इंतजार है। इस गिरफ्तारी से रामनाथपुरम जिले में मछली पकड़ने वाला समुदाय गुस्से में है। मछुआरों ने बताया कि यह घटना नौ मछुआरों को गिरफ्तार किए जाने के ठीक पांच दिन बाद हुई, जब उनके ट्रॉलर में कथित तौर पर नेटुनथीवु के पास कोई तकनीकी समस्या आ गई थी। उस गिरफ्तारी के विरोध में, रामेश्वरम के मछुआरे एक दिन के लिए समुद्र से दूर रहे। मछुआरों के प्रतिनिधियों ने कहा कि बार-बार गिरफ्तारी और नावों को जब्त किए जाने से उनकी रोजी-रोटी पर बहुत बुरा असर पड़ा है, जिससे उनके परिवार पैसे और भावनात्मक रूप से टूट गए हैं। मछुआरों के नेता जेसु राजा ने केंद्र और तमिलनाडु सरकारों पर बार-बार होने वाले समुद्री विवाद का कोई पक्का हल निकालने में नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मछली पकड़ने वाले समुदाय ने बार-बार असरदार कूटनीतिक दखल की अपील की थी, लेकिन पाक खाड़ी में जाने पर उन्हें गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें मूकदर्शक बनी हुई हैं, और कहा कि उनके दोस कदम न उठाने की वजह से मछुआ-रों के परिवारों को मुश्किल और मानसिक परेशानी हुई है। मछुआरा समुदाय ने अधिकारियों से अपील की कि वे गिरफ्तार किए गए लोगों और उनके ट्रॉलर की तुरंत रिहाई सुनिश्चित करें और ऐसे घटनाओं को रोकने के लिए श्रीलंका के साथ बातचीत शुरू करें।